रजिल्ही सं • डो—(डी इन)—73

HRA AN UNIVA

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं•18] No. 18i नई बिस्ली, शनिवार, मई 3, 1986 (वैशाख 13, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, MAY 3, 1986 (VAISAKHA 13, 1908)

इस भाग में भिश्म पृष्ठ संस्था दी जाती है स्थित कि वर् अलग संहलन के कर में एखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आ योग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Inlian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्दीय फ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनोंक 7 श्रप्रैल 1986

सं० ए-19021/3/80-प्रणा०-5--प्रत्यावर्तन होने पर श्री जसपाल सिंह भा० पु० सेवा (ग्रा० प्र०-1970) पुलिस मधिक्षक, केन्वीय धन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना सी० प्राई० यू० (एन० सी०) शास्त्रा की सेवाएं 30 नवम्बर 1985 ग्रपराह्म से श्रान्ध्र प्रदेश सरकार की सीपी जाती है और उन्हें 2-12-1985 से मंजूर 117 दिन की ग्राजित छुट्टी / धर्ब वेतन छुट्टी की समाप्ति पर पुलिस महालिदेशक ग्रान्ध्र प्रदेश को ब्यूटी के लिए रिपोर्ट करने का निदेश दिया जाना है।

सं० 3/6/86-प्रशा०-5--र्श्नः एस० रामामूथि, कार्यालय ग्राधीक्षक के 17-3-86 (पूर्वाह्न) से सा० ग्र० स्कन्ध: मद्रास गाखा में भ्रपना कार्य ग्रहण कर लेने के परिणाम स्वरूप श्री वी० गोपालक्षुरुणैया जिन्हें भ्रवकाश रिक्ति में 13-1-1986 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न कार्यालय श्रीक्षक के रूप में तदर्थ

श्राधार पर नियुक्त किया गया था को 17 मार्च 1986 पूर्वाह्न से श्रपराध सहायक के रूप में प्रत्यावर्तित किया जाना है।

REGISTERED NO. D-(DNr

धर्म पाल भल्ला प्रणासन ग्रधिकारो (स्था०) केन्दीय श्रन्वेषण ब्यूरो

गृह मन्नालय

महानिदेणालय के०रि०पु०बल

नई दिल्लं:-110003, दिनांक 4 अप्रैल, 1986

सं० ओ० दो०-2141/86-त्यापता—-राष्ट्रपति जें। ने डाक्टर, राजीवा पाण्डे, को ग्रस्थाई रूप मे श्रागामी श्रादेश जारी होने तक, केन्धीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी, श्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०), कम्पनी कमान्डर, के पद पर 18 मार्च, 1986 (पूर्वाह्म) से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 7 अप्रैल, 1986

सं० ओ० दो०-1763/82-स्था०—सेवा निवर्तन की भ्रायु होने पर, सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप केन्दीय रिजर्व पुलिस बल के श्री शिव मोहन सिंह, भारतीय पुलिस सेवा, (मध्य प्रदेश 1954) ने दिनांक 31-3-86 को भ्रषराह्न पुलिस महा निरीक्षक सै/3, का कार्यभार सौंपा।

सं० ग्री० दो-2136/86-स्था०—-राष्ट्रपति, जी श्री के० एज० वरस, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश, 1956) को केन्दीय रिजर्व पुलिस बल में दिनांक 1-4-86 से सेवा निवर्तन की उम्र पूरी होने तक ग्रर्थात् 31-12-87 तक प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर ६० 2500—2750/- वेतनमान में महानिरीक्षक के० रि० पु० बल के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हुँ।

2 तदनुसार उक्त श्रधिकारी ने महा निरीक्षक सैंक्टर-3 के० रि० पु० बल नई घिल्ली का कार्यभार, दिनांक 1-4-86 (पूर्वास्त्र) को संभाल लिया।

दिनांक 9 मप्रेल, 1986

सं० औ॰ दो-2146/86-स्था०--राष्ट्रपति जी द्वारा, श्री सी० एस० द्विवेदी, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश, 1959), को ६० 2500-2750/- के देतनमान में प्रति-नियुक्ति श्राधार पर केन्दीय रिजर्व पुलिस बल में 5 वर्ष के लिए पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया जाता है।

तदनुसार उक्त घधिकारी ने दिनांक 4-4-1986 (पूर्वाह्न) को पुलिस महानिरीक्षक स/4, के० रि० पु०बल शिलांग का कार्यभार संभाल लिया।

> ग्रशोक राज महीपथी, सहायक निदेशक स्थापना

भारत के महा रिजस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मप्रैल, 1986

सं० एफ-10/4/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, विभागीय प्रोन्नित समिति की सिफारिश पर, भारत के महा रिजस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली में कंसोल काएरेटर के पद पर कार्यरत श्री सत्य प्रकाश को 17 फरवरी, 1986 के पूर्वीह्न से भ्रमले भादेशों तक उसी कार्यालय में अस्थायी क्षमता में नियमित श्राधार पर पदोन्नित द्वारा, सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री सत्य प्रकाश का मुख्यालय नई दिल्ली रहेगा।
- 3. वेदो वर्ष तक परिवोक्षाधीन रहेंगे।

वी० एस० वर्मा भारत का महा रजिस्टार कार्यालय: निदेशक लेखा परीक्षा,

केन्दीय राजस्व

नई दिल्ली:-110002, दिनांक 14 श्रप्रैल, 1986

सं । प्रशा - 1/का । भा । सं - 8 - - इस कार्यालय के सहायक लेखा परीक्षा, ग्रधिकारी श्री श्रमरीक सिंह ग्रहतुवालिया वार्धक्य ग्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 श्रप्रैल, 1986 को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्मतिथि 3 प्रप्रैल, 1928 है।

सं प्रशासन 1/का बा सं - 9— इस कार्यालय के सहायक लेखा ब्रधिकारी श्री कृष्ण लाल कपूर वार्षक्य ब्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप, 30 ब्रप्नैल, 1986 को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो आयेंगे।

उलकी जन्म तिथि 15 श्रप्रैल, 1928 है।

मोहन खुरान उप-निदेशक, लेखा परीक्षा (प्रशासन)

निवेशक, लेखा परीक्षा का कार्यालय (केन्दीय) कलकत्ता-700001, दिनांक 24 मार्च 1986

मं० प्रणा०-1/राजपितत/2022-23—निदेणक लेखा परीक्षा, केन्दीय कलकत्ता ने 650-30-740-35-880-ई०बी०-40-1040 रुपये के वेतनमान पर संलग्न सूची में क्रम संख्या 1 से 216 तक दिये गये नामों के प्रनुभाग श्रधिकारियों को सहायक लेखा परीक्षा, श्रधिकारी (ग्रुप-ख) के पद पर ग्रस्थायी हैसियत से प्रत्येक नामों के साथ दिये गये तारीख से भ्रगले श्रादेण जारी किये जाने तक निदेशक लेखा परीक्षा के कार्यालय, (केन्द्रीय) में तदर्थ एवं श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किए गये हैं:-

कम नाम सं०	स्थापना की सारीख
. 1. दिलीप क्रुमार घोष	1-11-85
 श्रमल किंशोर भट्ट। चार्जी 	1-11-85
 सुनिर्मंल घोष 	1-11-85
 संत्य कमल चक्रवर्ती 	1-11-85
 मृहम्मद भ्रब्दुल वहाब 	1-11-85
 समरेन्द्र नाथ चौधरी 	1-11-85
7. सुनील कृष्ण तालुकदार	1-11-85
 ननी गोपाल महलानिविश 	1-11-85
9. शान्ति राम च टर्जी	
10 संजय कुमार बनर्जी	1-11-85
11. भ्रजित कुमार बोस	1-11-85
12. धीरेन्द्र लाय बोस	1-11-85
13. शंकर प्रसाद हालदार	1-11-85

ऋम नाम सं०	स्थानाप न्त की सारीख	क्रम नाम सं०	स्थानापनः की तारीख
40	ताराख	71 0	वाराख
सर्व श्री		सर्वे श्रो	
n4 सःत हुन≀र िव च् <mark>यास</mark>	1-11-85	अस्त्री अशोक कुमार मुद्रार्जी	1-11-85
al5. हिसाँसु कुमार भट्टाचार्जी	प्रतिनियुक्ति	्रंड . परितोष कुमार सेन गुप्ता	1-11-85
16. जदुनाथ गुह	1-11-85	59 प्रवरि मुखर्जी	1-11-85
17. रवीन्य नाय सरकार II		60. पंचा नन [े] सिंह राय	1-1,1-85
18. सुबोध चन्व दास	1-11-8 ^{cn}	61. श्रमिय भूषण चटर्जी	1-11-85
19. सुजीत कुमार गुह	1-11-85	62. मल य रंजन गृह	1-11-85
20. हर प्रसाद म ट्टाच ार्जी	1-11-85	63. प्रशान्त कुमार दत्त	1-11-85
21. पूर्णानन्द वन्ध्योपाध्याय	1-11-85	64. मुक्ति पर्व सान्याल	1-11-85
22 ननी गोपाल कर	1-11-85	6.5. चिण्मय नाग	
23. सुभुमार साहा	1-11-85	 तितीस चन्द्र मजूमदार 	
24. हिमीसु कुमार साहा	1-11-85	67. श्रवितास चन्द्र चक्रवर्ती	1-11-85
25. विभास भ न्द शील	1-11-85	68. समीर कुमार पाल II	1-11-85
26. सु ब त सेन	1-11-85	69. क्याम सुन्दर सरकार	1-11-85
27. चित्तरंजन ठाफुर	1-11-85	70. चजिदां नक्स मिदया,	1-11-85
28. साधन चन्द गंगोपाध्याय	1-11-85	71. परिमल कुमार बनर्जी	
29. विभास कांति भट्टाचार्जी	1-11-85	72. सुरेन्द्र कुमार नाथ	
30. श्रीमती अंजलि चट्टोपाध्याय (परियाल)		73. रंजित कुभार चौध्री	1-11-85
31. बदरि नारायन सरकार	1-11-85	74. जयस्ता प्रसाद मुखीपाद्याय	1-11-85
31. बदार नारायन सरकार 32. सुखिन्द्र नाथ घोष	1-11-85	75 श्रजय ध्याम	1-11-85
•	1-11-85	76. रूपेन्द्र नाथ मिश्र	1-11-85
33. समरेन्द्र मजूमदार 34. विकास कोलि केन महन	1-11-85	77. श्रहण कांति पाल	1-11-85
34. मिहिर कांति सेन गुप्ता	1-11-85	78. हरे फ़ू र ण दास	1-11-85
35. म्रजय कुमार चट्टीपाध्याय 36. म्यामाा प्रसाद पालित	1-11-85	79. गीर चन्द्र पाठक	1-11-85
	1-11-85	80. दिली। कुनार भट्टाचार्जी	1-11-03
-37. देव प्रसाद बोस	1-11-85	81. शिक्षिर कुमार बनर्जी	1 11 00
े 38. रंजिस चटर्जी	1-11-85	82. सुव्रत चीधरी	1-11-85
39. देवेन्द्र बन्धोपाद्याय	1-11-85	93. करूनाण कुमार मित्र	1-11-85 1-11-85
40. गोर हारे साहा	1-1 1-85	84. गोपाल चन्द्र भट्टाचार्जी	
41. पियूष कांति चौधरी	1-11-85	85 श्रीमय कुमार राय	1-11-85
42. सोमेन्द्र नाथ मजूमदार	1-11-85	86. कानाई चरण नाग	1-11-85
43. नरेन्द्र नाथ पटनायक	1-11-85	87. कमल लेखन श्रधिकारो	1-11-85
44. स्ववेश रंजन भद्र	1-11-85	87. कमल लावन आधकार। 88. शान्ति प्रसाद सरकार	1-11-85
45. श्रीमती जयश्री वक्सी	1-11-85		1-11-85
46. सुगांत कुमार लाहिड़ी	1-11-85	89 संतीय कुमार चक्रवर्ती 90 देव प्रसाद राथ चौधरी	1-11-85
47. पुर्णेन्दु विकास राय	1-11-85		1-11-85
48. मानस कुमार मुखर्जी		91. दिलिप कुमार सरकार 92. ग्रमिताभ राय चौधरी	1-11-85
49. नाराथण चन्द्र भौमिक	1-11-85		1-11-85
50. शिष शंकर मुखर्जी	1-11-35	93. ग्ररधेन्द् चौधरी	1-11-85
51. प्रणव कुमार नाग		94. सत्यवत दत्त चीधरो	1-11-85
5.2. निखिल रंजन गांगोली	1-11-85	9.5 भोनल चन्द्र दास	1-11-85
53. णणोक भेखर गांगीलि	1-11-85	96. १५र्मल कुमार मुखर्जी II	1-11-85
5 4. गिरिन्द्र कुमार भट्टाचार्जी	1-11-85	97. घरणाशु भट्टाचार्जी	
55. प्रणव काँति मजूमदार	1-11-85	98. बंगीधर बनर्जी	1-11-85
56. संतोष कुमार राय	1-11-85	99. सुशोल चन्द्र दास गुप्ता	1-11-85

ऋम नाम	. स्वासापन् स्वी	क्रम नाम	स्थानापन्न क
सं o	सारोख	सं०	तारीख
सर्व श्रो <i>ं</i>	4-1 4-1-1-1-1 d d-d-d-d-d-d-d-d	सर्वश्री	
100. अनिल कृष्ण मंडल	1-11-85	144 सितीय चन्द्र वागची	1-11-8
101. ज्यातिर्भय देखाः ॥	1-11-05	145. राज वल्लभ साहा	1-11-8
102. भषानोः प्रसाद बोस	1-11-85	146 तिनकड़ी चन्त्र साहा	1-11-8
103. वर्नः गोतल भट्टाचार्जी	1-1 (-85	147 बिमल कृष्ण राय चौधरी	1-11-8
104 धनन्त नाथ भन्ति III	1-11-85	148 ज्योतिमय दे सरकार	1-11-8
105. अमल चन्द्र पाल		149. क्रिजय कृष्णकर	
106. देवाणिष ब⊹र्जी	1-11-85	150. जनार्दन भट्टाचार्जी	
107. सुर्गाल रंजन वार्मनार	1-11-85	151. सुचित्रमय बन्दोपाध्याय	1-11-9
108 मनेरिजन सरकार	1-11-85	152. तरुन कुमार मुखर्जी	
109. पित्रज्ञ कुमार सरकार	1-11-85	153 प्रकोक नन्दी	1-11-8
110. िनेश सुमार राय चीधरी	1-11-85	154. पूर्ण चन्द्र करण	1-11-8
111. धीरेन्द्र नाथ राय II	1-1.1-85	155. भ्रजित कुमार चकवर्ती IV	1-11-8
112 विक्य तथ चट्टेशाध्याय	1-11-85	156. प्रफुल्ल कुमार मुखर्जी	1-11-1
113. पन्तिष कुमार चटर्जी		157. श्रमल कुमार सरकार	1-11-
114. मारचाल जन्द्र योजिमाल	1-1 1-35	158. निशीय कुमार मुखर्जी	1-11-
115 ज्योतिर्भय विज्वास	1-11-85	159. जीवन कृष्ण भट्टाचार्जी	1-11-
116. श्रसित शुमार नाहा	1-11-85	160. नुपेन्द्र नाथ हालदार	1-11-
117 सन्त कुमार पालुइ	1-11-85	161. रबीन्द्र नाथ चटर्जी	1-11-
118 रंजित कुमार मुख्यापाध्याय	1-11-85	162. ग्रलोक राय	1~11-
119. श्रीधर मुखर्जी	1-11-35	163. मदन मोहन चट्टोपाध्याय	1-11-
120 रणेद्ध नाथ वानु	1-11-85	164. कनक चन्द्र सेन	1-11-
121. चण्डीदास चटर्जी	1-11-85	165 प्रवीर नारायन राय चौधरी	1-11-9
122 संस्माय भट्टाचार्जी	1-11-85	166. धमिय नन्द मजुमदार	1-11-8
1.23 असिक बुमार काहा	1-11-85	167. रमेण चन्द्र भौमिक	1-11-
124. धनम कुमार बन्दोनाद्याय	1-11-85	168 . गोपाल चन्द्र गुह	
125 कार्ति के चन्द्र गोस	1-11-85	169. श्रीमती श्रपनी भट्टाचार्जी	
126 को मचलाल मिश्र	1-11-85	170. मुधेन्द्र चक्रवर्ती	1-11-8
127 प्रसान्त मेबर सत्कार	1-11-35	171 रमला साहा	1-11-9
128 सुनील बर्ण दत्त	1-11-85	172. पूर्णन्दु नन्दी	1-11-
12.9. जिमान कुमार घोष	1-11-85	173 कार्तिक चन्द्र राय	1-11-
130 रहात बुमार सरकार	1-11-35	174 देवेन्द्र नाथ वर्मन	1-11-
131. निर्मेल कुमार सजूमदार	1-11-85	175. सूनिर्मेल ज्योति सरकार	1-11-8
132 जहरलाल बनर्जी I	1-11-35	176. भास्कर भूषण नस्कर	1-11-9
133 विमाः कुमार राय	1-11-85	177. सत्यव्रत दास	1-11-8
134. ननी गोपाल दास	1-11-85	178. भ्रजित कुमार चक्रवर्ती	1-11-9
135. सोनंत बाद	1-11-85	179. ग्रशोक कुमार हालवार	1-11-
136 मदन मोहन दास	1-11-85	180. गोपी कृष्ण दे	1-11-
137. ज्योतिष चन्द्र सरकार	1-11-85	181. लून्फर रहमान	1-11-1
138 सुधीर कृष्ण मण्डल	1-11-85	182 तहन मोहन चऋवर्ती	1-11-8
139. श्रनिल कृष्ण मण्डल I	1-11-85	183. श्याम लेन्द्र नाथ चौधरी	1-11-
140 मिहिर कुमार बनर्जी	1-11-85	184. विश्वनाथ मण्डल	1-11-
141 तपन कुमार सरकार	1-11-85	185 श्रीमती पुरत्री (सेनगुप्ता) जेना	1-11-
142. भ्रजय कुमार मुखर्जी	1-11-85	186. कल्यान कुमार घोषाल	1-11-9
143 ग्रमलेन्द्र दास	1-11-85	187. विमल कुष्ण नाथ	1-11-

والمراجعة	
ऋम नाम ∹	स्थानापन्न की
सं ०	तारीख
सर्वे श्री	
	1-11-85
188. दुलाल चन्द्र मुखर्जी	1-11-85
189. देव कुमारं मुखर्जी 190. मधुमुदन दक्त चौधरी	1-11-85
191. विद्युत कुमार कालसा	1-11-85
	1-11-85
	1-11-85
193 मृनाल कान्ति दत्त	
1. ६ चुनीलाल तरफदार	1-11-85
195 श्रमल कुमार श्रीमानी	1-11-85
196 मंजिल कुमार मजूमदार	1-11-85
1000 विजय कृष्ण काण्डु	1-11-85
98. पूर्णन्दु विकाप राय चौधरी 	1-11-85
99. पुरंजन चन्द	1-11-85
90. दोषक कुमार सेन गुप्ता 	1-11-85
. 01. ष्यामल कुमार चक्रवर्ती	1-11-85
.02. श्रीमती मिनति व्साक	1-11-85
203. नारायन चन्द्र घ ट्टोपाध्याय	1-11-85
204. तुषार कान्ति घोष	1-11-85
205 स्थामा पद मिल	1-11-85
206. जयन्त कुमार घोषाल	1-11-85
207. विलीप कुमार चौधरी	1-11-85
208 रतन गोपाल भट्टाचार्जी	1-11-85
aad मधुसूदन मुख्युर्गी	1-11-85
🤨 प्रसित रंजन मित्र	, 1-1 1-85
_i. शान्ति मय वनर्जी	1-11-85
∶2. वेबन्नत भौमिक	1-11-85
ं 3. सौरेन्द्र मोहन घोष	1-11-85
4. सुखमय भौमिक	1-11-85
। 5. श्रीमतो आरतो राय चौधरी	1-11-85
विमल कान्ति दे	1-11-85

मुनील उप निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता

्कार्यालय, महालंखाकार (ए. एण्ड इ^र.), जम्मू-काश्मीर श्रीनगर, दिनांक 8 अप्रैल 1986

सं. प्र. 1/ए. एण्ड ई./60(67)/26/85-86/ 7974---महालंखाकार (ए. एण्ड ई.) सहर्ष निम्नलिखित ुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न रूप में नेखा अधिकारियों के पद पर रु. 840-40-1000-ई.बी.-40-1200 के बेतनमान में प्रत्येक को नाम को सामने अंकित तिथि से अगले आदिश तक नियुक्त करते हैं।

- श्री बंसी लाल मिश्री--27-2-86 (पूर्वाहन)
- श्री रतन लाल काव--27-2-86 (पूर्वाह्न)
- 3. श्री ऑकार नाथ मुक्--24-3-86 (पूर्वाह्न)
- 4. श्री राजिन्द्र स्वरूप बहल--27-2-86 (पूर्वाह्न)

उनकी परस्पर वरिष्ठता उत्पर वर्णित कम के अनुसार होगी।

अ. कु. शर्मा वरिष्ठ उप महालेखाकार (लेखा तथा अधिकरण)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 1, बिहार पटना, दिनौंक 21 फरवरी 1986

सं० प्रशा०-1(ले० प०)-1-20-5-1894--महा लेखा कार (लेखा परीक्षा)-1, त्रिहार, पटना में निम्नलिखित महायक लेखा परीक्षा, अधिकारियों को, अगले आदेश तक के लिए, लेखा परीक्षा, अधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में, दिनौंक 12-2-1986 (अपराह्म) अथवा पद भार ग्रहण करने की तिथि, दोनों में से जो भी बाद में हो, सहर्ष स्थानापन्न प्रोन्नति दो है:---

सर्वश्री

- 1. भरत झा
- 2. ग्रब्दुल गफ्फार खान
- 3. बुद्धि चन्द्र सिंह
- 4. बुद्धिनाथ झा
- जितेन्द्र कुमार सेन गृष्ता

दिनांक 21 मार्च 1986

सं० प्रशासन-1(ले०प०)-1-20-5-2039--महा लेखाकार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार, पटना निम्नांकित सहायक लेखा परीक्षा, अधिकारियों को दिनांक 3-3-1936 (अपराह्म) या पदभार, ग्रहण की तिथि से, जो बाद में हो, से अगले आदेश तक रुपये, 840-40-1000-द० रो०-40 1200 के वेतनमान में स्थानापन्न लेखा परीक्षा, अधिकारों के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं:---

ऋम	नाम		
सं०			

- श्री भुपल भट्टाचार्यं
- 2. श्री क्षेत्र मोहन हलदर

सं. प्र.। (ले. प.)-।-20-5-2045.— महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-।,, बिहार, पटना-सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी श्री कृष्ण कुमार बांस की दिनांक 14-3-86 (अपराह्न) या पष भार ग्रहण करने की तिथि सं, जो भी बाब में हो, सं अगले आदोष तक रु. 840-40-1000 द. रो. 40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रबान्नत करते हैं।

जयन्त चटर्जी उप महालखाकार (प्रशासन) बिहार, पटना

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, म०प्र० ग्वालियर, दिनौंक 28 फरवरी

ऋमाँक |प्रशा०ए०|पी०एफ०एन०जी०|के०|387|2744--श्री एन० जी० किबे, (01|204) लेखा श्रधिकारी कार्यालय
महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, मध्य प्रदेश, जोकि
वर्तमान में इंदौर विकास प्राधिकारण इंदौर में बाह्य सेवापर
हैं, श्रध-वार्षिकी स्रायु हो जाने पर, दिनाँक 31-3-1986 को
स्नाराह्न को शानकोय सेवा से सेवानिवृत्त किया जाता है।

(ह०) अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निवेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं नई विल्ली-110001, विनाँक 14 श्रप्रैल 1986

सं० 235/ए-प्रणासन/130/83-85--वार्धक्य निवृत्ति प्रायु प्राप्त करने पर, श्री किणनलाल स्थायी लेखा परीक्षा, प्रधिकारी, रक्षा सेवाएं दिनाँक 31-3-1986 (ग्रपराह्म) की सेवा-निवृत्त हुए

भगवान शरण तायस संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय ग्रार्डनंन्स फैक्टरी बोर्ड भारतीय ग्रार्डनेन्स फैक्टरियाँ सेवा

कलकत्ता-1, दिनाँक 8 श्रप्रैल, 1986

सं० 23/जी/86---राष्ट्रपति महोदय, श्री म्नार० के० पाल जि० डी०, कार्यशाला, प्रबन्धक का भाई० ओ० एफ० एस० से त्यागपत्र दिनांक 15जून, 1985 से स्वीकार करते हैं।

> एम० ए० श्रलहन, संयुक्त निदेशक

कलकत्ता, विनाँक 10 भ्रप्रैल 1986

सं० 24/जी/86--राष्ट्रपति महोदय, ने निम्नलिखित प्रधिकारियों को एस० ए० जी० स्तर-1, (डी०डी०जी०ओ० एफ०-एस० जी०-1) एवं महानिदेशक (एस० जी०-1) के गेड में उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से पुष्ट करते हैं:--

नाम एवं पद	पुष्टिकरण की तारीख
 श्री पी० म्रार० राव, उपर महा निदेशक (निवृत्त) 	9-5-79
 श्री पी० एल० जालोटा, उपर महा निदेशक (निवृत्त) 	30-9-80
 श्री श्रार० श्रार० वयांचु श्री० जी० ओ० एफ०/चेयरमैन (निवृत्त) 	9-2-81
	

सं० 25/जी/86---राष्ट्रपति महोदय ने निम्नलिखित अधिकारियों को एडिशानल छीं जी अो एफ के ग्रेड में जनके सामने दर्शायी गई तारीखों से पूष्ट करते हैं :---

	नाम एव पद	पुष्टिकरण की तारीख
1.	श्री सि० माधावन, उपर महानिवेशक/सवस्य (निवृत्त)	30-6-78
2.	श्री ओ० पी० बहल, उपर महा निदेशक/सदस्य (निवृत)	9-5-7
3.	श्री डी० सेन, उपर महानिदेशक/सदस्य (निवृत)	1-3-8

वी० **के० मेहता** उप महा निदेशक/स्थापन

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनाँक 11 मार्च, 1986

सं० 2 (26)/स्थापना-1/86/1465--वस्त्र श्रायुः' कार्यालय, बम्बई के श्री श्रार०के० श्रम्यर, सहायक निदेश 'श्रेणी-II (पो० एवं डो०) विनाँक 28-2-1986 के श्राराहः' से सेबानिवृत्तिकी श्रायु पूरी करते हुए सेवानिवृत्त हो गए

ग्रारुण कुसाः वस्त्र आयुम्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय नई दिल्ली,दिनाँक 31 मार्च 1986

सं० प्र-1/1(1045)--इत महा निदेशालय के स्थायी गुनिष्ठ प्रगति श्रधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री राम किशन निवर्तन श्रायु प्राप्त करने पर दिनौंक 31-3-1986 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> वी० साखरे उप निदेशक (प्रशासन) कृते महा निदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनौंक 31 मार्थ, 1986

सं० ए-17011/283/84-प्र-6—संघ लोक सेवा म्रायोग द्वारा, जयन कर लिए जाने पर राष्ट्रपति, ने श्री सुभाष चन्द्र को दिनौंक, 6 मार्च, 1986 के पूर्वी ह्व से म्रागामी भ्रादेश दिए जाने क इस महा निदेशालय में (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" धातुकर्म णाखा का ग्रेड-3) स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक, निरीक्षण (धातु) के पट पर नियुक्त किया है।

श्री सुभाष चन्द्र ने दिनाँक 6-3-1986 के पूर्वाह्न से निरीक्षण-निदेशक (धातु) भिलाई के कार्यांलय में सहायक निदेशक, निरीक्षण के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 9 धप्रैल 1986

सं० ए-17011/292/85/प्र-6—संघ लोक सेवा श्रायोग इ. चुन लिए जाने पर राष्ट्रपति, श्री के० एम० गुप्त को ते दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से श्रगले भादेश दिये जाने तक, महा निदेशालय में, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ''ए'' के पद पर स्थानापन्त रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्त ने 23 दिसम्बर, 1985 के पूर्वीक्क से निरीक्षण देशक (धासु) भिलाई, के कार्यालय में सहायक निदेशक ्रीक्षण (धातु), के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> श्रार० पी० शाही, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय इस्पात विभाग लोहा श्रीर इस्पात नियन्त्रक

कलकत्ता-20, दिनौंक 2 श्रप्रैल 1986

हैं सं० ई०-I-2(1)/85 (.)— प्रधोहस्ताक्षरी श्री एम० े० भट्टाचार्य, ग्रधीक्षक, को श्री धार० के० दे, सहायक हा और इस्पात, नियन्त्रक की ध्रवकाश रिक्ति पर स्थानापन्त दायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक के रूप में दिनांक 1-4-86 प्रपृत्तिक्ष से ध्रस्थायी तौरपरनियुक्त करते हैं:—

दीपक कुमार घोष, लोहा भ्रौर इस्पात नियन्त्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाँक 4 प्रप्रैल 1986

सं० 3074 बी/ए-19012सो०एस०/84/19ए → भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक, श्रो सी० श्रीवाधसन को भंडार ग्रधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- र० के वेतनमान के वेतन पर, श्रस्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक, 21-2-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 8 श्रप्रंत 1986

सं० 2135 बी/ए-19011(1-कें०सी०एस०)/85-19ए-राष्ट्रपति जी, श्री काहनू चरण साहू को भू-वैज्ञानिक (किनष्ठ)
के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान के
वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक
24-2-1986 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

भ्रमित कुणारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनाँक 21 मार्च 1986

सं० ए-19012/39-85-स्था० ए०/पो.पो.---निवर्तन की आयु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर, श्री जी० एस० नागराज, सहायक खनिज श्रयंणास्त्री, (श्रासूचना) को दिनाँक 1 मार्च, 1986 के पूर्वाह्य से भारतोय खान ब्यूरी, के कार्यभार से मुक्त करदियागया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

दिनांक 7 भन्नेल, 1986

सं० ए-19011(391)/86-स्था० ए०~-विभागीय पदो-न्नति, समिति की तिकारिश पर श्रो एच० बो० सत्यन, सहायक धनन भूविज्ञानीय, को भारतीय खान ब्यूरो, में स्थाना-पन्न रूप में कनिष्ठ, खनन भृविज्ञानीय के पद पर दिनांक 10 मार्च, 1986 (अपराह्न) से पदोन्नति प्रदान को गई है।

> पो०पो० वादी, प्रशासन षधिकारी कृते महादिशक

राष्ट्रीय म्रभिलेखागार,

नई दिल्ली-110001, दिनाँक 19 मार्च 1986

सं० एफ० 8-8-83/स्था०-- श्रिमिलेख निदेशक, भारत सरकार श्रीके० डो० विगाठी, जोकि तदर्थ श्राधार परहिन्दी म्रिधिकारी के पत्र पर स्थानानन का से कार्य कर रहे हैं। की पहली फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय म्रिभलेखागार, नई दिल्ली 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नियमित मस्थायी म्राधार परहिन्दी म्रिधिकारी (जी० सी० एस० मुप "बो" राजपत्रित) के पत्र पद नियुक्त करते हैं।

ए० के० भर्मा प्रशासन मधिकारी कृते मभिलेख निदेशक

म्राकाशवाणी महा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाँक 14 अप्रैल 1986

सं० 4(63)/75-एस-1--श्री एल० बो० शास्त्री, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, श्रहमदाबाद स्वैच्छिक रूप से 1 श्रप्रैल, 1986 पूर्वाह्म से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 4(106)/75-एस-एक (खंड-2)—इस निदेशालय की श्रिधिसूचना संख्या 4(106)/75-एस-एक (खंड-2), विनॉक 18-3-1986 के श्रौशिक संशोधन में, श्री डी० वी० माहेश्वरी, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी बम्बई, स्वैच्छिक रूप से 1 मार्च, 1986 पूर्वाह्न से सरकारी, सेवा में मेवा निवृत्त हो गए हैं।

> श्चाई० एल० भाटिया प्रशासन उप निर्देशक (कल्याण) कृते महा निदेशक

सूचना ग्रौर प्रसारण मंत्रालय (फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400 026, दिनौंक 7 स्रप्रैल 1986

सं० ए-12026/1/85-ई-1---इस कायलिय के रिकाडिस्ट श्री कें ए ए पदमनाभन को प्रतिदियुक्ति पर दिनाँक 31 जनवरी, 1986 के धपराह्म से एक वर्ष की श्रवधि हेतु, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में फिल्म आफिसर के पद पर नियुक्त गिया गया है।

> ह० अपठतीय सहायक प्रशासकीय श्रधिकारो कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

ंनई दिल्ली, घिनौंक 3 मार्च 1986

सं० ए-31011/2/86-पी० एव० (एक० एंड एन)---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० ग्रार० सेन की 10 मार्च, 1977 से केन्द्रोय खाद्य प्रयोगणाला, कल हता में तहनीको ग्रिधकारी/लेक्चरार के पद परस्थाई ग्राधार पर नियुक्त [किया है।

दिनांक 7 मार्च 1986

सं० ए-31011/4/85-पी० एच० (एफ० एंड ए.न०)~-स्वास्थ्य सेवा महानिटेश के, ने श्री ए० बापक को खाद्य ग्रनुसंधान एवं मानकी करण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में 12 जनवरी, 1983 से कनिष्ठ विश्लेषक के पद परस्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

दिनाँक 12 मार्च, 1986

सं० ए-31011/4/85-पी० एच०(एफ० एंड एन०) ~ — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशाक ने डा० सत्य प्रकाश को खाद्य अनु-संधान एवं मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में 30 मार्च, 1981 से कनिष्ठ, विश्लेषक के पद परस्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए-31011/4/85-पी०एच० (एफ० एंड एन०)--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जी० सो० राथ को खाद्य श्रनुसंधान एवं मानकी करण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में 30 मई, 1981 से कनिष्ठ विश्लेषक के पद परस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> जैस्सी फांसिस .उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

दिल्ली दुग्ध यो जना

नई दिल्ली-8, दिनौंक 11 मार्च 1986

सं० 6-24/82-सतर्कता -- यतः श्री इन्दर राज, मेट, सुपुत श्री राम चन्द्र, को केन्द्रोय तिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण श्रीर श्रपील), नियम, 1965 के नियम 14 के श्रन्तर्गत इन कार्यालय के दिनौंक 15-9-1982 के सम संख्यक ज्ञापन द्वारा निम्निलिखित श्रारोप के लिए एक श्रारोप-पत्र जारी किया गया था:--

"कि कथित श्रो इन्दर राज तिह, सुपुत श्री रामचन्द्र जब दिल्ली दुग्ध योजना में गेट मेट के रूप में काम कर रहा था तो वह दिनौंक 12-11-1980 से पुर्व सूचना दिए बिना ग्रौर सक्षम प्राधिकारी की पूर्व प्रनुमित बिना ग्रपनी ड्यूटी से ग्रनधिकृत रूप से गैर-हाजिर है जो केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्राचरण) नियम, 1964 के प्रतिकूल है।"

श्रौर यतः दिनांक 15-9-1982 का ग्रारोप-पत्न शापन उसे रिजस्ट्री लिकाफे द्वारा, उसिके निम्नलिखित मूल निवास स्थान के पते, जो उसने दिया हुशाथा, पर भेजा गयाथा:——

> श्री इन्दर राज मुपुत्र श्री राम चन्द्र 566, रामपुरा, दिल्ली-35

कथित ज्ञापन डिलीवर हुए बगैर, डाक प्राधि कारियों की इसटिप्पणी के साथ वापस मिलगया कि "वार-बार जाने पर नहीं मिलता।" जॉच अधिकारी को नियुक्ति काश्रादेश भी उतके 'निम्न पते पर भेजा गया था:--

> श्रो इन्दर राज, सुपुत श्री राम चन्द्र, 70, रामपुरा, दिल्ली-35

जौज करने के लिए जौज प्रधिकारी के रूप में श्री बी० एल० प्रोबराय, की नियुक्ति का दिनौंक 17-8-1984 का कथित शापन भी, डाक प्राधिकारियों, की इस टिप्पणी के साथ वापस भिलागया कि "लेने से इस्कर किया।"

ग्रीर यतः केन्द्रीय सिविश सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण ग्रीर मपील), नियम; 1965 के अनुसार मारोप की यथोचित जॉन करने के बाद, जींच ग्रधिकारी ने दिनाँक 16 जुलाई, की अपनी रिपोर्ट, प्रस्तुत की है (प्रति संलग्न है) अधोहस्ताक्षरी र्जीच अधिकारी के निष्कर्षों से भी सहमत है और उनका यह भी मत है कि मारोपित कर्में वारी, भपने खिलाफ की जा रही र्णीच कार्रवाई से पूरी तरहपरिचित थाक्योंकि उसके उक्त पतों पर इस कार्यालय द्वारा, जो पत्र भेजे गए थे, उनमें उसके द्वारा, प्राप्त किए गए हैं, कुछ डिलीवर हुए विना बापस मिले हैं भौर कुछ को उसने लेने से इन्कार किया है। जांच कार्रवार्धमें उसके भाग न लोने से स्पष्टतः जाहिर है कि उसके पास, दिनौंक 12-11-1980 से भनधिकृत रूप से गैर-हाजिर रहने के भारोप के बचाव में कुछ भी कहने के लिए नहीं है भौर चूंकि रिकाडों से भी यह णाहिर है है कि भभी तक उसका कोई भी भावेदन-पत्न या सूचना इस कार्यालय को भभी नहीं मिली है, निष्कर्षतः यह सिद्ध होता है कि प्रारोपित कर्मचारी खुद अनिधकृत रूप से अपनी ड्यूटी से गैर-हाजिर हो रहा है। इससे यह भी जाहिर है कि वह सरकारी सेवा करने में इच्छुक नहीं है।

भतः श्री इन्दराज, मेट दिनौक 12-11-1980 से भनिध-कृत रूप से इयूटी से गैर-कृषिणर रहने का दोषी है भौर तदनुसार वह सरकारी नौकरी में रखें जाने के लिए योग्य व्यक्ति नहीं है।

मन मतः मधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण, भौर भपील), नियम, 1965 के नियम 11, अनुसार भवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समृचित भौर पर्याप्त कारण होने पर, भन से श्री इन्दर राज, मेट, को नौकरी से नेकाले जीने का वण्ड देते हैं।

> ह०/-(डा० क्षत्नसाल सिंह) महा प्रबन्धक यनुशासनिक प्राधिकारी

शीइन्दर राज, मेट, गुपुत्रश्री राम चन्द्र,

- 566, रामपुरा,
 विस्मी-110035
- 70, रामपुरा,
 दिल्ली-110035
 2-46GI/86

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 अप्रैल 1986

सं क क भीति 2/1 (26) / 83-प्रशा० — परमाणु क जी विभाग, कम धौर भंडार निदेशालय, के निदेश क ने स्थायों कथ पहाय क, क्री पी० के० चपटे, की इसी निदेशालय में, दिनाँ क 1 अप्रैल, 1986 (पूर्वाह्म) से धगले धादेश होने तक, 650-30-740-35-810-दैं० रो०-35-880-40-1000-दै० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक कप अधिकारी के पद पर अस्थायों धाधार परस्थाना पन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० कर्मनि०/2/1(26)/83-प्रणा०/2034→ इन निवेशालयकी दिनांक 14-1-1986 को सम संख्रा ह अधिभूवता के कम में, परमाणु ऊर्जी विभाग, कय और भंडार निवेशालय के निवेशाक में स्थायों कय सहायक श्री जें० जें० परेरा, को इसी निवेशालय में दिनांक 31-3-1986 (प्राराह्म) नह तदर्थ माधार पर तथा दिनांक 1-4-1986 (प्रवाह्म) से माले प्रावेश होने तक नियमित माधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक कय अधिकारों के पद परस्थानापन, रूप में नियुक्त किया है।

बी०जी० कुल हर्गी प्रशासन श्रीधकारी

नाभिकीय इंधन सम्मिश्र

हैवराबाद-500 762, विनांक 20 फरवरी 1986

सं ना दिल्स | का प्र 11/4339 | सब्पुर्वा सं |
1382 - पत्र सं ना दिल्स | का व्या प्र |
16जनवरी, 1984 को दिल्ले गए नियुक्ति, तत्र के प्रमुख्ये हैं।
(क) के प्रमुखार सम्मिश्न के त्रमुख्य पूरेनियम प्राक्ता है।
(क) के प्रमुखार सम्मिश्न के त्रमुख्य पूरेनियम प्राक्ता है।
"क" श्री के नर्सिंह गव, का मिक कूटों के 4339 को सेवाएं,
तत्काल प्रभाव से समाप्त को जीती हैं।

2: उन्हें जारी किए गए बंद पात, सुरक्षा, पहुतात बिल्ला तथा प्रन्य कोई सरकारी सामान की तपृद्ध यूरेनियन अर्थकाइड संयंत्र के प्रबन्धक जी की वे तुरन्त हो बार नकर हैं।

> ना० वें० रमगत, प्रशासनिक प्रक्षिकारो

श्री के॰ नरसिंह राषु, मददागर "क" कामिक कू॰ 4339, स॰ यू॰ मा॰ संयंत्र, ना॰ ६०स॰

श्री के॰ नर्रासह रावु; निवास सं॰ 4.3.250,गुजराती गली, सुलतान बाजार, हैबराबाद-500001---पावती सद्दर्पजीकृत डाकद्वारा। m var. Allen ville ville ville ville and allen allen and in the party of the set of the allen and a set of the set of the

य विश्व विभाग 🖰

भार बेल्ड

श्रोहरिकोटा, दिनाँक 3 अप्रैल 1986

सं० एस० सी०एफ०/पी०जी०ए०/स्थापता-11/15——निदेशक, शांत्र केन्द्र, एनट् द्वारा, श्री एस० धी० शर्मा को स्टेशन श्रधिकारी के रूप में, पदोन्नित द्वारा, वेतनमान ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/- में शांत्र, केन्द्र, श्रीहरिकोटा में, स्थानापन्न क्षमेना के रूप में, दिनांक 20-3-86 (पूर्वित्त) । नियुक्त करना है।

> पी० एस० नायर प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग कृते निवेषणक

इसरो उपग्रह केन्द्र

वेंगलू २-560 017, दिनांक 1 भ्रप्रेंल 1986

मं 20/1(15.1)/86-म्थापना-1--इपरी उपग्रह केन्द्र, के निदेशक, निम्नलिखिन व्यक्तियों की, वैज्ञानिक/प्रभियन्ता एस० बी० पद पर दर्शाई गई तिथियों से प्रगले प्रादेश प्राप्त होने तक अस्थायी श्राधार पर अंतरिक्ष, विभाग के इसरी उपग्रह केन्द्र, वेंगलूर, में सहर्ष नियुक्त करने हैं।

कम्	नाम	पदनाम	दिनांक
सं०			

- 1. कु० एस० वी० उमा महेक्बरी वैज्ञानिक/श्रीभयंता १-10-१६ एस० बी०
- 2. श्री एत० मोहम्मद णरीफ वैज्ञानिक/श्रभियंता 30-12-85, एस० बी०

एच० एफ० रामदास प्रशासन ग्रंधिकारी- II

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 भ्रप्रैल 1986

सं० ए० 32013(मी० वि० छमनि०)/2/83-स्था०-1-- राष्ट्रपति, श्री श्रार० सी० महेश्वरी, निदेशक, की भारत मौसम विज्ञान, विभाग में 19 फरवरी, 1986 से श्रागामी श्रादेशों तक मौसम विज्ञान के छप महा निदेशक के पद पर महर्ष नियुक्त करने हैं।

सं० ए-32013(ए०डी०जी॰एम०)/2/83-स्था०-I-नाष्ट्रपति, डा० एस० धुम० कुलश्रेष्ठ, मौसम विज्ञान के उप
महानिदेशक को भारत मौसम विज्ञान में 21 फरवरी,
1986 (ग्रपराह्न) न ग्रागामी क्रादेशों तक मौसम विज्ञान के
ग्रपर महानिदेशक के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० डी० एस० **श्रव्धी** मौसम वि**शा**व के उप महानिदेशक् (प्रशासन एवं भंडारण)

नई दिल्ली, दिनाँक 9 श्रप्रेल 1986

्सं ए-32014/8/84-स्था०-1---मौसम विज्ञान के महा-निदेश के द्वारा, श्री ए० एल० चिमोटे, ज्यावसायिक महायक को. दिनांक 16-1-1985 से श्रागामी श्रादेशों तक भारत मौपम विज्ञान विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियक्त किया गया।

> के० मृखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महातिदेशक नागर विमान का कायालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 मार्च 1986

सं० ए-32013/12/84-ई० सी०--राष्ट्रपति, निम्न-लिखित सहायक संचार प्रधिकारियों को नागर विमानन विभाग में 31 मार्च, 1986 तक की प्रविध के लिए तदर्थ प्राधार पर मंचार प्रधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति उनके द्वारा; उच्चतर पद का पद भार संभालने की तारीख है तथा उन्हें उनके नाम के सामने दिखाए गए स्टेशन पर तैनात किया गया है:--

ऋम सं०	नाम	तैनाती का वर्तमान स्टेशन	स्टेशन जहां तैनात किया गया है	पद भार संभालने की तारीख
1	2	3	4	5
1.	सर्वश्री एस० एस० कुर	नकर्णी पोरबन्दर	बम्बई	1 4-1-86 (पूर्वाह्म)
2.	श्रार० गोविन्य	:राजूलू नागपुर	मद्रास.	26-2-86

1 2	2,	3	4	. 5	1986 में अप्रांशिक संशोधन करते हुए, महा विदेशक नागर विमानन विमाग के श्री ए० एन० मिया सहायक संचार
सर्वश्री					प्रिमाण विभाग के श्री एक एत्रक समया यहायक समार प्रिमाणी, की तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को 1-12-84 स
		· <u></u>			30-11-85 तक की श्रविधिक लिए बढ़ाते हैं।
3. क०ए	स० मृति	नागपुर	मद्रास	88-4-1E	'
				(पूर्वाह्न)	-2 श्री मित्रा की सहायक संचार स्रधिकारों के ग्रंड
4 H#Co.	के० घटर्जी	मोन्द्रसर्व	ो कलकत्ता	22-2-86	में तदर्श नियुक्ति की श्रवधि बढ़ा दिये जाने से वे इस ग्रेड सें
क एल्ल	याच्या	माह्यजार	। भग्यामग्रा		िनियमित नियुक्ति कादाबातहीं करसकेंगे और तदर्थ श्राधार
				(पूर्वाह्न)	पर की गई उनकी इस शेबा की गणना न तो सहायक संचार
5. जी ० ए	्न० ओका	बम्बई	बम्बई	14-I-86	ग्रधिकारी के ग्रेड में वरिष्ठता के लिए और न ही ग्रगले उच्च-
3 1 -11 - 1	2.111 1-1	4. (4			तर ग्रेड में पदोन्तित के लिए की जाएगी।
6. एम०	रस० गोगाटे	बम्बई	बम्बई	14-1-86	
				(श्रपराह्न)	सं० एं-38013/4/86-ईंं भों०ं-∼नागर विमानन विभाग
					के वैमानिक मंचार संगठन के निम्नलिखित सहायक तुकनीकी
7. एस०	बर्मन	है दरा व ाद	कलकत्ता	6-2-86	स्रधिकारियों, म सेवा-निवृत्ति की श्राय प्राप्त कर े लेमे पर, प्रत्येक
				(पूर्वाह्न)	के नाम के नामने वी गई नारीख से प्रथमें पद का कार्यभार
					छोड़ दिया है :-
. 8. एस० प	गै० से न गुप्त	ा सिल्चर	कलक्रसा	16-1-86	Signature,
				(पूर्वाह्न)	والمراجعة المراجعة الم
A +	एस० तुली	'- Greaf t '	ं दि ल्ली	14-1-86	क्रम नाम व पदनाम तैनाती स्टेणन सेवा-निवृत्ति
9. પુષારા	५५० दल।	विष्णा	विष्णा		सं. की तारीख
				(पूर्वाह्न)	The state of the s
10. सी० ग्र	पर्वास	ग्रगरतला	कलकत्ता	20-1-86	्र सर्वे श्री
10: 110 %	11/2 .761	71 (1111	1	(पूर्वाह्म)	1. एच० आर० कुंदरा, केन्द्रीय रडियो 31-10-85
			,	(4,14)	-
11 ग्रार०	कें ० डी ०	कलकत्ता	कलकत्ता	16-1-86	सहायक तकनीकी श्राधिकारो भण्डार डिपो,
चौघरी				(पूर्वाह्न)	नई दिल्ली ।
11-1 31				(0.20)	2. एस० के० उपाध्याय, वैमानिक संचार 31-12-85
12. जे०पी	० गुप्ता	दिल्ली	दिल्ली	30-1-86	महायक तकनीकी प्रधिकारी स्टेणन, कलकत्ता ।
	ŭ			(पूर्वाह्म)	TRIME CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE PROPER
					3. जे ०के० नाथ, महायक 🧪 वैमानिक संचार 28-2-86
13. एम०ए	्स० पील	काजीगुं ड	दिल्ली	30-1-86	्रतक्ती की प्रधिका री स्टेशन, कलकत्ता ।
				(पूर्वाह्न)	A CONTRACTOR OF THE PROPERTY O
	_				
14. एन०ए	मि० बोस	सि ल्घ र	कलकत्ताः	14-2-86	दिनांक 28 मार्च 1986
				(पूर्वाह्न)	
		2	عمــــــــــــــــــــــــــــــــــــ	11000	मं० ए-38013/1/86-ई०सी०नागर विमानन विभाग
[5. एम०ट	ो० राजऋषि	बम्बध्	बम्बई	14-2-86	के बैमानिक संचार संगठन है। निम्नलिखिन प्रधिकारियों ने
				(श्रपराह्म)	प्रत्येक के नाम के सामन दी गई नारीख से नेवा निवृत्ति की धाय
ഹ കി-∋ി	ो० चां द राना	arme.	बम् ब ई	14-1-86	प्राप्त कर लेमें पर प्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है :
. ७० पा० जा	ाण्यावसाया	બન્બર	4 -4 4	(भ्रपराह्न)	
				(21/161)	क्रम नाम व पदनाम ीनाती स्टेशन सेवा निवृत्ति
7. गम ः ज	ी० सामदेल	दिल्ली	दिस्ली	16-1-86	न्नम् साम् व प्रयोगः स्थापान्। स्थापान्। स्थापान्। स्थापान्। स्थापान्। स्थापान्। स्थापान्। स्थापान्। स्थापान्। सं० की तारीख
. V. 64				(पूर्वाह्न)	44 (1) (13)
				19 /11	
8. तीरथॉ ^र	सह	दिल्ली	दिल्ली	15-1-86	. م. غ ــ ،
				(पूर्वाह्न)	ं सर्व श्री
					 पी०के०वसा, औमानिक संचार ३।-1-४६
र्जा-स्ट	2001 1/1/6	र⊿-क्रिक्मी०—	⊶इस कार्याल	य की ग्राधि-	मंचार ग्रिष्टिकारी स्टेशन कलकत्ता (ग्राप्टाह्न)

ऋम	कम नाम व पदनाम	नाम व पदनाम सेवा निवृति की तारी		
2.	घो० पी० चड्डा,	वैमानिक संचार	31-1-86	
	सकनीकी घधिकारी	स्टेशन, पालम	(भ्रपरा क्ष)	
3.	पी० बी० सुबह्मण्यम,	वैमानिक सं चा र	28-2-86	
	तकनीकी ग्रक्षिकारी	स्टेशन, बम्बई	(मपराह्न)	
4.	केशव नाथ, तकनीकी ग्रप्रिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, वस्व ई	"	

दिनौक 31 मार्च 1986

सं० ए-31013/1/85-ई० सी०:--राष्ट्रपति, श्री एल० स्रार० गर्ग को दिनौंक 29-8-83 से नागर विमानन विभाग में उप निदेशक नियन्त्रक संचार केग्रेड में स्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं

> बी० जयचन्द्रन, उप निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनौंक 31 मार्च 1996

सं०ए-32014/1/84-६-० एस०--महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित प्रधीक्षकों, की नीचे दिए गए तैनाती स्टेशन, पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 रुएए के वेतनमान में प्रशासनिक प्रधिकारी के पद पर की गई तबर्थ नियुक्त दिनौक 30-6-1986 तक प्रथवा पदों के नियमित प्राधार पर भरे जामे तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने का प्रनुमोदन किया है:---

क्र म सं०	नाम,	मनुमोदित तदर्य नियुक्ति की मनधि	प्रशासनिक भिध- कारी (तवर्ष) के रूप में तैनाती का स्टेशन
		से	तक

सर्वे श्री:

- जी० बालन 6-3-86 30-6-86 क्षेत्रीय निवेशक,
 महास ।
- 2. म्रो० एन० साहोर 7-3-86 30-6-86 विमानक्षेत्र मधि-कारी, सफदरजंग

सं० ए-32014/1/86-६० एस०--महानिवेशक नागर विमानन, प्रधानावार्य, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय, में श्री श्री० पी० मेहरोता प्रधीक्षक (तदर्य) को 10-3-86 से 31-3-86 तक 650-1200 रुपये के वेतनमान में प्रशासनि क प्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ प्राधार पर नियुक्त करते हैं।

एम० भट्टाचार्जी उप निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 2 भप्रैल 1986

सं० 3/86 फा० सं०-22/2/85-प्रणा०-1(बी०)-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतव्द्वारा श्री वीदार सिंह,
पर्यवेक्षक को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत
इंजीनियरी(प्रुप बी) सेवा में मितिरिक्त सहायक निदेशक/
सहायक प्रभियंता के ग्रेड में, स्थानापन्न कमता में, 12-3-1986
(पूर्वीह्न) से भगला भादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

मार० शेषावि संवर सचिव इति प्रध्यक्ष, के० वी० प्रा०

परिवहन मत्नालय जल भूतल परिवहन विभाग नौयहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 9 मप्रैल 1986

संव I टीव आरव(5)/85---नौबहन महानिदेशक प्रव पोव राजेन्द्र बम्बई पर सवर्ष आधार पर नियुक्त कप्तान एसव एसव जयरान, नाटिकल अधिकारी को दिनांक 12-3-1986 (अपरास्त) से कार्यमुक्त करते हैं।

सं III-दी आर (7)/85—-नौवहन महानिवेशक समुदी इंजीनियरिंग प्रशिक्षण निवेशालय बम्बई के श्री अशोक कुमार श्रवस्थी, इंजीनियर श्रिष्ठकारी का त्यागपन दिनांक 28-2-1986 (श्रपराङ्क) से स्वीकार करते हैं।

> यमिताभ चन्द्र नौबह्न उप महानिवेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्राए का कार्यालय

कम्पनी मधिनियम, 1956 और दुबे फाईनान्स (जे० और के०) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

श्रीनगर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1986

सं० पी० सी० 530/432—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृद्धारा सूचना दी जाती है कि दुबे फाईनानस (जे० और के०) प्राईवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

राकेश **पन्द्र** कम्पनी रजिस्ट्रार जम्मूव कश्मीर

कम्पनी मधिनियम, 1956 एवं पारस प्रापर्टीज प्रा० लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 11 श्रप्रैल 1986

सं० 680/16258/560(5)—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपघारा (5) के धनुसरण में एतव्हारा सूचना दो जाती है कि पारस प्रापर्टीज प्रा० लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

वी० राधाक्रुष्णन कम्पनियों का स्रतिरिक्त राजिस्ट्रार महाराष्ट्र, वस्बर्द

कार्यालय मुख्य ग्रायुक्त (प्रशा०) एवं ग्रा० ग्रा० प० वंगाल

कलकत्ता, विनांक 10 जनवरी 1986

आवेश सं० 673

I: पदोन्नति

एफ० नं० 2ई/28/75-76---निम्नलिखित झायकर निरीक्षकों, परिचम बंगाल, कलकत्ता, को, कार्यभार ग्रहण के तारीख से भगले झादेश होने तक, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में भायकर प्रधिकारी वर्ग "ब" में स्थानापम रूप से पदोन्नति किया जाता है।

सर्वेश्री

- रमेम्द्र च॰ राय
- 2. श्रीमती सुशन जार्ज वरगीस
- **3. पार्थं प्रतिम स**रकार
- 4. प्रेमानन्द बसु
- 5. सुघा रंजन बनर्जी
- मिजित कुमार माकुलि
- 7. रनेन्यु विकाश वरुमा
- पूर्ण चन्द भट्टाचार्य
- 9. घर्बेन्दु शेखर मण्डल (घ०/जा०)
- 10. बंकिम च० पाण्डेय (घ०/जा०)
- 11. राई बिनोद वास (भ्र०/जा०)
- 12. बिमल च० मालाकार (ग्र०/जा०)
- 13. नलिनी रं० मण्डल (घ०/जा०)
- 14 हरिपव तालुकदार (भ०/जा०)
- 15. मजित मन्यनी मगस्तिन टीरके (म०/ज० जा०)

यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी और अनिस्तम आधार पर की गई है, और अन्य पदोन्नत व्यक्तियों की तुलना में उन्हें अपने स्थान पर बने रहने का या वरिष्ठता का दावा करने का अधिकार नहीं होगा। उनकी सेवाएं बिना सूचना के खत्म की जा सकती हैं और यदि रिक्तियों के पुनरीक्षण के बाद यह पाया गया कि पदोन्नति के लिये उपलब्ध रिक्तियों से उनकी नियुक्तियों अधिक हैं या उनकी प्रतिस्थापना के लिये सीधी भर्ती पर लिये जाने वाले व्यक्ति उपलब्ध हो जाते तो किसी भी समय उनका परावर्तन किया जा सकता है। उनका स्थानांतरण पश्चिम बंगाल में कहीं और किसी भी समय हो सकता है।

II. भायकर भिवित्यम, 1961 की धारा (1961 का 42) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं निवेश देता है कि----

सर्वन्नी

- 1. रमेन्द्र च० राय
- 2. श्रीमती सुशन जार्ज वरगीस
- 3. पार्च प्रतिम सरकार
- प्रेमानन्य बसु

सर्वश्री

- 5. सुधा रंजन बनर्जी
- 6. **ग्र**जित कुमार ग्राकृलिं
- 7. रनेन्दु बिकाश बरुधा
- पूर्ण चन्द भट्टाचार्यं
- 9. श्र**र्बेन्दु शेखर मण्ड**ल
- 10. बंकिम च० पाण्डेय
- 11. राई बिनोष दास
- 12. बिमल ७० मालाकार
- 13. नलिनी रं० मण्डल
- 14. हरिपद तालुकदार
- 15. श्रजित ग्रन्थनी ग्रगस्तिन टीरके

श्रायकर श्रधिकारी (वर्ग "ख") के रूप में नियुक्ति होने पर श्रायकर श्रधिकारी के सभी कर्तव्यों का पालन ऐसे व्यक्तियों के या व्यक्तियों वर्गों या ऐसी श्राय के वर्गों के लिये या ऐसे क्षेत्रों में करेंगे जैसा कि उनको उक्त नियम के श्रधीन समय-समय पर सुपूर्व किया जायेगा।

Ш तेनाती

पदोन्नति पर, सभी आयकर अधिकारियों को, एतद्द्वारा मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशां०) एवं आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल-1, कलकत्ता के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में तैनात किया जाता है।

> ्झार्० प्रसाद मुख्य धायुक्त (प्रशा०) एवं झा० झा०, पे० बं०-1, कलकत्ता

प्रारूप वाई टी. एन . एस . -----

अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अभीन सचना भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्बी० 939/24/85-86----म्रतः मुझे एम०सी० जोशी

भागकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ने इसमें इसके परवात् 'उक्ट अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राथिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

को प्वों नत सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य हे कम के क्यमा।
प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निक्निलिक्ति स्ववदेश में उक्त अन्तरण लिखित में बान्त-।
निक रूप में कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) बन्तरण से हें इं किसी जाय की बाधत, उक्त जिथिनियम के बंधीन कर दोने के जंतरक औ गांकिए में कमी करने या उससे बचने में स्विधा जै सिए; जॉर/बा
- (म) ऐती किसी अप या किसी अप या मन्त्र बास्तिम् को, जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियमं, या भति-कर विधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था.या किया बाना चाहिए था. कियाने में सर्विधा के हिकार

बतः कथ, उक्त विभिनियम, कौ भारा 269-ग के बन्सरम बौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिचित चिक्तणों, अर्थात् :---

- श्री एस० भ्रार० देवस्थले रेशीमबाग नागपुर। (भ्रन्तरक)
- श्री कें क बीक राव प्रशातनगर ग्रमरावती। (ग्रन्तरिती)

की मृह सूचना चारी करके प्रवेत्स उप्पत्ति के वर्षण से जिल् कार्यशाहियां करता हो।

उनतः सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप प्र---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश थें 45 दिन की जनभि या तस्त्रंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी अवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति भ्वारा:
- (व) रम वृपना के राजपन में प्रकाशन की तारीय र 45 दिन के शीतर अनव स्थायर सम्पत्ति में हितवबूध किसी अन्य स्थायत वृणारा अभोहस्ताक्षरी के पार विकित में किए का सकेंगें।

बग्स्ची

मकान नं० 377 प्लाट नं० 71 सं० नं० 14 प्लाट क्षेत्रफल 1200 स्क्वेयर फीट मकान 850 स्क्वेपर फिट जो प्रशातनगर भ्रमरावती में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज नागपुर

तारीख: 14-1-1986

क्ष्म बार्ष 🚜 दी . एन्👱 १६७

भावकर बहैपनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) में संबोध क्या

eres greet

कारास्त्र, सक्षयक बायकर मानुक्त (विश्लीकन) मर्जन रेंज, बिहार पटना पटना, दिनांक 11 मर्प्रैल 1986 निर्देश सं III /1282/मर्जन/86-87---मतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस-का उधित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2, सीट नं० 29 सर्किल नं० 9 म्युनीसीपल प्लाट नं० 895, 896, 897/898, 899 होंल्डींग है तथा जो नं० 114 (पुरानी) 141, 142 (नया) थाना नं० 137 मौजा मोहरमपुर चोगाम एकजवीशन रोड़, थाना गांधी मैंबान जिला पटना में स्थित है (और इससे उपावद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ती घिमकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 28 धगस्त 1985

की नृजींनत सम्पत्ति के अधित बाबार मृथ्य से कम के स्वयान प्रतिपास के जिए नम्बरित की पर्द है और मृश्वे वह विस्ताध करने का कारण है कि वथापूर्वींचय सम्बत्ति का उचित वाबार मृन्य उनके स्ववान प्रतिपाल से, ऐसे स्वयान प्रतिपाल का पम्प्रह प्रतिपात से विधिक है और बंदरक (अंतरकों) और वंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरिय के लिए इव पावा गया हरिए के निम्मितिया स्वयान से स्वया सम्बद्ध कि सित्य से वास्तरिक रूप से कवित नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्तरक तं हुई फिली बाव की बावत, उक्त वीवीनवम के जधीन कर दोने के जन्तरक के श्रीवरव में क्ष्मी करने वा प्रवर्ध वचने में बुविचा क लिए, और/ा
- (था) एँबी किसी बाय या किसी थन या अन्य शास्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) का उनक व्यथिक्ष्ये, वा थन-कर विधिन्त्य, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्यद्विती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना वाहिए वा, क्याचे वे स्टीन्या के विका

सराः संग, उसरा नियमित्रमा, की पारा 269-न के अनुसरम ें, बें, उसरा अधिनियम की भारा 269-म की उपपादा (1) अधील जिल्लासित व्यक्तियों, समित्र क्र-- शीगुरू वचन सिंह बल्द सी० एस० माग सिंह, 301 सेक्टर 10 बी चण्डीगढ़ व हैसियत पावर भाफ भटरनी मिनजानीब श्री संजया लाल बल्द श्री चान्य लाल, 67, फाईब माइल ड्राइव मोइसफीबं यू० के०।

(मन्तरक)

 भाशियाना इंजीनीयर्स प्राइवेट लिमिटेड एक्ज-बीशन रोड़ पटना सारा डाईरेक्टर श्री इन्दजीत सिंह बल्द श्री मदनजीत सिंह।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुम्ता धारी करके प्रतिकत संपत्ति के श्वीन की सिद् कार्यभाष्ट्रियों करता हूं।

क्या दल्ति में वर्ष ने रल्ल में कोई मी बालेक--

- (क) इस क्ष्मा के एक्पन के प्रकार की तार्रीय हैं

 45 दिन की जनभिया तर्पर्वभी व्यक्तियों पर
 क्ष्मा की कार्यान के 30 दिन की वंशीय को की
 क्ष्मिक कर की प्रकार होती हैं, के प्रीवर प्रवेतिक
 क्ष्मिककों के वे क्षिमी क्ष्मिक कुसक;
- (क) इव ब्यान के राजधन में प्रकारत की वारीय के 45 विश्व के भीतर अवद स्थायर संपरित में दिस्तवृथ किसी बन्द कावित द्वारा, सभोइस्ताक्षरी में वास विविद्ध में किए या सकीये।

स्वयोक्षरण:—इतमे प्रकृतत बच्चों नीर पदों का, वो अच्छा नीभीनयमा, के नभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं नर्भ होगा को उस सभ्याय में दिया नवा हाँ।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रक्षा 15 कठा है जो मीजा मोहरमपुर, जोगामा, एकजीवीशन रोड़ याना कोतवाली हाल याना गांधी मैदान जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 6100 विनांक 28-8-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला सवर निबंधक पटना के द्वारा संपन हुसा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त(निरीक्षण) भर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 11-4-1986

मोहर ::

शुक्रम् बार्ड .टी .एन .एस----

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) के स्पीत सूचना

भारत तरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० एएस आर/86-87/1—-भ्रतः मुझे जे० प्रसाद, आई० भ्रार० एस०,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उणित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० एक जायदाय है तथा जो बेरका जिला अमृतमर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के इच्छमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रति-कल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबत उत्वेषय से उक्त अंतरण लिकित में धास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की यायत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा स्टेलिए: भौर/या
- (क) श्रीर किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों कर किन्हों भारतीय वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रेष्टीजराज अन्तरिती इंदारा अकट नहीं थिया गया थन वा किया प्रामा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. के, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की तपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
3—46G 85

1. मेसर्स हिन्दोस्तान कोलड सटोरेज रेफ़रीजीरेटर द्वारा श्रो अण्वती कुमार और अशोक कुमार पुत्र श्री जगीरी लाल, श्रीमती दरणना रानी पत्नी जगीरी लाल 323 करिशन नगर, लारन्स रोड़, अमृतसर।

(म्रन्तरक)

2 श्रीमती बलजिन्दर कौर पत्नी मनोहर सिंह मारफत हिन्दोस्तान कोलड सटोरेज और ब्राईस फक्टरी बाहर गेट हकीमा श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में किरायदार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्व है)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के अर्जन के शिक्ष कार्य गांडिया कारता हुन।

उक्त सम्पन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षांप :---

- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की वनिंध में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रील से 30 दिन की जनिंध, जो भी वनिंध बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूनरा;
- (क) इस सूचना को राजवन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्स-वक्ष किसी जन्य का क्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी की वास सिवित में किए का सकरेंगे।

ल्क्डीकरक १-- इसमें प्रयुक्त सकतें और नहीं का, जो अवध् वर्षिष्टिकम् के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्ष क्षोगा को उस ल्थ्याय में द्विया गमा हैं।

श्रनुसूची

एक जायदाद जो वेरका जिला ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड न० 5360 निथि 12-8-85 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> जे० प्रनाद, श्राई० श्रार०एस० . सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतमर

तारीख: 7-4-1986

प्रारुष बार्च. टी. एन. एड

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के वधीन सुभना

भारत सरकार

अविश्वेष , सङ्घयक भायकर नामृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1986

तिर्देण सं० ग्रमृतसर/86-87/2--यतः मुझे, जे० प्रसाद, ग्र० आर० से०

नायकार माधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्व इसर्वे गश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. म अधिक है

और जिसकी मं० एक सम्पत्ति है तथा जो वेरका, जिला ध्रमृतगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख ध्रगस्त 1985

का पूर्विकत सपरित के उचित काजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतप्त के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एेसे एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की वावत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाकित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/वा
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नालिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- मेमर्स हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेल औद रेफिपरेणन बेरका जिला अमृतसा द्वारा श्री अपवती गुमार ऑर श्री ग्रणोक कुमार संबं/ स्पृत्न सर्वश्री जगीरी लाल, श्रीमती दर्णना रानी पत्नी जागीरी लाल, 323 कृष्णन नगर लारेन्स रोड, अमृतसर।

(भ्रन्तर्क)

 श्री बेग्नन्त सिंह सपुत्र श्री चेतसिंह 2013, गली नाथे खां, कटरा खजाना श्रमृतसर।

(ग्रन्तिरती)

3. जैसे ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्त**ब ह**ै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, से भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिधित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः → इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

एक सम्पत्ति हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेज और रफ़ीजेरेणन वेरका जि० ग्रमृतसर में जैसे डीड नं० 5464 तिथि 14-8-1985 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी ग्रमृतनर में दर्ज है।

> जे० प्रताद, ग्र० ग्रार० मे० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, श्रमृत*ा*र

तारीख: 7-4-1986

प्रस्य नाइं टी. एन . एसं . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृत्यर, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश मं० श्रमृतसर/86-87/3—-श्रत: मुझे, जे० प्रसाद म० र० स०

पायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी एक सम्पत्ति है तथा जो वेरका जिला ध्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्व ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख ध्रमस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के सहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उधित बाजार मृत्य, उनके दरममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे वनरण के लिए तय पाया यमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में शास्तिफल कर से कथित नहीं किया ग्या है:---

- हुँक) बंतर्य से हुइ किसी बाय कर्त वाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर∕वा
- (ख) ऐसी किसी लाम या किसी धन या बन्य मास्तियों का, जिन्हों भारतीय अग्यकर किभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्या विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने ये स्विधा के निए;

क्त: व्या, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

--- 1. मेसर्स हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोर एवं रेफ़ीजरेशन वेरका जिला स्रमृतसर द्वारा सर्वश्री प्रश्वनी कुमार और श्रमोक कुमार सपुत्रश्री जागीरी लाल श्रीमती दर्शाना रानी पत्नी श्री जागीरी लाल, 323 कुष्ण नगर लारेंस रोड, प्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बेअंत सिंह सुपुत्र श्री चेत सिंह 2013, गली नाथे खां, कटरा खजाना श्रमृतसर।

(भ्रन्तिरती)

जैसा ऊपरसं० 2 में कोई किरायेषार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 और कोई ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीक्षर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थलका :--- इसमें प्रमुक्त खुक्यों और पदों का, जो उथत अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो सस अभ्याय में विसा गया है।

अनुसूची

एक सम्पत्ति हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेज रेफ़ीणरेशन वेरका जि॰ अमृतसर में है जैसा 5301 ति॰ 9-8-85 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> जे०प्रसाद अ० र० से० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 7-4-1986

يعيب بهر موسود

प्रकार बाड़³, टी. पूज, एख, -------

मार्थकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के वधीन स्वता

धारत सहकार

कार्थालय, सहायक जायकर बाब्क्स (निर्माण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1986

निर्देण सं० ए एस भार/86-87/4——यतः मुझे, जे० प्रसाद, आई भार एस,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण हैं कि: स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाबार ब्रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का प्रतिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा मान प्रतिक्त कल निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविचत में वास्त्विक इस से किया मान हैं:---

- (क) जनसरण ते हुई जिल्ही शांव की वावध समय विधि-रियम के अधीन कर दोने के जनस्य को दायित्य में कमी करने या उससे ब्यने में त्विभा के निए; मीड/या
- (स) एंगी किसी भाव वा किसी धन वा जल्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत मीधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कस्तरिती दुवारा प्रकट वहीं किया नया था मा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा भी सिद्धाः

बतः वधः, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के बनुसरण में, मं, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्मसिबित व्यक्तियों, वधीत:---

- गि. मैं सर्स हिन्दोस्तान कोल्ड स्टोरेज रैफी अरेटर द्वारा लर्ब श्री प्रणवनी कुमार, प्रणोक कुमार सपुत अगीरी लाल, श्रीमती दरणना रानी पत्नी श्री जगीरी जाल 323, करिणन नगर, लारेन्स रोड, ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सजन सिंह, 3416/2, सेक्टर 40 डी, अन्डीगढ़ श्रीमती सन्त कौर पत्नी

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसे ग्रार० सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना चारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की श्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामीन से 30 दिन की नविभ, भो भी अवधि राष में समाप्त होती हों, के भीतर पृत्रों कर म्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में द्वित व व व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविध्त में किए वा सकार्य।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पवाँ का, कर उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विधा नवा हैं।

बन्स्की

एक जायबाद जो वेरका जिला श्रमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 5412 तिथि 13-8-85 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, ग्राई०ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारी**ख**: 7-4-1986

प्रकम मार्च , दी , एव , एस . ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालम सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भी० टी० सर्वे नं 1257 (पूना) 1206 (नया) भवानीपेठ पूना (क्षेत्रफल 2808 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबह श्रनुसूची में और पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सहापक श्रापकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1985

का प्रांकित सम्मित के जियत बाजार मृत्य सं कम के कामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यें कत संपत्ति का उचित बाजार स्ट्रिंग, उसके स्ट्रिंग प्रतिफल से एसे स्थामान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंचिंगी (बंचिरितियों) से बीच के एसे बन्तरक के जिल् एय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उक्क अवने में दिवस के सिद; बांद/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोकनार्थ जन्दरियी दुवारा प्रकट नहीं किया या का या किया जाना वाहिए था, किशान में सुनिया के सिक्धः

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण हैं, मैं, धक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री कांतीलाल एम० णाह पुष्पक भ्रपार्टमेंटस 81 भवानीपेठ, पूना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जीवराज डी० जैन और धन्य 1206 भवानीपेठ पूता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोचत संपत्ति में अर्थन में 'सिए कार्यमाहियां करता हुं'।

उनत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई जी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वया के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वता की तामील से 30 विन की वविधि, को औं वविध नार में समाप्त होती हो, ये भीतर प्रकेंक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ग) इस सुभना को राजपत्र मो प्रकाशन की साराक्ष सं
 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हिस्बब्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्सक्तरों को शक्त
 लिखित मो किए आ मकारी।

रचक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उन्स्त अधिनियम से अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को यस अध्यास में दिशा गया है।

वन्स्ची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37-ईई/2415/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक **भा**यकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 31-3-1986

प्रकार बाह्य हों हु पुराह पुराह का नाम कारण

थायकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीन मुख्या

भाउत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

<mark>प्रार्जन रेंज, पू</mark>ना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं 0 37-ईई | 4234 | 85-86— श्रातः मुझे, अनिल कुमार श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11 श्री वैमय बिहिडग में टीकल रोड डोम्बीवली (ई) (क्षेत्रफल 623 चां० फुट) है जो डोम्बीयली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कन से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

को नुर्वेषित सम्पत्ति के उत्वित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्र से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप से काभित्त महीं किया गया है ध---

- (क) अन्तरण संहुर्भ चिन्नी आध्य की मानवः, उन्धः अभिनिधम क सभीन कार पंत्र के अन्तरक के वादिस्व में कमी अनुने मा उत्तरते बच्चे में सुविधा के लिए मौर/धा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी थन या कन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या क्स्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्मीरती इंगाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया कांचा जाहिए था किया में सुविधा के खिह;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में ,ो मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 1. मेसर्स पाटकर बिल्डर्स पाटकर रोड़, डोम्बीवली (ई)।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रमाकांत के॰ युर्वे "सशोधन" राजाजी रोड़ डोम्बीवली (ई)

(भ्रन्तरिती)

कां **यह स्थाना वारी करके** पृथिकत संपत्ति क अर्थन के लिए कार्यवाहियां **यूरू कर**का हूं।

वंक्स सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाश्रीप :----

- (क) इब सूचना के राज्यक में अकाशन की ठारीश है 45 दिन की जबधि या तत्सरजन्त्री ध्यक्तियों १६ सूचना की तामील में 30 दिन को लख्डे , जो भी अवधि बाद में समान्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्स क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति युकाद;
- (क) इस स्थना को राजपत में प्रकाशन का तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूप किसी अन्य व्यक्ति युगा अलोहरताक्षरी को पास निविध्य में किय वा सकींने।

स्वश्वीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षी का, जा जक्त विधिनयम के विधाय 20-का में प्रिशाधिक ही, सहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में १८७३ स्था ही।

जनुसूची

जसा की रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37-ईई/4234/85-86 जो सितम्बर 1985 को महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31-3-1986

The first state of the control of the fine property of the property of the control of the contro

diese wife, ed that the more

काण्कर अधिनियक, 1961 (1961 का 43) की पार 200 म (1) व अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तमः, महायक जायकर माम्कतः (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, पूना

पूता, दिनौक 31 मार्च 1986

निदेण सं० 37ईई/2697/85~86~-ग्रतः मुझे, ग्रानिल कुमार,

नायकर अधिनियस, 1961 1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्षम अभिनियम' कहा गया इ), की भारा 269-ल के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव सीवटां व्याप्त नंव 389/बी भवानीपैठ फ्लाँट नंव 15 दूसरा मंजिला पूना क्षेत्रफल 785 चीव फुट हैं तथा जो पूना में स्थित है (और इसरा उपावड अनुस्ची में और पूर्ण का से निणत है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनाँक नितम्बर 1985

मां पूर्विधत सम्परित के उचित बाबार बूक्य से कस के ज्यमान प्रितिष्ठाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोवस सम्वरित का उचित बाजार बूल्य, उसके बस्यमान प्रतिष्ठल की, एहं का प्रतिष्ठल की बस्यमान प्रतिष्ठल की कार्या प्रतिष्ठल की बस्यमान प्रतिष्ठल की कार्या प्रतिष्ठल की बस्यमान प्रतिष्ठल की कार्या प्रतिष्ठी की बीच एसे जन्तरण की लिए तय पाया गया बया प्रतिष्ठल लिक्त सिंग से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए; आर/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गेनर्ग नरेग जमोडर्ग मन्ड बिल्डिकं, 549, सुडन्वारमेपेठ पूना-2।

in the property of the contract of the state of the same of the sa

(अप्रत्यक्र)

(2) श्रो सलीम निद्दीकी 5 मर मुल्ला 802, भवानी-पेड, याकुबनगर पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किया कार्यवाहियां कारण हुएं।

उक्त सम्परित के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इत ब्रुवना के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

रपच्टोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदो का, जो उकत अधिनियम के ए याय ४०-क में परिभाषित है, वही अर्थ ह ना जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन स्वी

जैमा की रजिन्द्रोक्त कि॰ सं 0 37ईई/2697/85-86 जो सिनम्बर 84 को पहायक आयाकर आयुक्त तिरोक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ऋतिल कुमार सञ्जन प्राधिकारो शहाय हम्रायकर प्राप्का (तिरोक्षण) श्राप्त रेंग, पूता

तारीख: 31-3-1986

माहर:

प्रकप् वाद्दं, टी. एक. ख.----

(य र व्यक्तियमः, 1961 (1961 का 43) की ला 269-व (1) के बंधीन स्वानः

भारत सरकार

महायक बावकर बावकत (निरीक्क)

भ्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2218/85-86---यनः मुझे, धनिल कुमार,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त की भीनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्यं 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 104, पहला मंजला सर्वे नं० 128, 4/17, ग्रींध पूना-7 में स्थित हैं (क्षेत्रफल 920 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय महायक प्रायकर प्रायक्त निरोक्षण ग्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारिख सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाधार बूक्ब से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिखत से अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं पामा गया है:—

- (तक्ष) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी शाय मा किसी जन या शन्य बास्तियों का, जिन्हा भारतीय अध्यानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, खिनान कर हिंगा भी किया

क्तः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरक सें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीय, निम्निसित स्पन्तियों, अर्थात द्र--- शिक्षक सेवा पब्लिङ चारिटेमल ट्रस्ट, शिवनेरो 370 मंगलवारपेठ पुता।11।

(श्रन्तरक)

2. श्री बी० डो० के पहर आंर श्रन्य 14/296 लोकमान्य नगर पूना-301

(भन्तरिती)

को सूह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन् के तंत्रंथ में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय भें 45 दिल की जबीध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दानील से 30 दिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवाँका आक्तियों में स किसी क्युंक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्म व्यक्ति इवाच, वभोहस्ताक्षरी के वाड निवित में किए का सकेंगे।

स्वस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को तम अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत कि० सं० 37-ईई 2218/85-86 जो स्निम्बर 1985 को सहाबह आयहर प्रापुत्र निरोक्षण स्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार सझम प्राधिकारो सहायक ग्राधिकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, पूना

तारीख: 10~3-198∵

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

वासकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसव, सहायक वायकर वाय्क्त (विरोक्कि)

ग्नर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाँक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2161/85-86---- प्रतः मुझे, अनिल कुमार;

वाबकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पक्षात जिन्स विभिन्नियम कहा गया है), की चारा 269-स के वर्षीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उणित गावार गुन्स, 1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 4, तल मंजला 1272 सदाशिय केठ पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सितम्बर 1985

का पृत्वित सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान ब्रितिकान के सिए अंतरित की गई हैं और अफ़ वह डिव्हास करने का नगरण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित वाबार बृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास में, एसे खश्यमान प्रतिकास का बन्दह प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितिकों) के बीच एसे बंतरण के निय तय गाग नवा प्रतिकात निकासिक्ष उद्देश्य से बक्त अन्तरण विशिवत हैं बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- कि व्यवस्थ न हुई विक्री मान की बाव्य, स्वस्थ विधिनियम के संधीन कर दोने के कन्तरण के विध्य को कभी करने या उससे क्याने को लिक्श क्षेत्रिक्ष; बहुब/का
- श्चि) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तिओं की, जिन्हों भारतीय लाब-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनिवस, वा धन-कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) की अधीजनार्थ जन्तीरती द्वारा अकट नहीं किला गया था वा किया जाना जातिए था, किवारों भी सनिधा के लिए;

1. मैसर्स भगवान त्लाब एण्ड सन्स, 1272 सदाशिव पेठ पूता-30।

(ग्रन्तरक)

2. मैं तर्स अन आर 1087, अदाशिवपेठ, पूना-30। (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

तक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध या कोड बार्शय :--

- (क) इस सूचना को राजपन मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अन्धीय या तत्सक्तन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश, जो भी अविध बाद मो सस्यत होती हो, को भीतर पूर्वीक्त परिकाश में में कि के किया कराएं!
- (ख) इस सूचना के राजपण में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हिरावद्ध विभी अन्य ११कि (कार्य अर्थाइनाक्षाय) में पास 'राख्य मा ब्लिइ सा सर्वीर

स्वाक्टीकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों आर पदी का, का उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. अही कर्क लोका को लग सम्बाय में दिया सदा है ।

अन्स्ची

जैसा की रिजस्ट्रीकृत कि सं० 37-ईई/2161/85-86 जो सितम्बर 1985 को प्रहायक श्रायकर श्रायका निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> यतिल कुमार ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) यर्जन रेंज, पुना

तारीखं: 5-3-1986

धक्क बाह्". टी. एन_ः एतः-----

नरमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) से अधीन सृष्णा

कारक सरकाड

कार्यालय, सष्टा बक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 24 फरवरी 1986

निर्देश सं० $37-$\xi/4228/85-86--अतः मुझे, अनिल कुमार$

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लेट नं० 16, श्री वैभव श्रपार्टमेंट्स में तिलक रोड डोम्बीवली (ई) (क्षेत्रफ ल 623 चौ० फुट) हैं तथा जो डोम्बोवलो में स्थित हैं (और इसमें उपावड श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/ सब रिजिस्ट्रार में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाबार मृत्व से काम के करमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार भूल्य उसके ध्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं शुद्ध किसी अध्य की श्रायक उत्तर अधिनियम के अधीन कर योगे के असरका की शिवल में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए, धीर/पा
- (वा) एसी किसी आज वा किसी अन वा अन्य असिस्तर्य की, जिन्हों भारतीय आध्यपर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के स्थापनाथ क्नीर्टी द्वारा प्रकट नहीं किया वया भा या किया अन्य पाहिए था, विकास के स्थापना के स्थापना अस्तर्य होता किया व्याप्त स्थापना के स्थापना स्थापना के स्थापना के स्थापना के स्थापना के स्थापना के स्थापना स्थापना स्थापना के स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापन स्थापना स्थापन स

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित क्यक्तियों, अर्थात क्रिक्त

 मे नमं पाटकर त्रिल्डमं पाटकर त्रिल्डिंग पाटकर रोड, डोम्बीवलां (ई) ।

(श्रन्तरक)

 श्री गां० के० दुर्वे यशांधन राजाजो पथ, डोम्बोबलो (ई)।

(अस्परिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के वर्षन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

इक्ड सम्मत्ति के क्यून के सम्मन्य में क्योंडों मी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना से राष्ट्रम में प्रकार की स्पष्टीं में 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जनिष बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ! 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण : -- इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पदों का, जो उक्त विधिनियम के सन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा को उस सन्धाय में दिया गया है।

मन्स्यी

जैमा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37-ईई/4228/85-86 जो मितम्बर 1985 को महायक आयकर आयुक्त निराक्षण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया हैं।

> म्रतिल कृपार ाजन प्राधि वारी सहायक स्नापकर स्नायुक्त (निरोक्षण) स्नर्जन रेंग, पुना

तारीख: 24-2-1986

प्रका बार्च . दर्र . एस . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

गरा 269-म (1) से सभीन सुमना

श्रारक दरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर वायुक्त (नित्वीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, पूना पूना, दिनांक 21 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/4318/85-86—-श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मून्य 1,00,000/-रा. सं बाधिक ह"

और जिसकी संज फ्लेट नंज 302, वर्भमान पार्क में प्लाट नंज 49 सेक्टर नंज 17, डीज बीज सीज वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय महायक श्रायकर श्रायकर श्रायक करा किरीक्षण श्रज्ञत रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1985

को प्राेंक्स मर्गात के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफ । स्नीम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविक में अध्यानक स्व से कथित नहीं किया गया है :---

- (क् निकारण ते हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिका में कजी करने या उसने बचाने में सुविधा के विष्; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन्य अनकर अभिनियम, या अन्य अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिमों, अभीत्:—

- मेपर्स वर्धमात बिल्डर्स 40-41 विणाल शोपिंग सेन्टर, सर एमं० व्ही० रोड अंधेरः (ई) बम्बई। (अन्सरक)
- श्री पी० बी० बन्सल 1/9 गार्डन श्रपार्टमेंट्स, सायल द्राम्बे रोड, चेम्बूर बम्बई।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म संपत्ति के अर्जन के सबध मां कांड्रों भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या सकोंगे।

स्मध्योकरणः — इसमाँ प्रयुक्त शब्दाँ और पदाँ का, जो जकत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में किया नया है।

वन्स्ची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० मं० 37-ईई/4318/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग पूना

नारीख: 21-3-1986

माहर :

प्रस्त काइ". टी. एन. एवं

ब्राव्यक्तर कार्णिक्यक, 1961 (1961 के 43) की एक क्षेत्रक कुछ के क्षेत्रसम्बद्धा

भारत धरकार

कामालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 21 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/4307/85-86--यतः मुझे, श्रनिल कुमार

आयंकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्ह अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा.सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 607, वर्धमान पार्क में प्लाट नं० 49, सेक्टर 17, डी० वी० सी० वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयक आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जिल्लाक, 1985

को पूर्वोक्त सम्मोरत क उन्हा बालार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अर्जारत की नई ही आर मूझे यह पिश्यास करने का कारण है कि वधापूर्योवत अन्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल के ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वतं से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिविक रूप स किश्वत अन्तरण विश्वत में बास्तिविक रूप स किश्वत अही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसें। किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कर प्राप्त कर करा करा कर १८५० का अनुमरण मों, मौं, उक्त तरि विश्व की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, किस्सी कर प्राप्त करें अर्थात् :—

- 1. में सर्स वर्धमान बिल्डर्स 40-41 विशाल शोपिंग सेन्टर , सर एम० ह्वी० रोड अंधेरी (ई) बम्बई। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सरीता एल० बन्सल बी-1, बिन्दू सेन्टर तिलक रोड़, शांताकूज बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वार्धं करके वृत्रोंक्त सम्पत्ति के वृत्रन् के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्बद्धि के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् कि खित में किए डा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के० सं० 37-ईई/4307/85-86 जो सितम्बर 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर[ं] श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 21-3-1986

मोहर 🚁

प्ररूप आहु . टी. एन. एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार कार्यालय, सङ्खायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

भजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2449/85-86--श्रतः मुझे, ग्रनिल् कुमार,

वायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरुवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मिनी सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थानर संपीत जिसका उचित बाजार मृत्य स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मृत्य

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की गायल, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने का उससे सचने में बृविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-अर अभिनियम, या भन-अर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृष्या के लिए।

कतः कथः, उकतं किथिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उकतं अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसायों, अर्थात् :— श्री श्रार० व्ही० जोशी पी/ए श्रीमती पी० पी० सैठि
 42 मुखराज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसामटी,
 पौड रोड कोथरुड पूना।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स जी० के० गदरे एण्ड ग्रन्य प्लाट नं० 99 महाजन बंगला पी० एफ० टी० कालोती सहकार नगर नं० 2, पूना-9।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहिया करता है।

उक्त सम्पोत्त है अजभ को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूथना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में रे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचेना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिस को भीटन उक्त स्थायर बम्बीस में हित-बहुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गास कि खिल में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनु सूची

जैसा की रिजिस्ट्री इत कि० सं० 37-ईई/2449/85-86 जी सिसम्बर 1985 की सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में खिखा नया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रोक्षण)** ग्रर्जन **रॅग,** पूना

तारीख: 24-3-1986

मोहरः

प्रकृषः अद्भाः द्वीः एतः **एसः** ००-००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के बधीब सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाँक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2263/85-86--- म्रतः मुझे, अनिल कुमार

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट तं० 5, दूसरी मंजिल फ्लाट तं० 7 एफ० पी० तं० 494 टी० तीपी० एस० तं० III पर्वती पूना-१ (क्षेत्रफल 850 चाँ०फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावथद्ध प्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रजीन रेंज में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रावशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा पमा प्रकि-क्ल निम्नोलालन ज्वास्थ्य से उकत अन्तरण निवित्त में बास्तविक क्ष्य र गामिल नहीं किया नया है क्रिक

- र्देक), बन्तकक्षण सं हुई जिल्ली बाय की बाववाः व्यक्त अधिनियम के ल्यीन कर योगे के अन्तरक के वासित्य में कनी करने मा सससे बचने में सुविधा के लिए; बोद√वा
- (॥) श्रेसी किसी नान या किसी भन या जन्म जास्तियों रा. रिजन्त भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उन्त व्यक्तियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तियों स्वारा प्रकट नहीं किया गांवा था या किया जाना नाहिए ना, कियान में हरिया ने विषय

बतः बनः, उपत विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण जो, प्र', जक्त वाँधनियम की धारा 269-व की इपश्चरा (4) के अधीनः निम्नासिवित व्यक्तियाँ, अधीत ध— श्री प्रवीण कुनार मेहता भ्रीर अन्य वन्दना अनार्ट मेंट 494/4 पार्वतो पूना-9 ।

(म्रन्तरक

 श्री अस्योक एन० शाह भौर भ्रन्थ 33 गुरुवारपेठ पूना-2।

(मन्तरिती)

को यह सूचना वाटी करके पूजीवत कमित के वर्षन के जिल् कार्यगाहियां कशता हुं ।

बनद बम्पीच के वर्षन ते संबंध में कोई भी वासीय :---

- (क) हव स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनीय या तरतस्त्रान्थी व्यक्तियों पर स्वना की दासील से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी व्यक्ति कार्य में संस्थान होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वतिकारों में किसी कारित द्वारा;
- (क) वस स्थान क राजपण में प्रकासन की शारीच से 45 किन के श्रीतर समय स्थाप श्रीपरितः में हितवस्थ किसी श्रीपर क्षीपरितः में हितवस्थ किसी श्रीचार में किए या सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

ववस्या

निसा की रिजिस्ट्रीकृत कि सं 37-ईई/2263/85-86 जो सितम्बर 1985 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार मक्षम श्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

तारी**हा**: 12-3-1986

वक्त, बार्च, टी, एन, एच,, ००००

नायकर मधिनियम, 1'961 ('1981 का' 43) की भारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

बारतं सरकार

कार्यासन, बहानक नानकर नानुक्त (निर्यक्रण)

धर्जन रेंज-पूना-1

पूना-1, दिनौंक 18 मार्घे, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/4311/85-86- -यतः मुझे श्रनिल कुमार

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'जनत अधिनियम' महा गना हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वका करने मा कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं आफिस नं 122 प्लाट नं 75 सेक्टर 17 डी० बी० सी० वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रून से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय , सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन तारीख सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह निकास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रममान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीनिकल च उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में बालायिक क्ष्य वे कीचल नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुद्द किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे उन्तने में स्विधा के लिए; जीर/या
- (कं) एसे किसी आया या किसी वन या अस्य बास्तियां को किन्तुं भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत व्यक्तिकेन्द्रकः, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विषयः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मं अजीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— मैंसर्स वर्धमान कल्स्ट्रक्शनन 40-41 विणाल शॉपिंग सेल्टर सर एमं० ह्वा०राड अंत्ररा, कुर्ला रोड़, श्रंधेरी (ई) बम्बई।

(भ्रन्यर्घ)

 श्री महन्द्र शेखरी और श्रन्य 69 श्रनंद पार्क पूना । (श्रन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यहाँ इसे करता हुए।

उपन बंपरित के जबांग के संबंध में आहे सी बालोद :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकता स्पित्यों में से फिसी स्पित्त दवारा:
- (व) इस ब्रुचन के राध्यन में प्रकावन की तारीब के 45 विन के भीवर जबत त्थावर सम्बद्धि में हित-बद्ध कि बी मन्य व्यक्ति ब्वारा बभोइक्ताक्षरी के पाक विचित्त में किए का सकति।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रबुक्त खब्दों और दहीं का, जो संबर्ध अधिनिक्स के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कथं होता, जो सस बध्यास में दिखा गया हैं।

त्रनुसूची

जैसा की रिजस्ट्रीकृत कः 37-ईई/4311/85-86 जो सितम्बर 1985 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में निष्वा गया है

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-3-1986

मोइर:

प्ररूप आहें .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सप्तायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, पूना

पूना, दिनौंक 10 मार्च, 1986

निर्वेश सं० 37-ईई/2215/85-86→-यनः मुझे ग्रनिल कुमार

क्षामकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' केंद्रा गणा हों), को भारा 269-- क के अधीन सक्का प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्कील, जिसका उष्टिस काकार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 205, दूसरी मंजिल सर्वे नं० 128, 4/17 श्रीय पूना-7 (क्षेत्रफल 920 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख सिसम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्ति ताजार कृत्य से कम के द्रवमान प्रतिपक्त के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिव बाजार मुख्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, एसे द्रवयनान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के त्रायिक्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थर, स्थिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के सभीत, जिम्मनिकित व्यक्तियों, नर्मात् ६ मे अर्स शिक्ष के सेवा पब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट, शिवनेरी 370 मंगलवार पेठ पूना-11

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० पी० गोराल 51/8 एल० भाई० सी• कालोनी गणेश शिव रोड पूना-16

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवभ के सिए कार्यशाहिकां सूरु करला हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च च 45 दिन की अविधि या सरसंबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाच्य कोती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के औदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमे प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उपधा जिथिनियम, के अध्याय 20-के में बचा परिका-ही, यहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किस्त गया है।

धनुस ची

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/2215/85-86 जो मितम्बर 1985 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंण, पूना

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2217/85-86 → यतः मुझे, श्रनिल कुमार;

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रेमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के निधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं पलेट नं 101, सर्वे न 128, 4/17 श्रीय पूना-7 (क्षेत्रफल 540 चौ फूट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता किथकारी के कार्यालय सहायक श्रायक्त प्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5-46GI/86

 मेसर्स शिक्षक सेवा पश्चिक चेरीटेवल ट्रस्ट शिवनेरी 370, मंगलवार पेठ, पूना-11

∦(श्रन्तरक)

2. मेनसं क० एन० त्रिष्ठुत एण्ड अन्य 103-या गुक-वार पेठ जांधव वाडा बदानो होदपुना-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पच्छिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा को रिजिस्ट्रोकृत कि सं० 37-ईई/2217/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंग पूना के दफ्तर में तिथ्वा गया है

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक्त आयक्ष्य (सिरीक्षण) अर्जन रेंग, पुना

तारीख: 10-3-1986

प्रारूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थांसय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरक्तिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 18 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2212/85-86~--यतः मुझे, श्रनिल कुमारः

बायकर अधिनियल, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'अका अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-म के अधीन मजस प्राधिकारी को यह पिषवाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाबार मृष्य 1,00,000/- रहा से सिक है

ग्नौर जिसकी सं० पलेट नं० 105, पहली मंजिल प्रयोज इट्टेंडर्स सोमायटी मर्वे नं० 128, 4/17, ग्रौंथ पूना-7 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण श्रजंन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1985

को पूर्वोत्रत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफन ने निए जन्तरिक की गई है और मुखे वह जिल्लाख करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाचार भूका, उसके दश्यमान प्रतिफन ने, एते दश्यमान प्रविफल का पंत्रह प्रतिकृत से निथक है और अंदरक (अंतरकों) और अंध-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंदरण के निए तब पाया गया प्रतिकृत, निम्मनिवित उद्वोश्य के उच्त अंदरण विश्विक वें बास्तिक रूप से किया गृहीं विका गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई जिसी बाव की बावबा, बावब जीविनियम के अपींग कर योगे की जीतरफ की दक्षिक्य में कमी करने या उससे यचने में समिया के बिद्या भीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन वा बन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीन, हिन्न शिक्षक सेवा पब्लिक घेरिटेबल ट्रस्ट, शिवनेरी
 370 मंगलवारपेठ पुना-11

(भ्रन्तरक)

2. श्री कें कें ग्रह्मले टी-14-ए सर्वत्न विहार एम कें ई० एम० कालोनी, बम्बई पूना रोड, किर्की पूना-3

(ग्रन्तरिती)

का वह स्थाना बारी करके पृतित्व सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्ष्मत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासपे हन्न

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना वहीं तामील से 30 दिन की अनिभ, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्वाब्सयों में से किसी स्विधिय इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपरित में हित-विश्व किसी अन्य स्थावत इवारा भभोहत्ताक्षरी के वास सिचित में किए जा सकेंचे।

स्व्यक्तिरण:-- इतमें प्रवृक्त प्रव्यों बीड वया का, को स्वयं वर्षविक्षिय के व्यक्तिय 20-क में परिवारित है, वहीं वर्ष होता को उस व्यक्तिय में दिवा नया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कि सं० 37-ईई/2212/85-86 जो सितम्बर 1985 की सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

हारीख: 18-3-1986

अपन पार्व है है । इस है देख है करनार

नामकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जी वजीन सुमन्ता भारत सरकार

कार्याचन, सहायक नामकर बावुक्त (निर्दाक्क)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2219/85-86--यतः मुझे, म्रनिल क्मार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेंट नं० 2 सर्वे नं० 128, 4/17 और पूना-7 (क्षेत्रफ़ल 920 चो०-फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावत श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज , रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्तः, निम्नीसिचत उद्दोश्य से उक्त बंतरण सिचित में बास्तिकक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तवां को, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त राधिनियम, या भनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भं', उक्त आधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—→ 1. मेसर्स शिक्षक सेवा पब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट शिवनेरी 370 मंगलवारपेठ पूना।

(श्रन्तरक)

2. श्री ए० ग्रार० बेन्द्रे 1170/22 शिवाजीनगर रेव्हस्यु कालोनी, पूना-5।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

जबरा संपीत के मर्जन के संबंध के कोई भी बारतेय :--

- (क) ६स स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की तानील से 30 दिन की अविध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों जो से जिल्ली व्यक्ति त्यायाः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए सा सकोंगे।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

मन्स्यी

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत कु० 37-ईई/2219/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप वार्^क्टी, **एव**ु **एक**ु अकल्पन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/3047/85-86---अत: मुझे, अनिल कमार

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 फिडींग सी-6, प्लाट नं० एफ० पी० नं० 375 संगमवाडी (क्षेत्रफल 840 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्व प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर अयुक्त निरीक्षण प्रजैन रेंज रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एसे अंतरच के बिए तम पामा नमा प्रतिक्ष का पंत्रह विश्वास से अधिक है अप अन्तरक (अंतरकों को पामा नमा प्रतिक्ष का प्रमाणिक से बीच एसे अंतरच के बिए तम पामा नमा प्रतिक्ष का प्रमाणिक से बीच एसे अंतरच के बिए तम पामा नमा प्रतिक्ष का प्रमाणिक महीं किया नमा है है—

- (क) अन्तर्भ वं हुई किसी बाय को बायतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिस्व में कमी कार्य वा उत्तरी बुधने में सुविध. के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवद अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एवा था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में धृतिभा से लिए;

अतः अश्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण है, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेसर्स रक्षालेखा सहकारी गृह रचना संस्था नं० 2 पर्यादित उमा मंकर, फ्लेट नं० 46, बाजीप्रभू सोसायटी सहकार नगर पुणे।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स सुन्दरी सुन्नमिनयम, 143 बी/2, सोमवारपेठ पूना-11।

(भ्रन्तरिती)

को का भूजना आही करके पूर्वोक्त करहीरत से वर्धक से जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

थक्ड बर्मास्य के वर्षन के बस्कम्य में कोई प्री बार्बाएंड 🕾

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा विश्वित में किए चा सकती।

स्पाक्षीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कवाँ वर्षः पदीं का, वर्षे अक बीधीनयम को अध्यास 20-क बें परिजालिक ही, वहीं अर्थ होगा जरे उस अध्यास में दिस क्या है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/3047/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-3-1986

एस्य मार्ड. रहे. इन् एमा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्षेत्र 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 श्रप्रौल 1986

निर्देश सं० एसी-1/एक्यू० ग्रार- /कल/86-87---यत: मुझे, शेख नैमुद्दीन,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 114/1 है, जो जी० टी० रोड श्रासानसोल में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रासानसोल में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 श्रगस्त 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य रावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देविय से उबका अन्तरण जिला गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देविय से उबका अन्तरण

- (आ) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबरा, अक्स निवित्तय के ब्यीश कर दोने के ब्याहरक की याजिएत में कवी करने ना उससे नवार्थ में बृधिना के सिए; नरि/ना
- (क) एसी किसी बाब था किसी धन या अन्य बास्तियाँ की बिन्हू भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्ध अन्तिरियो द्वारा प्रकट नहीं किया वसा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः तय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण यें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा /1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तिसीं, अधित ध— 1. श्रीमली भीनदार कपूर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मिरा देवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्मरित के वर्षन के किए। कार्यवाहियां गुरू करसा हुं।

उन्द सम्मरित के नर्थन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इत सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीच हैं

 45 दिन की अविधि या तत्स्वरूपी व्यक्तियों पूर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी
 विद्या बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए था सकेंगे।

स्वच्छीकरण ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, शो उपन अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया दवा है।

श्रनुसूची

7 काठा 8 छटाक जमीन का साथ मकान। पता --114/1 जी० टी० रोड (इं) थाना श्रासानसोल, जिला वर्धमान। दिलल सं० 1985 का 4766।

शे**खनैमुद्दीन** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 8-4-1986

प्रकार कार्य : डॉ., एन . एक . -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वे अभीन क्वा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भावकार भागुनक (निरीखण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिलांक 8 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० एसी-2/एक्यू० आप-IV /कल/86-87---धतः मुझे, शेख नई मुद्दीन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 89 है, जो एम० एन० रोड, ध्रासानसोल में स्थित है (और इससे उपावद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रासनसोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12 श्रगस्त 1985

न्य पृथा कर संपत्ति के उपित बाजार मृत्य सं कम के समयान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृष्टमान प्रतिकत सं एसे दृष्टमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण ते हुई किसी क्षाय की नावत उक्त अधि-विवय के बाबीय कर बीने के ार्ट्य के बादित्य में भागी करने या उससे वयने म स्विधा के किये; क्षीड/ना
- (क) एंत्री किसी बाव वा किसी वय या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्य बिधनियम, वा वन- कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्यरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना चाडिए बा, छिपाने में जुनिया के शिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) मुंअधीन, लिम्मिलिसिट प्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. (1) श्रीमती रमा मुखर्जी ।
 - (2) श्री तपन कुमार मुखर्जी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मिरा राय।

(भ्रन्तरिती)

 क्य सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के सिष्क कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्क बल्लीत्त के अर्थन के सम्मन्द में कीई भी बाखेद ड़---

- (क) इस इचना के राज्यन में प्रकारन की तारीक कें 45 दिन की बर्वाच ना तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की ताबील से 30 दिन की जनभि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याप्त;
- (व) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में दिन- सब्ध किसी सम्य व्यक्ति इनारा सभोइस्ताक्षरी के पास मिचित में किए या इकोन।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

3 काठा 1 छटाक 31 स्को० फीट० **अमीन का साथ** मकान

पता --89 एम० एन० रोड, मौ जा+थाना--श्रासनसोल, जिला बर्धमान। दिलल सं०-1985 का 4778।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकसा

तारीख: 8-4-1986

मोहर 📭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

भग्नर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी-4/एक्यू० श्रार०-IV/कल०/86-87—-यतः मुक्की, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से जिथक हैं

और जिसकी सं० 7 है, जो डाकारस स्ट्रीट में स्थित है (और इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन. तारीख 2 श्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्जित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और संतरिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ ने धुर्द किसी बाव की बायत उक्त बांध-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बक्ते में सदिया के लिए; बाँद/बा
- (य) वृंती कियी शर्व या कियी थन वा अन्य आरितवाँ को, चिन्हों भाषतीय नाव-कार वृद्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा थव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के सिक्;

अतः अव, जकत अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण भे", में, जकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) जे अधीन, जिम्लिखित व्यक्तियों अधीत ७—— 1. श्री ध्ररुन कुमार सेन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पुलिन बिहारी सरकार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कुक करता है।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में भिन्न धा उकोंगे ।

स्यक्तीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिवा मूंबा है।।

नमृत्यी

जमीन — 120 काठा जमीन का साथ मकान। पता— 7 डाकारर्स स्ट्रीट थाना बाली जिला हाबड़ा दलिल सं० 1985 का 11385।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 कलकत्ता

तारीख: 9-4-1986

बस्य आहे. टी. एन. एस.

बायकर ब्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्राधीन सुचना

मारव सरकार

फार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 10 अप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी०-5/एक्यू० म्रार०- /कल०/86-87---यतः मुझे, शेख नईमुंदीन,

कायकर अभिजियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-जा के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 246(66) है जो जी० टी० रोड हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20 श्रगस्त 1985

करे प्रॉब्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अस्प, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह्2प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निशित्तित उब्बोध्य से उक्त अंतरण निश्चित में जास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस्ता उक्त विश्वतिक के वर्षीय कर देने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अव, उन्त निधिनियम की भारा 269-च के अनुसरण भा, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नधीतः— 1. मेसर्स बजरंबलि इनजि० को० लि०।

(भ्रन्तरक)

2. मेमर्म क्वालिटी ङ्किटल इंडस्ट्रीज।

(भ्रन्तरिती)

को यह बूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ति को लर्चन के जिल्ला कार्यवाहियों कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीय वे 45 दिन की सर्वीध ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, खों भी अवधि नार में संभाष्य होती हो, के मीतर न्वींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण ह—--ध्तमे प्रयुक्त कव्यों और वयों का, को उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होगा को उस प्रध्याय में विका युक्त हीं।

अनुसूची

फ्लेट नं० —-सी० (दूसरी मंजिल) (दो तला) पता —-246(66) जी० टी० रोड, थाना बाली, जिला हावड़ा। दिल्ल सं०—-1985 का 12192।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 कलकत्ता

तारीख: 10-4-1986

प्रकृष बार्च , टी , एव , एस

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक भायकर मायुक्त (निर्दाक्षक)

धर्जन रेंज-4 कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 धर्प्रैल 1986 निर्देश सं० एसी-6/एक्यु० ग्रार-4/कल०/86-87—-म्रतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 246(66) है जो जी० टी० रोड़ हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भीरतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अगस्त 1985

को प्रॉक्ति संम्पति को उचित बाजार मृत्य से कम को द्रियमान प्रतिफाल को निए बंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूवॉक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य, उसको क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकृत से प्रविक्ष है बीर प्रकारक (क्रयमान प्रतिफल का पन्तृह (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे धन्तरक विक् तय पाथा बचा प्रति-च्य विश्वासित सहेग्य से उन्तर अन्तर्थ सिखित में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या जससे अपने में सुविधा के बिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य जास्तियों को, जिन्दू भारतीय सामकर संजितियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त सिवियम, या सन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुगरा प्रकट नहीं किथा गया पर या किया जाना वाञ्चित था, जियाने में स्विता के लिए।

बतः अवः, तबत विभिन्यमं कौ भारा 269-नं को बन्धरतः भी, भी, जक्त अधिनियमं की भारा 269-नं की उपभास (१) को जभीन निम्मित व्यक्तियों, अथित् :--- 1. मेसर्स बजरंबिल इनजी० को० लि०।

(ग्रन्तरक)

2. मेमर्स लक्ष्मी इंनजी० वर्कस ।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति **के वर्षन के विष्** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नविध या तत्सवधी व्यक्तियों चई सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, वो भी जबिध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (स) इस सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ज्योहस्तासरी के पास लिसिस में किए का सकों ने।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो सन्ध अधिनियम, के सभ्याय 20-क में देवा परिभाषिक्ष ही, नहीं कर्ष होगा जो उस सभ्याव में विका गया है।

श्रनुसूची

पत्रेट नं० "बी" तीत तला। पता——246(66) जी० टी० रोड, याना बाली, जिला हावड़ा ।

दिनिल सं०--1985 का 12193।

मेख नईमुद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-4, कलकत्ता

तारीख: 10-4-1986

प्रकृषः वार्षः हो . एन . प्रा .------

हाम्बार अभिग्यम, 1961 (1961 का 43) की यादा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

ग्नर्जन रेंज-4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 ग्राप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी-7/एकपू० ग्रार-4/कल/86-87--यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उम्क अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० 246(66) है जो जी० टी० रोड हावड़ा म स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20 श्रगस्त 1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब गया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुँ हैं किसी आय की, बाबत, खक्क विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अध्य मास्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियंत्र, या धर्म- कर अधिनियंत्र, या धर्म- कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के जिल्ह

अस. अप. उक्त जीविनियण की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के जबीन, प्रिप्तिनिशिष्ट कार्यिक्यों, अर्थात ए 1. मेसर्स बजरंबलि इनजिं० को० लिं०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती श्यामा देवी श्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

कारे यह स्थाना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इत स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संवंशी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इतस्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी कन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के एवंच सिसित में किए जा सकरों।

स्पराधिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शवरों और पर्यों का, जो उसका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं खर्च होना को उस अध्याय में दिवा नया है !

अनुसूची

फ्लेट नं सं/1 तीन तला।

पता --246(66) जी टी रोड, थाना बाली, जिला
हायड़ा।

दिल्ल सं 1985 का 12195।

भेख न**ईमु**द्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

सारीख: 10-4-1986

मोहर

प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . -------

भागकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 मार्च, 1986

निर्देश सं० एसी-4/एक्यू० म्रार-4/कल०/85-86--यतः मुझे, शेख नईम्हीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० , है जो डामदराइ गोपीनाथपुर, , बांकुड़ा में स्थित है) और इसमें उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बांकुड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5 प्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान श्रीत्मल के मिए जन्त्रित की गई है जार मुम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोक्त संपर्ति का अचित बाजार मूल्य असने दरयमान प्रतिमल से, ए से दरयमान प्रतिमल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रतिमल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक कप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी आय की, बावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के द्याए; और/मा
- (ख) एसी किसी माय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भ⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ३——

1. श्री मिहिर लाल मुखर्जी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विषयनाथ दत्त।

(भ्रन्तिरती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

12 3/4 डेिंग्सिमाल जभीन का साथ मकान।
पता—मौजा डामुदराइ गोपीनाथपुर, थाना जिला
बांकुडा।
दिलल सं०——1985 का 7614।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज- /कलकसा

तारीख. 24-3-1986

बच्य बार्ड , टी., ध्रे , एस , -------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारुव पर्यापु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 मार्च, 1986

निर्वेश सं० एसी-42/एक्यू० ग्रार-IV/कल/85-86—
यत मुझे, शेख नईमुद्दीन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
श्वक पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य
1,00,000/- क. से अधिक हैं
और जिसकी सं० है, जो दामुदगह गोपी
नाथ, बांकुड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद ग्रनुमूची में
भीत गण का के वर्षाकर हैं) उद्यादनीकर्ता श्रीकारी के

नाथ, बांकुड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बांकुड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अगस्त 1985 को पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान अतिएक के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृंबिक सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिएक से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह शित्यत से अधिक है 'और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नीजीवत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिवित में का गिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- ृैक) अस्तद्रण सं हुन्। किसी अाय की बाबत उभर अधिनियम के अधीन कार दोने के अस्टरक र्य दायित्य मों कमी कारने या उन्हत्ते रूपने के स्वीतक के सिए; अरि/मा
- (क) इसी किसी अाथ या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को विन्दुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिमा जिना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः कवः, उनतः अभिनियमं दर्भ नारा 269-ग कः सनुसरकः में, में, उनतः अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत्र निस्मासिकित व्यक्तिकों, अभीतः हः—

1. श्री शमीर लाल मुखर्जी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गौरी शंकर लोहिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का क्षे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकतिकरण :---इसमें प्रयाकत क्षेत्रवाँ और पदा का, को उक्त विभिन्नियम को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

मन्त्री

123/4 डेसिमाल जमीत का साथ मकात। पता—मौजा—डेमुरारी गोपीनाथपुर, थाना जिल*ा* बंकुड़ा। दिलल सं०—-1985 का 7613।

णखनईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख. 24-3-1986

प्रकृष कार्यं, द्वी, एवं, एवं , -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन मुखना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक सायकार बायुक्त (निरौक्कण)

म्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 जनवरी, 1986

निर्देश सं० एसी-30/एक्यू० श्रार०- IV/कल/85-86---यतः मुक्ते, शेख नईमुद्दीन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हु"), की धाय 269-क के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्वित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

ा,00,000/- रं. सं अधिक हैं

अंग िस्की सं० , है, जो मंजा सोनामुखी
खडगपुर में स्थित हैं (अंग इससे उपाबद्ध मनुसूची में और
पूर्ण रूप से बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय
खडगपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनियम 1908
(1908 का 16) के मधीन, तारीख 31 मगस्त 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में
रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्दः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-व के अनुसरण वें, में उपले अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वें अभीन, निक्रमिविश व्यक्तियों, अर्थांस् इ-- श्रीमती निलिमा धासगुप्त।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती नाथा मुखर्जी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्य-गाहियां शुरू कारता हु।

उनत संपरित के मर्जन के संजंभ में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य स्थिकत स्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास निस्ति में किए या सकीने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त कन्यों और पदों का, को उक्त नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—-10 एक जमीन का साथ मकान। पता—-मौजा सोनामुखी, थाना खडपुर, जिला मोदिनिपुर। दिलल सं०—-1985 का 3261।

> शेख नईमृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-IV /कलकत्ता

तारी**ख 2**3-1-1986 मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज- IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० एसी-41/ए यू० ग्रार-IV /कल/85-86—
यत. मुझे, शेख नई मुद्दीन
आयकर अफिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन प्रक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी सं० 145, 146 और 146/ए है, जो महात्मा गांधी रोड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूणं रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हुगली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 प्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के सचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, ए से ख्र्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ए से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिकत उद्देष्ट्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जीतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थास् :--

- 1. (1) श्री सुधीर कुमार चक्रवर्ती।
 - (2) श्री रवपन कुमार चक्रवर्ती।
 - (3) श्री तपन कुमार चक्रवर्ती।
 - (4) श्रीमती भ्रपंता मई चक्रवर्ती।

(श्रन्तरक)

2. मेसर्स शाल फोबरिट इंवेस्टमेंट लि॰।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भेटर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधक की कारीक रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

शिष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अससची

जमीन का साथ मकान।

पता—145, 146 कौर 146/ए, महात्मा गांधी रेडि; थाना—चु चुडा। जिला हुगली। दलिल सं० 1985 का 5531।

> शेख नई मुद्दीन सक्षम प्राधिकारी धर्जन रेंज IV कसकत्ता

तारीख 11-3-1986 मोहर: प्रसम् बाइं.,टी. एत्. एस , ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

मार्थ चरकार

कार्यांत्रय, तहायक अध्यन्त सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 ग्रप्रल, 1986

निर्देश सं०ए० पी० नं० 598?——यतः मुझे श्रार० श्रार० गुप्ता

नायकर अिटिंगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल डिक्क अधिनियम नहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जहांन खेली (होशियारपुर) में स्थित हैं (और इसमें उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यमण्यविक्त सम्पत्ति का उचितं बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कि थित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

 श्रीमती रक्षा रांनी पत्नी कृष्ण देव सिंह वासी जहांन-खेलां, जिला होशियारपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरवीर सिंह पुत्र सुजान जिह कुमारी जीतेन्द्र कौर पुत्र बलबीर सिंह वासी गांव जिला---होशियारपुर, द्वारा बलजीत सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए बाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्षः किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 69 कनाल 8 मरले भूमि गांव जहांनखेलां (होशियारपुर) में और व्यक्ति (जिसका लेख नं 1628 दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा।

श्चार० ग्राप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जानन्धर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 262-व की रपधारा (1) के अधिन, निम्नालियम व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 4-4-86

प्रकृष बाईं. टी. एन. एस. ------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अप्रैल 1986

निर्देश सं०/ए० पी० नं० 6000-6001---यतः मुझे, श्रार० आर० गुप्ता

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च थे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- का. में अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० है, तथा जो जालन्छर में स्थित है (ग्रांर इसने उपाबक अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिलस्ट्रीरती अधिनारी के कार्यालय जालन्धर भें रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, धारीख अगल्म 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है बार मुखे वह विश्वास दर्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार मूस्य, उन्न दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अध्यह प्रतिदात से विधिक है बार बन्तरक (बन्तरका) बार बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वल में बन्तरित स्पास के स्पास

- (क) अन्तरण में हुड़ किसी जाय की बाबत, उक्त जिभ-नियम के जभीन कर दान के सतरक के वायित्व में कमी करने या उसम बचने में मिकिंग के र रए; कौर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः तम, इक्त कीभीनियम की भारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त कीभीनियम की भारा 269-म की क्ष्मभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्षमति :—

 श्री हीरा लाल पुत्र सन्तराम आफ आजाद हिन्द डायरी, बाधार शेखां, धालन्छर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जपबीप कॉए पत्नी जोगिन्द्र सिंह 195 एल० माडल टाऊन लुधियाना (बिलेख न० 2774) बोरेन्द्र कॉए पत्नो अमरजीत सिंह, 486, एल० माडल टाऊन जलक्षर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संजंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्त्र व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकोंगे।

स्मक्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा यदा है।

अन्स्ची

समात्ति तथा वाक्य जैराकी विलेख नं० 2774 और 2801, दिलांक अगरत 1985 को एक्स्ट्रीक्ती अधिकारी जानन्धर में लिखा ।

> आप० आप० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक क्षायकर प्रायुक्त (किरोक्षण) , अजा रेंज, फालन्धर

नारीख: 4-4-1986

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के वधीन क्षया

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर कार्यक (निर्याजन)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिसांक ४ अप्रैल, 1986 अर्दोग सं० ए० पीं० नं० 60020**3—यतः मुझे आर०** आर०गुष्ण

आयकर विभागवन, 1961 (1961 का 43) (हैंचर्च इक्सनें इसके पथपात् 'उनक अभिनियन' कहा गर्न ही।, की नाम 269-च के अभीन तक्षत्र प्रतिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार प्रस्थ 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीप जिल्लो मां है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (स्रीप इससे उपाबन्न अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), पिल्ट्रीयतां श्रीधवारी के कार्यालय जालन्धर में पिल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीम; तारीख अगरत 1985

को पवास्त सम्प्रांस के उचित बाजार मत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों स्वस्थात का उचित बाजार भूत्य, उसकी रश्यमान प्रतिफल के एतं रश्यमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्वरेश से उसत बन्तरण भ्रतिक स्व में बास्तिक से बास्तिक स्व में काम नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कभी करने या अससे वक्षाने में बृविया के शिष्ट; और/का
- (स) प्रोती निस्ती अग्रय या किसी अन या काम कारिएकों करे. फिन्हों भारतीय नामकर अधिनिक्क, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनिक्क, वा धनकर अधिनिक्क, 1957 (19// का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा का वा किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में स्वैतिका के किए;

बत: धंध, उपत विधिनियंश की धंखा 266-न में बयुज्यम् मा मा अधिनियंत्र की धारा 269-म की उपयाप (1) के अधीन निम्निनिवित व्यक्तियों, संयति १----7----46GI/86

- मेसर्स विजय प्रोपर्टी ढिलग्ज अब्बा होशियारपुर जानन्धर द्वारा श्री किपिल महे पुत्र दौलत राम। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती लमलजीत काँर पत्नी मोहन सिंह (विले नं० 2874) ओर गुरचरन सिंह पुत्न मोहन सिंह वासी-21 प्रकाश नगर, जालन्धर मार्फन : खासज वुक डिपो, 25, अणतीश मुकर्जी रोड भगवानी-पुर, कलकत्ता-20।

(भ्रन्तरिती)

को सह सुधना धारी करके पूर्वोक्त तम्मति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूच्या के रावपत्र में अकशान की तारीं से 45 दिन की नवीं मा अस्त्राम्य की व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नवीं भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायत सम्मत्ति में हिटबब्द्ध किसी कन्य स्थक्ति युवाय अनोहस्ताकरी के पास सिवित में किए का सकें

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकी विलेख नं० 8874 श्रौर 2882 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> आर० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-4-1986

मोहर ;

प्रका आही हो . एन . एस . -----

बायकर वीधीनयस, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्देशका) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिमांक 8 अप्रैल, 1986

निर्देश नं०/ए० पी० नं० 6004-6005——यत्तः मुझे, आर० आर० गृप्ता

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

प्रांग जिसकी सं० है तथा जो जालन्धर में स्थित है (प्रांग इससे उपाबद अनुसूची में प्रांग पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में गिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृख्य से कम के द्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उटके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकाँ) और जन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा थया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं ——

- (क) जल्लरण सं हुई किसी आप की वाबत, उक्त विभिन्निय के वभीन कर दोने के वंतरक के दायित वों कमी करने या उससे वक्षने वों सुनिधा के सिए; वॉर/का
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अल्य आस्तियों कां, जिन्हें आरतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा नौ तिए;

-ाः सम, उन्ह मीयीनवम की वारा 209-म के अन्तर्क वो, यो, वर्गत मीयीनयम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- डा० रमेश वर्मा पुक्ष ईशार दाम, 124, न्यू ग्रैन मार्केट, जेल रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्रीमती बलबीर कौर पत्नी दर्शम सिंह ग्रीर दर्शम सिंह पुत्र जगत सिंह, टी-2/101, एस० बी० रोड, सुन्दरनगर, बम्बई।

(अन्तरिती)

का वह क्षणा बारी करकी प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाझेप :----

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाई निवित में किक जा सकीचे।

स्वच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को खक्त विभिन्नमं, के अभ्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया वसा है ≥

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2752, 2764 दिनांक अगस्त 1985 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिष्ठकारी लिखा जालन्धर ने लिखा।

> आर० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर बायुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1986

महिर :

प्ररूप बार्डः टीः एचः, एसः.-------

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यांसय , महायक बायकर कायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 8 अप्रैल, 1986

निर्देश नं०/ए० पी० नं० 6006-6007---यत्तः मुझे आर० आर० गुप्ता

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स में अधीन संज्ञान प्राधिकारी की यह विश्वस्थ करने का आरण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो जालन्धर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में, रिजल्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भारीख अगस्त 1985

हो प्रशिक्ष सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रितिक्ष के जिल् बंबरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोकत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वय्यमान प्रतिक्षत है, एसे स्वयमान प्रतिक्ष का प्रश्ने प्रश्ने प्रश्ने प्रश्ने प्रश्ने विश्वास सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वय्यमान प्रतिक्षत है, एसे स्वयमान प्रतिक्षत का प्रश्ने विश्वास (अंतरकाँ) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नितिबित सक्षेत्र नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाम की बाबत, उस्त विधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा में किस्टू और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या करण ज़िस्ता को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत जिम्मियस या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दवा था को किया जाना चाहिए था, जिमाने में सविधा को लिए;

बतः अतः, उक्त विभिनियम, की भारा 269-व के बनुसरण कें, में, उक्त अविनियम की भारा 269-व की उपवारा (1) है बदीन, िज्यितिहरू व्यक्तियों, व्यक्ति ह—-

1. श्रीमती सूखवन्त कौर पत्नी तेज मोहन सिंह 272, माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्सरक)

 श्री हरवन्स लाल पुत्र अर्जन दास, अडडा वस्ती शेख, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को सर्वन के तिस् कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा स्कोंगे।

स्थळीकरणः--इसमें अधुकत खब्दों और वर्दों का, को सकत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, दही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विद्या असा है।

पन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2592, 2606 दिनांक अगस्त 1985 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> आर० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज, जालन्धर

तारीख **-4**-1986 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस.

कायकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के कथीन क्चना

भारत सरकार

कार्यासम्, सङ्घायक आयकर भावतन्त्र (भिरीक्स)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 श्रप्रैल, 1986

निर्वेण सं०/ए०पी० नं० 6008, 6009, 6010, 6011---अत: मुझे, २० र० गुप्ता

रामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचे स्ववे इनके पश्चात् 'उपत निधिनियम' कहा गवा हैं), व्ये बाग्र 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोशत सम्पन्ति को लियत वाजार मृत्य से कम के क्यमान विकास के सिए नंतिरित की नहीं ही बार मुक्ते वह विकास करने का कारण ही कि यथापूर्वोकर सम्मित्त का उपित बाद्यार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का कम्मुह प्रतिकत से अधिक ही बार जन्तरक (अंतरका) जार वंद्यीरती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तर्भ के किए तय पामा नवा प्रविकास, निम्मितियात उप्रदेश से उसके अंतरण जिल्ला के बाल्टिक कम से की का महीं किया वहा है कि

- (क) मध्यारण वे शुद्ध किसी भाग की बायत , उनक् मधिनियम के भूषीय कर देने के मध्यारक के खाँगत्य में कमी करने वा उनके नुषये में बुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तियों करें, फिल्हां भारतीय जावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इंगाय अकट नहीं किया गया था वा विका जाना थातिए था स्थियाने में स्विधा के सिए;

सतः क्य क्या विधियय की बारा 269-य के वयुक्त कों, में उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती शाम प्यारी पत्नी मदन लाल, वासी टाण्डा रोड, जालन्धर मुख्तयार महिन्द्र सिंह पुत्र सुरत सिंह, वासी 486, प्रीत नगर, सोडल रोड, इंडस्ट्रियल एरीया, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री जंग बहादुर सिंह पुत्र मिहन्द्र सिंह (विलेख 2703) हरविन्द्र सिंह पुत्र मिहन्द्र सिंह (विलेख 2790) और सुरिन्द्र कौर पत्नी जंगबहादुर सिंह (2816) रिवन्द्र कौर पत्नी हरविन्द्र सिंह, 486, प्रीत नगर, सोडल रोड, जालन्धर (2904)।

(अन्तरिती)

को यद्व बुचना चारी करके प्यॉक्ट सम्मित्त के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्या कम्परित के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की बनिय सा शरुसंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयाधि, जा भी समीय नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से सिम्सी व्यक्तित ध्वारा;
- (क) इत सूचमा के राज्यत में प्रकाशन की तारीक के 45 कि के भीतर उच्छ स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किशी वन्त्र स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विकास में किए वा सकीते।

स्थानिकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्मा और पहां का, थो उथत व्यक्तियम के सभ्यास 20-क में परिभाषिक हाँ, कही कर्य होगा को उस सभ्याय में दिवस यस हाँ।

भ्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2703, 2790, 2816 और 2904 दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

र० र० **गुप्ता** सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, जाल**न्**धर

ता**रीख** 8-4-1986 मोहर :

शक्य बार्च .बी. एन्. एवं . ------

म√यकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की, भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

ं प्राप्त प्रकार

कार्याक्य, बहायक बायकर बायुक्त (निर्द्रीक्षण)

फ्रर्जन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक 9 मप्रैल, 1986

निर्देश सं०/ऐ० पी० नं० 6012-6013—-श्रत: मुझे र० र० गुप्ता

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पृथ्यात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्यमान
प्रतिकल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि श्रभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा
नमा प्रतिकल कर है किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ बम्त्रिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए ।

असर अब उक्त अधिनियम की भारा 269-न **में मन्तरन** में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की जपभारा (1) के सभीम, निम्निमिनित व्यक्तिकों, अभीत ए---- 1. श्रो जनकराज पुत्र गुरदयाल मल, 21 सतनगर जालन्धर और कमलेश कपूर पत्नी ओम प्रकाश, एन० डी० 146, विक्रम पुरा, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसवीर कौर पत्नी गुरदीप सिंह भाटिया (विलेख 2870), भूपिन्द्र कौर पत्नी तेजमोहन सिंह भाटिया, 179 न्यू विजय नगर, बस्ती शेख, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

दक्त कुम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बास्नेष् :---

- (क) इस स्थान के त्राथपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की मुनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नृत्र स्थान की तामीस से 30 दिन की बनिध, धो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थामत्यों में से किसी व्यक्ति वृवाहा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिन में हिसबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बरिधृतिव्य के अध्याय 20-कः में परिभाषिकः हैं, वहीं वृष्टें होगा जो उस अध्याय में दिवा भवा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2870 ग्रगस्त 1985 और 5847 फरवरी 1986 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी जालन्धर ने लिखा ।

> र० र० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-4-1986

प्ररूप आई., टी. एन. एस<u>.</u>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक 9 भन्नेल 1986 निर्देश सं० /ऐ० पी० नं० 6014-6015--- प्रतः मुझे,

२० २० गुप्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संब्जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्बर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्दीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गुर्द हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ए'से ब्रुयमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेषय से उक्त अन्तरण <u>लिखित</u> में

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्ता नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के दिलए; बौर/या

वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ::--

्र(च) एेसी किसी अाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के विए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

1. श्री सोहन लाल पुत्र करम चन्द कपूर, वासी जी०-आई-938, सरोजनी नगर, न्यू दिल्ली श्रब एन० ई० 204, अड्डा होशियारपुर, जालन्धर (2641), वीरेन्द्र कुमार पुत्र एम० एल० कपूर,वासी एम० ई० 204, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील गरोवर पुत्र सुन्दर लाल, वासी 4/183 सेंट्रल टाऊन, जालन्धर (2641) और मधु गरोवर पत्नी गुलशन गरोवर, 94 शहीय उद्यम सिंह नगर जालन्धर (2642)।

(अन्तरिती)

को। यहस्चना अपरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए। कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हि—-

- (क) इस स्चना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त **म्पक्तियों में से किसी म्पक्ति ब्**वारा;
- (श्र.) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुतुषी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2641, 2642 दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीक्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> र० र० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालम्धर

तारीख: 9-4-1986

मोहर ः

प्रक्ष कार्युं टी_ल एवं _{से} एक्_ले ------

बायकर अधिनिक्ष 1961 (1961 का 43) की बाख 269-व (1) के बचीन स्वज्ञा

भारत सरकार

आयोजय, सहायक भाषकर नायुक्त (निर्दोक्तक)

श्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 भग्नैल 1986

निर्देश सं०/ऐ० पी० नं० 6016——यत मुझे, र० र० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स विधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा श्रनुसूषी में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रमस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वभापवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अंगृह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरक्ते हुई किसी नाव की नावस सकत विभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक औ स्वित्य, में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; धीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना काहिए था, किया के बुविधा के शिक्:

जरतः भव, उचर अभिनियम की धारा 269-न के जन्दरण गैं, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती कुन्दन कौर पत्नी मोहन सिंह, 525-न्यू० जवाहर नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री ग्रवतार सिंह पुत्र प्रीतम सिंह और डा० श्रीमती कुलदीप कौर परनी ग्रवतार सिंह, वासी गांव--- खरा माजा, तहसील--जालन्धर।

म्बू स्वा बाही करके प्याप्त तस्पृतित के वर्षन भी प्रिष्ध कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बन्त बन्दरित के बर्जन के बन्नन्य में स्टोई भी नासीर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वमा के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, नहीं वर्ष होगा को उस मध्याय में दिया एवा है।

श्रन्युची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकी विलेख नं० 2875 दिनांक अगस्त 85 को.रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

र० र० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-4-1986

म्राहुर 🖫

श्वभ्य भार'. टी. एन. एव.----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दासक)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 मप्रैल, 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 6017-6018—**-भ्र**त **मुझे,** भ्रार० भ्रार० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, और अध्य 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ष का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1985

अते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए कल्टिंत की गई है जीर मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के क्लाह प्रतिक्षत से बीधक है और बंतरक (जंतरकों) और बंतरिसी (बंतरितियों) के बीध ऐसे कन्तरण में लिए तम बाबा गया प्रतिक क्ष्य निम्मिनित उद्वेदय से उच्च कन्तरण सिवित में बास्तिवक क्ष्य से करित नहीं किया बाबा है क्ष्य

- (क) वंदरण वे हुई कियाँ बाव की वावत्, वचत अधिनियम के अधीन कर दोने के वृत्युरक के दाहित्य में कमी करने वा उदावे नजने में बृद्धिया के जिल्; वर्ष्ट्र/वा
- (क) ऐसी किसी नाम ना किसी थन ना नम्य वास्तियाँ को जिन्हों भारतीय नामकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त् निधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधधार्थ जनतिहती ब्वाडा प्रकट वहीं दिवस प्रवा या वा किसा कामा आहिए था, जिनाने में सुविधा के स्विद्

श्रतः सव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बन्तरण वी, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (१) जे सभीन, निस्तिविक व्यक्तियों, सभीत् हरू -

- श्री शिव कुमार, रोशन लाल, रमेश घन्द पुत्र गोपाल दास वासी ई० ई०-369, मण्डी रोड, जाल-धर। (ग्रन्तरक)
- श्री विनोद कुमार पुत्र हरबन्स लाल वासी ई० के०
 251, फगवाडा गेट, जालन्धर (2622) और स्वर्ण घोपडा पत्नी विनोद कुमार वासी उपरोक्त (2626)।

(भ्रन्तरिती)

को यह श्रुचना बार्डी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त् रम्परित् से वर्षन के रम्पर्य में कोई भी बाक्षेत्:---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकालन की तारीय हैं 45 दिन की समित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की दानीय से 30 दिन की समित, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीष्टर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति हुवाय;
- (व) इस स्वाना की राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- जिसी क्षेत्र क्षावित दुवारा वशेहरताक्षरी के शब तिक्ति में क्षिए वा सकोगे।

स्वक्यं क्षिप्रमः — इत्यों प्रयुक्त कव्यों बार पकों का, को उत्तर बाधिनयम, के क्ष्याय 20-क में परिभाषित है वहीं धर्च होगा जो उस प्रध्याय के दिया गया है ।

वपुत्रुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2622 और 2626 विनांक प्रगस्त 1985 की रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जासन्घर ने लिखा।

> श्रार० ग्राप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-4-1986 मोहर: प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

वाशकर श्राचानवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन स्वना भारत सरकार

कार्याक्षंय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 ग्रप्रल 1986

निर्देण मं० /ऐ०पी०नं० 6019-6020—— प्रतः मुझी, स्नार० स्नार० गुप्ता

वायकर विधिवनन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परभात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के विधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सन्वति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० हैं , तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख श्रगस्त 1985

को बुवोक्त संस्पत्ति को अभित बाजार मृत्य र अस को काममान रितिकत को लिए अन्तरित की गई है और यह विवनास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूक, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का सन्दर्भ प्रतिकत से समिक है और नंतरक (अंतरका) और अंतरिकी (अन्तरितिमों) के सीच एसे जन्तरण के सिए तम पाना स्था शिक्षक , निक्नुनिचित्र जन्तरण के सिए तम पाना के क्लिक्त के कालारिक कम से अनिकत बढ़ी किया गया है है

- (क) क्लाल्य से हुई किवी नाम की बावत उपत विध-शिवस के बधान कर दोन के बन्तरक के दाधित्य के कमी करण या उपसे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तीरंट इंदोरा प्रकट नहीं किया निया जीना चीहिंग था, छिनीने जे सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 2'09-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों क्षेत्र :---8----46GI/86 श्री बोध राज पुत हेम राज वासी-63-माडल टाऊन, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भूषिन्द्र नाथ णर्मा पुक्त र्विन्द्र नाथ (विलेख नं० 2680) और वीणा णर्मा पत्नी भूषिन्द्र नाथ, वासी ई-2, दिलक्षुणा मार्केट, जालन्धर। (ग्रन्निरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यविष्ठिया करिए हुए।

वंबंद संस्पत्ति के अर्थन के संस्थान में कोई जी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन की जबिश या तत्सवंशी अविकाशों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिश, जो भी अपन्तीश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 4.5 दिन को मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मदुध किसी मन्य स्थावित द्वारा मधोईस्ताकारी के पास निविद्य में किए जा सकने।

स्वकारण:---इसन् प्रयुक्त कन्दा नीर पदा का, जो अन्द जीधनियन, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, नहीं अभी होता, जें उस अध्याय मा दिया स्वा ही।

≉न्भ्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2680, 2753 दिनोक ग्रगस्त 1985 की रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर न लिखा।

> ग्रार०ग्रार०गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त तिरीक्षण) ग्रजन रोंज, जालस्वर

तारीख: 9-4-1986

प्रकृप बाह् , टी. एन. एस.----

गायकर गांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार नाम्यत (निर्धिका)

म्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/126/85-86--श्रतः मुझें बी० एल० खनी बाबकर बाजानयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त बाजिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 153 कनाल, 6 मरला है जो भूमि ग्राम बुदनपुर उर्फ सकनपुर तह० करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्रिक्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 7 ग्रागस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गण है :---

- (क) सबरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के शियल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अ लिए, अरि/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य अस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम : 1000 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, कियाने में सुविधा वे लिए;

बत: अब, उसत अधिनियम की भारा 269-ए के अनसरण बा, बी, तक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की अधीन, निम्नोतियित अधिकारों, वर्णत अन्त

- श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी श्री श्रमरीक सिंह श्रीमती सतबीर खरबन्दा पत्नी श्री परमजीत सिंह, निवासी 480, माडल टाऊन करनाल। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री इकबाल चन्द नागपाल।
 - (2) श्री विमल कान्त नागपाल पुत्रगण श्री भिरंजी लाल, निवासी 844/13, ग्रर्बन इस्टेट, करनाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षम् के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 स्वना की तामीस सं 30 दिन की जनिष, जो त्री
 जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक म 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अगुसूची

सम्पत्ति 153 कनाल, 6 मारला भूमि जो बुदनपुर उर्फ सकनपुर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्री संख्या 1907 दिनांक 7-8-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 31-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

गड़गांव, विनास 7 अप्रैल 1986

निदर्भेश सं. आर्झ.ए.सी./एक्यू.गुड़गांव/85/85-86---अत: मुझ, बी. एन. खत्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वसं इसमें इसके वश्वात् 'उचत विधिनयम' कहा गवा हैं), की भाषा 269-व के बजीन सक्षत्र प्राप्तिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थानर प्रम्मित्व, विश्वका उपित शाचार मृत्य और जिसकी सं. भूमि 20 कनाल 15 मरला गांव सुखराली में स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन,

दिनांक 13-8-85

को पूर्वोक्त संघीत के जीवत वाधार अन्य से का के स्वधवान प्रतिफल को निए नंतरित की गई है और नुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संध्यित का जीवत वाजार नृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकत से निषक है बार अन्तरक (अन्तरकों) और बन्धरिती (बन्तरिशियों) के बीच एसे अन्तरक से लिए तब बाबा गवा प्रतिफल, निम्निलिखत उस्हें के बच्च अन्तरण निवित्त में वास्तिक क्ष से किच्छ नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माम की बाबत, सक्त मिनियम के मधीन कर दोने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने मा सससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (य) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार जिन्हों भारतीय जायकार जिन्हों भारतीय जायकार जिन्हों भारतीय या उक्त जिस्ती गया प्रयोजनार्थ अंतरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मृतिभा वै निए;

जतः अब. ७४. अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण ग में. अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गांविन्दा 2. जय सिंह पुत्रान श्री रामधन नि. गांव सूखराली तह. गुड़गांवा

(अन्तरक)

 मंसर्ज अनशल शिपट्टी इण्डिस्ट्रीजर्स
 प्रा. लि. 115 अनशल भवन 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सः के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशम की तारीच से 45 विन की अवधि या दल्डंबंधः व्यक्तियों प्र कृत्रका की सम्बद्धित चे 30 विन की क्यांचित को की क्यांचि कार में क्यांच्य होती हों, के श्रीवार प्यांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुक्ता;
- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र सिसित में किए जा सकोंगे।

रमण्डीकात्रण:---इतमें प्रकृततः कवां बार नवां का, कां अनतः सीमिनमान, के सभाग 20-क में परिभावित ही, वहुरि सर्व होगा को उस सभ्यान में विश्वा गया ही।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 20 कनाल 15 मरला जो गांव सुखराली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गावा में रिजस्ट्री संख्या 2551 दिनांक 13-8-85 पर दिया है।

बी. एन. खत्री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

दिनांक : 7-4-86

ं प्रारूप आ**द**े.टी. ऐने . ऐसं . -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

भारत सःस्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

विनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं. आई. ए.सी. /एक्यू गुडगांव/72/85-86--अतः मुझे, बी. एन. खत्री,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अभिनियम' कहा गया है) की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000 - रा. सं अधिक ही

और जिसकी सं. भूमि 22 कनाल 19 सरला गांव काहपूर में किल्लान व

(और इससे उपाबद्ध अनुमूची मो और पूर्ण रूप से विणित ही), पाजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालया, गुड़गांव मो भारतीय आयकार अधिनियम, 1961 के अधीन,

दिनांक 13-8-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि बधाप बॉक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से बंधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के सिए

संतः अवः उक्त विधिनियमः औ शारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उत्राप्त अधिनियम की धार 269-म की रमधारा () के अधीन, निम्निजितिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री चन्दर भाग पुत्र श्री राम लाल नि. सरहाल तह गुड़गाया

(अन्तरक)

 मैसर्ज परागोन रियल इस्टोट अपारटमैन्ट प्रा. लि.
 1 नरोन्द्रा पलौरा पार्लियमेन्ट स्ट्रीट, भई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में सम्माप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्ट प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगें.

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनेपची

सम्पत्ति भूमि 22 कनाल 19 मरला जो गांव काहपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गावा में रिजस्ट्री संख्या 2385 दिनांक 2-8-85 पर दिया है।

> बी. एन. सन्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, राहतक

दिनांक : 7-4-86

भाहर :

प्रक्ष बार्ड .टी.एन.एस. -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निवर्ष्य सं. आई.ए.सी./एक्यू गुड्रगावा/86/85-86--अतः मुझे, बी. एन. खत्री,

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. भिम 23 कनाल 8 मरला गांव सुखराली में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालग, गृष्टगांव में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,

विनांक 13-8-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रथमान शांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्तत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पापा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण गलित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया परा है हु---

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर विधिनियम के वधीन कर देने के बन्तरक के दादित्य में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनेयम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से बिक्या

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण के, के, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभाग (1) के अधीय, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- गर्ध / श्री रिसाल सिंह 2 सुरजन सिंह
 त र जक राम 4 श्रीमित छोटी नि गांव सुखराली तह गुड़गावा

(अन्तरक)

2. मंसर्ज सुरज कन्सट्रवसन एण्ड इस्टिट (प्रा.) लि. 115 अनशल भवन, 16 कस्त्रबा गान्धी मार्ग, नर्झ विल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के निक् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के तस्वन्थ में कोई वासेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाट सिस्ति में किए जा सकांगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनक जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक इं. बही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नेवा हैं।

असलची

सम्पत्ति भूमि 23 कनाल 8 मरला गांव मूखराली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गृङ्गाया में रिजस्ट्री संख्या 2552 दिनांक 13-8-85 पर दिया है।

बी. एन. सत्री सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

दिनांक : **7-4-**86

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिविषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निदर्भेश सं. आर्ष.ए.सी./एक्यू गुड़गांव/176/85-86---अतः मुझे, बी. एन. खत्री,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. भूमि 38 कनाल 2 मरले जो गांव चोमा मो स्थित डो

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृड्गांव में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,

विनांक 30-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रत को निए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, एसे दृश्यमान प्रतिक्रल का प्रकृष्ठ प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिनिकत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन बन्ध जास्तियां स्था पिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः विकास अन्त विधितियम की धारा 269-ग के अन्यारण में, में, उनत विधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नोलिसित व्यक्तियमें अर्थात् :— श्री धर्म सिंह पुत्र इन्द राज, रनबीर सिंह पुत्र सदा राम, श्रीमती धनपती पत्नी बलबीर सिंह नि. करतार पुरी तह. गुडगांव।

(अन्तरक)

भी. अन्सल प्रापटीजि एण्ड इन्डस्ट्रीज
 प्रा. लि. 115 अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी
 मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासंद :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविद्यों में से किसी अविक ख्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

ग्रन्**स्**ची

सम्पत्ति भूमि 38 कनाल 2 मरले जा गांव चोमा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रिजस्ट्री संख्या 2918 दिनांक 30-8-85 पर विया है।

> बी. एन. खत्री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

दिनांक : **7-**4-86

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रहितक, विनांक 7 अप्रैल 1986

निद^{क्ष}श सं आईण्.सी./एक्यू गुड़गांव/97/85-86—— अतः मुझे, बी. एन खन्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भ्मि 28 कनाल 15 मरले जो चोमा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, गृष्टगांव में भारतीय आयक र अधिनियम, 1961 के अधीन,

दिनांक 23-8-85

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के हम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हम्यमान प्रतिफल से एसे हम्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर उधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री धूपन सिंह पुत्र तारा चन्द नि. गांव-चोमा तह, गुडगांव।

(अन्तरक).

 मी. अन्सल प्रापटीं क एण्ड इन्डस्ट्रोज (प्रा.)
 ति । 115 अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नर्डा विल्ली।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपर्तित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्पष्टीक्षरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

रामाचि भूमि 28 कनाल 15 मरले जो गाप-नोमा मो स्थित है जिसका धियरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव मो रिजस्ट्री संख्या 2673 दिनांक 23-8-85 पर दिया है।

बी एन खत्री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

दिनांक : 7-4-86

· ------

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

अगय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

राहतक, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निदं सं. आर्ड ए.सी. /एक्यू ग्ड़गांव/79/85-86— अत: मुझे, बी. एन. खत्री, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्थावर संपरित जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक

1.00.000/- रापये से अधिक हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ती में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,

दिनांक 6-8-85

को पर्याक्त ठ-ठ-ठ के पर्याक्त के प्रविद्य बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दूरयमान प्रतिफल के, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौ (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक हुए से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर कि धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविजा के लिए;

 श्री रामचन्द्र पृत्र श्री घमण्डी निवासी कन्हाई, तह. - गुड़गांव्र

(अन्तरक)

2. मं. ग्रीन पार्क बिल्डर एण्ड प्रोमोटर (प्रा.) लि., 115, अंगल भवन, 16 कस्तूरमा गान्धी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्ये इंभी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों इर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त कंधिनियम, के बच्चाद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसुची

सम्पत्ति 44 कौनाल भूमि जो ग्राम-कन्हाई, जिसका अधिक निवरण रजिस्ट्रीकर्का के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 2437 दिनांक 6-8-85 पर दिया है।

> बी. एन. **सत्री** अर्जन रॉज, रोहतक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्ब**र्ड**

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिलित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

दिन्*रं*क : 17-4-86

सोहर

आरूप आर्ड्, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, केन्द्रीय राजस्य भवन स्टोच्यू सर्जिल, जयपुर

जयप्र, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निवाक सं. राज /सहा. आ. अर्जन/2678— यतः मझे, मोहन सिंह,

श्रायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रतिवकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्तित साजार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. डी-143 हैं, तथा जो जयपुर में स्थित है

(और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारील 8-8-1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान विकास के की लए अन्तरित की गई और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से एसे दश्यमान प्रतिकत का दन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकत, निम्निलियत उद्देश्य से उचत अन्तरण बिचित में अस्तिथक रूप से किथत नहीं क्या गया है ...

- (क) वन्तरण हे हुई किसी बाम की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जनस्क क वायिस्य के कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के सिष्ट; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 द्या 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपादों में स्विधा की किए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में, में, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जिस्ति, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ६—9—46GI/86

 श्री नटदर बिहारी लाल माथ्र पुत्र श्री मोहन्लाल जी माथुर कायस्था, निवासी डो-143, ए सावित्री पथ, दापु नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

 श्री धर्भचन्द प्त्र श्री मूलचन्द, श्रीमती मनारमा पित श्री धर्मचन्द, श्री नरेश कुमार प्त्र श्री मूलचन्द व श्रीमती अंजना देवी पित श्री नरेश कुमार लुहाड़िया, नि. नरायना, जयपुर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्तः सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ब) इस स्वना के राजपन में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पन्नीकरणः इसमें प्रमुक्त कन्नों और पर्यों का, को उक्त अधिर्मित्यम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा चवा हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. डी-143 की भाग स्थित बापू नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयप्र द्वारा ऋम संख्या 2013 दिनांक 8-8-85 पर पंजिबद्ध विकास पत्र में विस्तृत रूप से दिवरणित हैं।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपर

तारीख: 10-4-1986

प्रस्प बाह्रं.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की भारा 269 भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, केन्द्रीय राजस्य भवन स्टोच्यू सर्वितन, जयपुर

जयपुर, विनांक 10 अप्रैल 1986

निर्दोश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/2679— यतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनिवय' कहा गना हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिबका उचित वाजार मृश्य 1,00,000/- का से विभिन्न हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 39 है, तथा जो जयपूर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

ता¹ीख 1-8-1985

का पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफस के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिकास से विधिक है और अंतरिका (अंतरिका) के और अंतरिका (अंतरिका) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथित हही किया गया है:----

- (क) अस्तरण में हुड़ी फिसी काय क/ वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के टायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या निया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत. अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीय, सिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मंजर भूपेन्द्र सिंह,
 358 बी-सैनिक विहार, न्यू दहली।
 (अन्तरक)
- 2. श्री रिखब चन्द पूत्र श्री लक्ष्मीचन्द बागरचा, 100, धूलेश्वर गार्डन, जयपुर। (अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ सूक्त करता हुएं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोड़ी भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी क्योतियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी क्योपत स्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रपव्यक्तिसणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं. 39, रामप्रा हाउभिंग सोसायटी स्कीम नं. 2 बी, अजमेर रोड, जयप्र जो उप पंजियक, जयप्र ब्वारा ऋम संख्या 1944 बिनांक 1-8-86 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में विस्तृत रूप में विवरणित ही।

सोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीस : 10-4-1986

बक्त बाद्र', डी. पुत्र, एउ : ----

नायकर जर्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के संभीत न्याना

MANUAL PARTY

कार्याक्य, तहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, केन्द्रीय राजस्य भवन स्टोच्यू सर्मिकल, जयपुर जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

आदेश सं. राज्./सहा. आ. अर्जन/2680--

यतः मुझं, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के में अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उचित नाकार मृश्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

औ^र जिसकी सं. प्लाट नं. 13-सी है, तथा जो उदयपुर में

स्थित है

(और इससं उपाबद्ध जनसूची में और पूर्ण रूप सं विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख 13-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित का एडं हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने का आरण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार क्या, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का भन्तह प्रतिकात से अपिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल, निम्निलिसित उद्योग म उक्त अन्तरण निकित में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा अस्तर्भ और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, स्थिपन में साजधा के लिए,

असः क्षत्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री मानधाता सिंह प्त्र श्री संग्राम सिंह चूड़ावत, निवासी व वगढ़, जिला उदयप्र।

(अन्तरक)

 श्री अशोक राव, श्री आलोक पुत्रा श्री मोहनलाल जी महता, निवासी—–मधुबन, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) ध्य श्रूष्या के राज्यन में प्रकारत की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्य स्पन्ति स्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास जिल्डित में किए ता सकेण ।

स्पष्टीकारण :--- हममा प्रयासत गब्दो ओर पदों का, जो उसस काँभ-नियम के अध्याय 20-क मी पोरभावित ही. यही अर्थ होंगा. जा उस अध्याय मी दिया गद, हैं।

अनुसुनी

प्लाट नं . 13 सी, फतंहपुरा, उदापुर को उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2368 दिनोक 13-8-85 एक पंजिबद्ध विकास पत्र में विकरणित हो।

मोहन सिह् सक्षम पाधि रार्थ सहाय हे अत्याहर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जन रॉज, जयश्र

तारीय : 10-4-1986

मोहर 🖫

प्रकार मार्च , टी., एन , एस.,-----

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की अभीन सूचना

शारव बद्रकार

कार्बासर, सहायक शायकर शायकर (विरस्तिक) अर्जन रोज, केन्द्रीय राजस्य भवन स्टोच्य सर्जिल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रील 1986

आदश सं. राज / सहा. आ. अर्जन/2681— यत: मूझ, मोहन सिंह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए को मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्या करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका शिंक बाजार मूख्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट हैं, तथा जो उदयपुर में स्थित हैं

आर जिसकी सं प्लाट है, तथा जो उदयपुर में ।स्थत हैं (और एससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यिणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-1985

को पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कि संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके पृथ्यमान प्रविक्त हो, ऐसे बृश्यमान प्रविक्त हो, ऐसे बृश्यमान प्रविक्त हो, पण्ड हो प्रति म से प्रक्रिक हो, पण्ड हो से प्रक्रिक हो, पण्ड हो से प्रक्रिक हो, विक्र सिंदि हो हो से प्रक्रिक हो से प्रक्ति हो से प्रक्रिक हो से प्रक्र

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबवा, जबस किमिनसम के अभीन कर दोने के अन्दर्क के दायित में कभी करने या उससे बचने में मूर्गिया। वे लिध; बॉड/बा
- (क) एंकी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती युवारा प्रकट ही किया गना था या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्वित्था की जिए; और/वा

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री मानधाता सिंह पुत्र श्री संग्राम सिंह चूडावत, निवासी विवाद, जिला उदयप्र।

(अन्तरक)

 श्रीमती आशा दांबी परिन श्री मोहनलाल जी महता, निवासी——मध्बन, उदयप्र।

(अन्तरिती)

को वह स्थाना आर्थ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां सुक करवा हूं।

उन्नत कम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र है---

- (क) इस वृक्त के स्वप्त में प्रकाशन की टारीक वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पत्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बहुष किसी बन्य स्थासि द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किस वा सकींगे।

स्पृष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्क विभिनियम, के अध्याम 20-क में परिशाधित इ, कड़ी अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया कथा है।

अनुसूची

प्लाट नं . 13/3 सी, फतंहपुरा, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2369 दिनांक 13-8-85 पर पंजि-बद्धध दिक्षय पत्र में और विस्तृत रूप से निवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीव : 10-4-1986

प्ररूप कार्यं, टी. एन_एस ् ------

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-ज (1) के अधीन स्थान

THE STREET

कायालय, सहामक प्राथकार आयुक्त (भिरीक्षक) अर्जन रॉज, केन्द्रीय राजस्य भवन स्टोच्या सकिल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश मं. राज./सहा. भा. अर्जन/2682—
यत: मुझे, साहन सिंह,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्नास कर्ने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
1.00,000/- रु. सं अधिक है
और जिसकी सं. भूमि (कृषि) है, तथा जो प्रतापगढ़ में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है),
रिजर्म्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रांकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-8-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिषस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ्थ) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाजनार अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया अना वाहिए था, छिपाने में स्विधा खे सिए;

अक्षः अल, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण हो, हो, उसते अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) हे अधील, निम्नल्डिकत व्यक्तिकों, सर्वात् ा— 1. श्री दोवी प्रसाद सिंह उर्फ दोवी प्रतापसिंह पूत्र श्री हरिहरनाथ सिंह जी राजपूत, निवासी प्रतापगढ़, राज ।

(अन्सरक)

 श्री कंघरलाल पृत्र भगवानजी गौर, माली, गिवासी प्रतापगढ़, राज.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन का लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य न्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए ना सकी थे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

अनुसूची

11.25 बीघा कृषि भूमि स्थित प्रतापगढ़, जिला चित्तौड़ जो उप पंजिरक, प्रतापगढ़ द्यारा कम संख्या 969 दिनांक 18-8-85 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 10-4-1986

प्रस्थ कार्य <u>,</u> डॉ ु एन ु हुए ु क व न स्थल

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन कुमना

भारत रहेकाड

कार्याजय, बहायक जायकर जायकत (जिरीलज) अर्जन रॉज, केन्द्रीय राजस्य अधन स्टोच्यू सर्वितल, जयप्र

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

आयोष सं. राज./सहा. आ. अर्जन∕2683~~

यतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की शब 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट सी-77 है, तथा जो जयपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1985

को पूर्वोक्त संपरित के समित बाबार भूरूम से कम के दश्यकाल नित्क के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार क्रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ब्रित्वाच से अभिक है और अन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितिवार) के बीच एसे जन्तरण से सिए तय पाया गया वित्कान, निस्मानिवित उद्दर्शक से उक्त जन्तरण जिल्हा

भ्रें पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है रू---

- (क) बन्तरण संहूमं किसी बाथ की शखत, उपस अभिनियम के अभीन कर बने के अन्तरक के दावित्य से कभी करने वा उससे वयने में सुविधा के लिए; बॉट्र/या
- (व) ऐसी किसी बाव वा किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ।'क्रपाने में सुविधा के लिए।

अतः जबं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसर्धः । मैं स्थार अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती सुमनलता अग्रवाल व श्री शरव अग्रवाल।

(अन्तरक)

श्री नवीन गुप्ता व
 श्री नरात्तमलाल गुप्ता,
 निवासी—सी-77, सराजनी मार्ग, अयपूर।
 (अन्तरिती)

को यह तुमना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यगहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस त्याना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध दिन्दी सन्य स्थानित व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

अन्मृची

प्लाट नं. सी-77, मरोजनी मार्ग, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2036 दिनांक 12-8-85 पर पंजिय बदुध विकस पत्र में सिस्तृत रूप से विवरणित ही।

> नोहन सिंह सक्षम शाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन र¹ज, जयपुर

तारीख : 10-4-1986

माहर :

प्रकृष आहु ही एन एस . -----

आयकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) वे सभीन तृक्वा

ALLEY TABLE

काशीलय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^{र्}ज कोन्द्रीय राजस्य भवन, स्ट^{न्}च्यू सर्विकल, जयपुर

जयपुर, विनाक 10 अप्रल 1986

निदांश संख्या राज / सहा आ अर्जन / 2684 --- यतः मुक्ते , मोहन सिंह ,

बायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थलर सम्पत्ति, विसका उचित बाधार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ज्याद नं ए-10 है तथा जो जयपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्दीकार्ता अधिकारी के कार्यालय जयपूर में, रिजस्दीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 7-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति से उपित बाबार मृज्य से कम के दश्यकाल भिक्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास

करने का कारण है कि यभाव्योंका सम्मारित का स्वित बाजार ब्रुब, उसके क्वमान प्रतिकत ते, एते क्यमान प्रतिकत का बख्द प्रतिकत से विभक्ष है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षि) के बीच एसे अन्तरन के खिए तब पावा बवा प्रतिकल, निम्नसिखित उद्दोष्य से उन्त अन्तरण कि बित में बास्तिक क्ष के क्षित्त नहीं दिका बवा है —

- (क) नन्तरण ते हुई किसी आय की नायत उक्त विध-निवस के स्थान कर दोने के सन्तरक के दासित्व के कनी करने ना उक्त करने में सुविधा के जिए और/वा
- (स) एंसी किसी जाव या जि.ती थन या जन्य जास्तियों कर्ी, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धन कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा का किया थाना जाहिए था, छिपान में सुनिधा के सिक्ट

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्करण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीय ≝— (1) श्री डी. पी. गुप्ता पुत्र श्री गणेशीलाल निवासी, ए-10, तिलक नगर जयपुर ।

(अन्सरक)

(2) श्री रिश्मकान्त, श्रीमती सुमेधा, श्री मोहुल एव स्थी गंनीशा द्युलर्भजी, ए-2, महावीर उद्यान मार्ग, बजाज नगर, जयपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उन्त सम्मरित से नर्पन से सम्बन्ध में आहे थीं आहेत 🤐

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की ज्वीच वा तत्त्वस्था व्यक्तियों वर स्वया की पानीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में स्वाप्त होती हो, के बीत्तु पूर्वोजक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के ताबपण भें प्रकाशन की बारीब से 45 दिन के मीतृह उक्त स्थान्य संपत्ति में डिड-स्वृत किशी लग्न व्यक्ति ब्लारा मधोहस्ताक्षत्री के पास (सर्वित में किए वा स्कोन)

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पदों का, यो उक्त अधिहिन्द्य में अध्याद 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं वृधि श्लोगा थी उस्त सध्यान में विशा नवा हाँ।

अनुसूची

प्लाट नं ए-10, तिलक नगर, जयपूर जो उप पंजियक जयपूर द्वारा क्रम संख्या 1991 दिनांक 7-8-85 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृतं रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राप्रकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख: 10-4-1986

प्रकृत वारक्षीत क्षेत्र कृता हुन्।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

en a compressión de la las como de la constanta de la compressión del compressión de la compressión de

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरोक्नण) अर्जन रोज कोन्द्रीय राजस्य भयन, स्टोच्यू सर्विकल, जयप्र जयप्र, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निवर्षेश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/2685 ---यत: मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्यस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 89 ह**ै तथा** जो जोधपुर में स्थित

ह⁻,

(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकश के स्मिष् अन्तरित की गई और मभ्ने यह विक्थास करने का कारण है

कि यह यथा पृषोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया एया है:----

- (क) शन्तरम् सं हुइं शिक्षकी थाय की नावल, क्या नावशिवका के ख्यीम कर दोषे के अन्तरक वी शायरम में कमी करने वा कतने वचने में सुविवस के किए; और/मा

अतः अबः, उक्तः अधििःयम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री दोश किशन, खाण्डाफाल्सा ।

(अन्तरक)

(2) श्री इदकराण महिता पुत्र श्री केवल राम, महिता, निवासी-प्याट गं. 89, संकटर ए, संक्शन 4, शास्त्री नगर, जीधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

स्वक् स्वतिह के अर्थन के संबंध में कोई औं वाक्षेत्र :---

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीब से 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अधिध, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, ले भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के रामपण में प्रकाशन की तारील शें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्षुण किसी जन्म व्यक्ति वृतारा, मुभोहस्ताक्षरी कें बासु सिहित में किए जा स्केंगे।

स्मार्थक रच्या प्रमुख्य स्मार्थक श्री का, भी सम्बद्ध स्मार्थक स्मार्यक स्मार्थक स्मार्यक स्म

अनुसूची

प्लाट नं. 89 संक्शन-4, बास्त्री नगर, जांधपूर जो उप-पंजियक जांधपुर द्वारा क्रम संख्या 2934 दिनांक 12-8-85 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र मों विस्तृत रूप में विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपूर

तारील 10-4-1986 मोहर: प्ररूप जाई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्ट^{च्}यू सर्किल, जयपर

जयपूर, विनांक 10 अप्रैल 1986

निद^{क्ष्}श सं. सज /सहा. आ. अर्जन/2686 — यत: मुझे, मोहन सिंह,

नावकर जीपनियस, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने क्याने इसके प्रवाद 'उन्नित विधिनियस' कहा गया हैं), की वारों 269-व के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सन्धिता, जिसका उजित वाकार मृख्य 1,00,000/- उ. में अधिक हैं

और जिसकी सं. मकान नं. 25-सी है तथा जो जौधपूर में स्थित

ਰੂੰ ∕ਅਨਿ

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-

की पूर्वीक्स सम्मित्त के सिंत बाबार मूल्य से कम के वर्णकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित क्वार मूल्य., उसके वर्यमान प्रतिफल से, एसे वस्त्रधान क्रिक्स के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरण के लिए तथ पाना चया प्रतिफल निम्निलिस उद्वेष्य से उकत बंतरण विद्वित से पास्तिफल निम्निलिस उद्वेष्य से उकत बंतरण विद्वित से पास्तिफल रूप से क्विंस नहीं किया गया है है—

- (क) अभारण से हुए फिकी बाध की बावह, उपत कीचित्रम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी बाय या किसी थन या व्यव्य बास्तियों हों, बिन्हों भारतीय आय-कर वीवनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा वा का का किया वाना चाहिए था, क्रियान में सविधा अधिका के सिसा;

लतः कथः, शकत विधितियम की वारा 269-व के बन्वर्य में, में, उक्त विधितियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के अधीतः जिप्तिलिखत व्यक्तियों, वर्धीत्:—— 10—46GI/86 (1) श्री करण सिंह पूत्र श्री जयसिंह जी महन्त, जीभपर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीश जोशी, पूत्र श्री मूकन चन्दा, भीमजी का मीहल्ला, जीधपर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां पुरु करता हैं।

कवा सम्परित के वर्षन के बंबंच के कोई भी बाक्ये 🕪

- (क) इंच सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बनीच मा तत्संबंधी स्वितियाँ पर सूचना की ताबील से 30 विन की बनीच, को भी जन्म बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (क) इक त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संगरित में हितनव्य किसी बन्य स्थानित व्यारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकते।

अनुसूची

भकान नं 25/सी स्थित ठाकर करण सिंह का अहाता, पांच बस्ती, एयरफोर्स रोड़ जीधपूर जो उप पंजियक, जीधपूर व्वारा क्रम संख्या 2936 दिनांक 12-8-85 पर पंजिबक्ध विकास पत्र में विस्तृत हम से विरर्णित हो।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जयप्र

दारीस : 10-4-1986

बच्च बाहील हील हुमल हुमल------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ण (1) के जभीन स्वना

भारत बहेकाड

कार्याक्रय , सहायक आयकर आयुक्त (तिराँक्षण) अर्जन राज , एरणाकालम ,

कोच्चिन-16

कॉन्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निवर्षां सं. एल. सि. 792 — यतः मृझे, पि. त्यागराजन,

बायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00 000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मोयिलब में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारींस 20-9-1985 को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृझे यह बिज्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिचात से अधिक है और बंतरक (बंतरकार) और बंतरितीं (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार, निम्निवित्त स्कृतेक्य से उन्तर अन्तर्क दिवित्त में बारतिकार, निम्निवित्त स्कृतेक्य से उन्तर अन्तर्क दिवित्त में

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उपत अभिनियम के बभीन कर दोने के अस्तरक की वाजित्य में कमी करने या उपन्ने बच्चे ही सुनिधा के किया; औड/बा
- ा एंसी किसी जाय वा किसी थन वा बन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लोधोन्यम, या धन-कर विधिनवर्म, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था, 1984%

नंधा १म, ७वत मीमीनमन, की भाग 269-म के नन्तरभ में, भें: उक्त अभिनियम की भारा 269-म की जनभन्त (1) से क्रेसिंट, निज्नितिसिंग व्यक्तियों, समृद्धि क्रिक्ट (1) श्री अवरफ अली और 17 वकेश ।

(बन्तरक)

(2) श्रीएम सि. वगीस।

(अन्तरिती)

की वह सुवना बादी करको पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप 🎞 🖰

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकारन की तारीय वें
 45 दिन की जयींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन को अवधि जो भी
 सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मतित में हिसबह्द किसी अभ्य व्यक्ति इवारा अभोइस्साक्षरी के पास किसित में किस् वा दकोंने !

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कच्यों और पर्यों का, को कथ्य अभिनियम के अध्याद 20-क में परिभाविक है, बहुी अर्थ होना को उन अध्याद में दिया नया है।

अनुसूची

तारीख 20-9-85 उपरिजस्ट्री कार्यालय काविलपारा वस्तावेज. सं. 2111 में सलंगन अनुसूची के अनुसार कविलमपारा अमकम मोयिलत्र वासम से सखे 89 में 52-6 एकरम रहर एसटेयट और मकान ।

> पि. त्यागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एरणाकलम

तारीख: 8-4-1986

प्रकार कार्यं हो दो पुर्व पुर्व व वक्कार .

(1) श्री अषरक अली और 17 वकेश।

(अन्सरक)

(2) कलारम्मा वरगीस।

(अन्तरिती)

बायफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(श) (1) के विभीत स्टाना

भारत करकार

कार्वासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जने रेज, एरणाक लम, कारिज्यन-16

काीच्चन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निदर्भें सं. एल. सि. 793 --- यतः मूझे,

पि. त्यागराजन,

नायकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) (पित इसमें इसके प्रवाद 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार नृत्य 1,00,000/- रु. वे निधक हैं

और जिसकी सं. अनुस्ती के अनुसार है, जो भोषिलत्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्ती में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20-9-1985

को पूर्वोक्त सम्मणि के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमाय प्रतिफल को लिए अंतरित की गढ़ें हैं और मुफ्ते यह निश्कास करने का कारण हैं कि वचान्वोंक्त सम्मौत का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से बिधक हैं और अन्तरक (अन्वरकरें) और बन्वरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तव बाजा गवा प्रतिफल, निश्निकित उद्देश्य से उच्त बन्तरण सिहित में बास्तविक रून से कवित वहाँ किया गवा है है—

> हुँक) ब्लाइन ही हुए कियाँ बान की बावक, स्वयं व्यक्तित्व के ज्योग कह रोगे के ब्लाइक के व्यक्तिय में क्यों करने वा क्याचे बजने में सुर्देगभा के तिहर; क्रीड/वा

> (व) होते किसी भाष या किसी पत्र वा सन्तः वास्तियों को किसी भारतीय बायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर विधिनवन, वा धन-भाष विधिनवन, वा धन-भाष विधिनवन, वा धन-भाष विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरियों ब्वायु प्रकट नहीं किया ववा भा वा किया धाना आहिए था, कियाने में सुविधा वे लिए १)

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (﴿) के अभीन, निम्निसिंक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— को यह सूचना जारी रूरको पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्वनाहियां मुक्त करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दृष्ट क्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्य स्थानित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिस में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त जीवित्यम के जभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस जभ्याय में विदा क्या ही।

अनुसूची

तारीख 20-9-1985 उपरिजस्ट्री कार्यालय काविलमपारा दस्तावेज सं. से 2110 में सलंग्न मोयिलत्र द्वेसम सखे सं. 89 में 42.6 एकरेस रवर इस्टेट।

पि. त्यागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एरणाकलम

तारील : 8-4-1986

प्रका कार्य .टी_टक्न_्युक्_{टा स्टब्स्टा}

नायकर बरियानियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-क (1) के नभीन सुचना

भारत बरकार

कार्याजय, बङ्गायक आयफर आयुक्त (निर्देशका)

अर्जनं रंज, एरणाका लम,

कोष्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निवर्षेश सं. एल. सि. 794.—यतः मृझे, पि. त्यागराजन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवा देवने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नात करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाचार बुक्व 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं अनुस्ची के अनुसार है, जो मोयिलत्र में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार बूक्य से क्षत्र के अववान बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बूक्य, उसके श्रद्यमान प्रतिफल से, एवे वश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) बीर बन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए स्व बाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उच्य अन्तरन किवत में नास्तिक रूप से किवत नहीं किया वना है है—

- (क) अन्तरच से हुद्द जिल्ही शाय की, वासरा, उसके अभिनियम को अभीन कर दोने के बन्तरक के शायित्य में कमी करने वा उत्तर्स वचने के बृण्यिया के बिए; करि/वा
- (भ) इंसी किसी भाव या किसी भन का बन्ध वास्त्रियों को विन्हें जारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिए;

कत: अत्र, उक्त निर्नियम की भारा 269-न के नगुतरक तः, गो, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-न को उपभारा (1) क नभीत, निम्मिनियस स्पन्तिनों, वर्जाव ह— (1) श्री पि. पि. सन्ती ।

(अन्तरक)

(2) श्री साजन वरगीस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टिंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

बक्त सम्बक्ति के वर्षन की सम्बन्ध में आहे ही जाहोप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विचि बाद में समान्त हाती हो, के भीतर पूर्वित स्वत्यों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इतत्वना के राजपण में प्रकातन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटकट्ट्रव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरों के पांच तिवित में किए का सकत्वे।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त काम्यों और वर्षों का, यो उम्बद्ध विभिनियम, के बन्धाय 20 क में परिभाषित है, यहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वया है:

अनुसूची

तारीख 18-10-1985 उपरिजिस्ट्रि कार्यलय काविलमपारा वस्तावेष सं. 2305 में संलगन अनुसूची के अनुसार काविलमपारा अमभप मोयिलत्र देशम सखे सं. 89 में 30 एकरेस रबर एसटेयट और एक मकान।

पि . त्यागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , एरणाकर्जनम

तारीब : 8-4-1986

प्रस्थ नाइ 👸 टी 🚜 प्राप्त क्ष्य ु-------

नावकर विधिनिवस, 1961 (1964ई का 43) की भाष 269-म (1) के नभीम सूच्या

भावत तक्कार

कार्यालयः, सहायक अधिकार बाजूक्त (निरमेश्वण)

अर्जन रौज, एरणाकालम,

कॉच्चिन-16

कांच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निवर्षेश सं. एल. सि. 795 — यतः मृझ्रो, पि. त्यागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उपका अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-च के अधीन उक्षम प्रीधिकाकी की, यह निश्चाच करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, निस्का उनित बाबार मृश्व 1,00,000/- रु. ते अधिक है और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो मोयिलन में स्थित हो और प्रसार समार्थ में स्थित हो और प्रसार समार्थ में स्थान हो और प्रसार स्थान स्यान स्थान स

है (और इससे उपाबर्वेध अंनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के कार्थीन स्तारीख 13-9-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्प, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतिकती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण हैसिवड में बात्तिक रूप से क्षित नहीं किया प्राप्त हैसिवड में बात्तिक रूप से क्षित नहीं किया प्राप्त हैसिवड में बात्तिक रूप से क्षित नहीं किया प्राप्त हैसिवड में

- (क) अस्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में क्यी करने या उससे बचमे में सुविधा के क्रियू; बीच/या
- (स) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृविभा के लिए;

शतः शकः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की स्पधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थाद था-- (1) श्रीपि. टि. पौलोस।

(अन्तरक)

(21) श्री सची वरगीस।

(अन्तरिती)

को। बहु त्वमा वादा करके पूर्वीक्त सम्बन्ति के कर्वन के लिए कार्यवाहियां करका हां।

उक्त सम्बद्धि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों अप सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

तारीख 13-9-1985 उपरिज्ञस्ट्री कार्यालय कविलमपारा वस्तावेज सं. 2043 में संलग्न अनुसूची के अनुसार काविलमपारा अमंभभ मार्थिलक दोसंम संखे सं. 89 में 2.06 एकरेस एसटोयट।

पि. त्यागराजन सक्षम प्राधिकारी हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, एरणाक लम

तारीब : 8-4-1986

the sile of he toward

(अन्सरक)

(2) श्रीसची वरगीस।

(1) श्रीपि. टि. पौलोस।

(अन्तरिसी)

की वह तुमना बारी करके पूर्वोक्त क्षत्राति की कर्मन के क्रिक्स कार्यवाहिया शुक्र करहा हुं।

हरत बल्गील में वर्षन हो बल्पम में कोई औं बाह्रीप 💵 🗝

पिंद्र मुक्ता के उपलब्ध में प्रकारण की रासीय है 45 किन की अवस्थि या तत्वंत्रंगी व्यक्तिको पुर बूचवा की सामीस से 30 दिन की नवींथ, से भी ननीय बाद में समाना होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी अधित हराहा;

(च) इच सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाड विविद्धित में किए वा बकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवम के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी वर्ष होना, वो उस अध्याय में दिया नवा

नायकप वर्षित्रमम्, 1961 (1961 का 43) की पाछ

269-व (1) वे वर्षीय सूत्रना

श्चानंत्रक क्षात्रक नावकर नावुक्त (निर्देखक)

अर्जन रेज, एरणाक लम,

कोच्चिन-16

कांच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निदर्शेंग सं. एल. सि. 796 — यतः मुझी,

पि. त्यागराजन,

नावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) विवर्ध देवने इसके परवात् 'उनत विधनिवृत' कहा नवा ही, की बाहा 269-व के वधीन सक्षत्र शाधिकारी को,, नह विकास करने का कारन र्ड कि स्नामर संगरित विश्वका उद्देशक वाका**त मुख्य**्ड

1,00,000∕- रु. से **विभिक्त ह**ै और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो मोयिलत्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख 24-8-1985

 पृथानित सम्मतित के उचित् बालाए बृत्य से कुन के ज्यवनान श्रीनक्षेत्र में जिल्लामारिय की यहाँ ही, बीर मुक्के वह जिल्लाक करने का बारण है कि व्यानुबंधिक बंगीरक का उरिवेद साकाड न्तर, प्रदर्भ समान प्रतिकृत हे होने क्यानान प्रतिकृत का रहि प्रतिचत वे मिश्रक हो बीर बंबरक (बंबरकी) वार बंबरिकी (अन्तरितियाँ) के बीध क्षेत्रे बन्दरन में शिक्ष कर पाना पूर्वा श्रीक्षत्रम्, निम्नुविक्ति स्मृत्येन वे स्वतं मृत्युरम् निर्मित में वास्त्रहितक सम हो मानिस नहीं किया पना हूं। ह---

> (क) क्याह्म वे हुई विक्री वान की नानव क्या गरिक हिन्द से दर्वीय कर दोने के क्काइक में सहिद्द हो कती करने वा उक्के क्यूने में दविया के बिहु; कैए ग

> (६) एसी किसी बार वा किसी वन वा बन्ध वास्तियों को, जिन्हें बारबीय बाय-वह अविविद्य, 1922 (1922 का 11) या उपने वृधिनिवृद्ध वा पनकार काँचीयुक्त, 1957 (1957 का 27) में श्लोबनार्च अ्तरिक्षी ह्वाच् क्ष्म वृद्धी किया प्रा मा ना किया वाना त्राहिए था / कियाने में वृत्रिया के किए।

बत: अथ, उक्त अधिनियम की गारा 269-ग की, जनुसरण में, में, अभ्य अधिनिधन की भारा 269-प की उपभारा (1) के वर्धान, निम्नुलिसिस व्यक्तिको वर्षात 🖅 🗕

मनुसूची

तारीक 24-8-1985 उपरिजस्ट्री कार्यालय कविलपारा वस्तावेज सं. 2254 में सलंगन अनुसूची के अनुसार काविलमपारा अउसमे मोरियलत्र दोसम सर्वे सं. 89 में 13.55 एकोरस रबर एसटोयंट

> पि. त्यागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, एरणाक लम करेंच्चिन-16

तारीब : 8-4-1986

मोहरः

प्रका बाई ुटी ुएन ुएक ु-----

(1) श्रीपि.पि. डेन्नी।

(अन्तरक)

(2) श्री सची वरगीस।

(अन्तरिती)

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-भ (1) के सभीन सुचना

अधि बर्द्याः

कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (पिरीक्षण) अर्जने रोज, एरणाकालम,

को चिन-16

कांच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निदांश सं. एल सि. 797 --- यतः मृज्ञो,

पि. त्यागराजुन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं अनुसूची के अन्सार है, जो मोयिलत्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-8-1985

को पूर्वे किए सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और गुक्ते यह थिश्वास करने का कारण है

कृत यहा वरवात कारण की कारण कृतिक वाजार मृत्य, उसके क्रयमान अतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से क्रियत महीं किया गया है :—

- (क) बस्तरण से हुए किसी बाब की बाबत, धक्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के बस्तरक के वासित्व में कमी करने या उक्कच बचने में सुविधा के लिए; अर्डू-/या
- (क) एती किसी बाब या किसी धन था बन्य बास्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिरा

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक क्यक्तियों, अर्थात् क्र--

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उच्य संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के गाज निवास में किए जा सकों ने।

स्वच्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया का नवा है।

अनुसूची

तारीख 24-8-1985 उपरिजस्द्री कार्यालय काविलमपारा दस्ताबेज सं. 2252/85 में सर्लगन अनुसूची के अनुसार काविलम-पारा अंगडम मोरियलक हिसस मेसखे सं. 89 में 27 एकेरस रहर एसेटेयट ।

पि . त्यागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाकालम

तारीच : 8-4-1986

मोहरः

प्रकम शाह¹ं द्री_ल पुन_ल पुन_ल्या

आयकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शाहर 269-म (1) में सभीन ब्रह्मना

THE TRUE

कार्याभव, सहावक जावकर बाव्यक (पिरीक्षण) अर्जन रज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निद्रिश सं. एल. सि. 798/86-87:—-यतः मुक्ते, पि. त्यागराजनः

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात, 'उस्त अधिनियम' सहा रवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वत करने का आरण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्जित बाचार मुख्य 1.00.000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं. अन्सूची के अन्सार है, जो मोयिलव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्षवाल श्रीतफान के लिए अन्तरित की नहीं है वार मुक्के वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार बून्य, उसके कायमान प्रतिफान से, एसे क्षवमान प्रतिफान का वंद्रह प्रतिशात से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) बीर अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पावा जबा प्रतिफान, निम्नितियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में कास्तिक कम से कियक नहीं किया नवा है क्षा

- (क्ल) कस्तारक ने हुई किसी नाथ की बावता, उसके अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तारक की दाजिस्स में कनी करने या उससे समाने में अधिका को सिए, और/शा
- लं शासी किसी आय या किसी धन था अन्य वास्तियों को जिल्हों भारतीय जायकार अधिनियस, 1922 11922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा क्षे लिए।

या श्राप्त अपने अधिनियम की भारा 269-व की जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की लपभारा (1) वे अधीन, जैस्मिलिशित व्यक्तियों, वर्णात कि (1) श्रीपि.पि.डेन्नी।

(अन्तरक)

(2) साब् वरगीस।

(अन्तरिती)

को वह तुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हों!!

उक्त सम्मत्ति के वर्षम के संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्या किसी अन्य किस ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के भास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त कन्यों जीर पर्यों का, जो उक्त जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

तारीस 11-10-1985 उपरिजिस्ट्रि कार्यालय काविलमपारा दस्तावेष सं. 2253 में सलगन अनुसूची के अनुसार कविलमपारा अमउम मोयंलन दसम सर्वे नं. 89 सं. 29.55 एकेरस रबर एसटेयत ।

पि . स्यागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाक लम कारीच्यन-16

तारीख : 8-4-1986

इस्य बार्ड डी.ड एर.ड एर ह ----

बायकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) वे बंधीन सूचना

भारत करका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एरणाक लम, कारिचन-16

कॉिच्चन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं. एस. सि. 799/86-87 :-- यतः मुक्ते, पी. त्यागराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रकार 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-य के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, विसका उचित वाचार भूकों 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मोयिलत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कार्यितमपारा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-9-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खब्मान अतिफल के लिए मंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य अधके स्थानान प्रतिफल से, एते स्थाना प्रतिफल का पत्त्रह विश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) किए तब पाया पया प्रतिफल निम्मलिखत उद्विध्य से उक्त अन्तरण सिखित में भारतिक रूप से कीचत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई निक्की आप की बावता; उभत अभितिष्य के अपीय कड़ दोने के अन्तरक के श्रीवरण में कनी कड़ने ना कक्ष्ठें क्यों में सुनिया के लिए; अर्थ/भा
- (क) हसी किसी जान वा किसी पत्र वा अन्त कास्तिकों को किस्ह भारतीय जाय-कर वीधीनवम, 1922 (1922 का 11) या उपता विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया गया धा सा किया वाना चाहिए था, कियाने में सविधा वें लिए।

स्वश्च स्व, धवत विभिन्नन की भारा 269-न वे वन्तरन है. है, एक्त विभिन्नन की भारा 269-न की उपभाय (1) हे अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः— ॅ(1) पि. पि. डेन्नो।

(करारक)

(2) साबु वरगीस

(अन्तरिती)

को बह बुजना बारों करके प्रबेक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

वक्त बम्पीत में वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी वक्षप ह—-

- (क) दब तुम्ता के एवपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की श्विध, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (व) इत सुभाग के श्वभन में प्रकारन की तारींच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गांव निवित में किस था सकीये।

स्वध्यक्षित्व :---इसमें प्रयुक्त कब्बों बीड पूर्वों का, को कब्छ किंपिनियम के अध्याद 20-क में पड़िशाबित ही, यही कुछ होगा वो उस अध्याय में दिवस प्या ही

अनुसूची

तारीख 13-9-1985 उपरिजस्ट्री कार्यालय काविलमपारा दखतांज सं. 2046 में सलगन अनुसूची के अनुसार कविलमपारा अमहं म मोयिलक देशम सखे नं. 89 ज्ञ. 3.45 एकड्स रबर एसटायट और मकान।

पी. त्यागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एरणाकुलम

तारी**ल : 8-4-1986**

AND MIN . CO. CO. ------

वारकर निर्मियन, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के नपीन बुक्या

त्रारत ब्रह्मचाड

कार्यासकः सहायक कारकर वायुक्त (विराज्यकः)

अर्जन र^पण, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निवास सं. लुधियाना/288/85-86:--- अतः सुभी, जोगिन्द्र सिंह,

ब्रावकर मॅथिनियम, 1961 (1961 की 43) (विश्व इक्कों इक्कों वश्यात् 'उनत मंथिनियम' नहीं नवा ही, की शास 269-व के नथीन समाम प्राधिकारी की, वह विश्वाद करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्तित विश्वका कवित वाबाद मून्य 1.00,000/- ए. वे विश्वक ही

और जिसकी सं. मकान नं-बी--18-36/2, है तथा जो साकथ

माडल ग्राम लुधियाना में स्थित हैं .
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण विर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं,, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकेरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, लारीक अगस्त, 85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिपत्त के लिए बन्तरित की पहें हैं और मुम्ने वह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उजित्त बाजार
प्रत्य, उसके अध्यमान प्रतिपत्न से एंसे अध्यमान प्रतिपान का
पत्ति प्रतिपत्ति से विषय संतरक (अंतरका) की, बंतरियी
(अप्तिरित्यों) को बीच एसे अस्तरण के जिए सम बात बड़ा
विराद्ध विन्तिस्ति अप्रदेश की स्वत्त क्षा वाद की
वास्तिक अप से कीयत नहीं किया व्या की

- (क) मन्तरण सं हुई किसी नाय का वावत, जनत नियव के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व के कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिष्; अत्र/कः
- (ल) एची लिखी जान या किसी वन वा बच्च नास्तियों की, विक्षी भारतीय नेविकर निविधित्र , 1922 (1922 का 11) यो अक्त निविधित्र , 1922 का 11) यो अक्त निविधित्र , वा पर-कर निविधित्र , 1957 (1957 का 27) के एक्सेमार्थ करारिती बुगारा प्रकट नहीं किस क्या था वा किया बाना चाहिए था, कियार में सुविधा से किए।

वतः वतः जनतं विभिनियमं की धारा 269-ग को बनुवरण कें. कें. उत्तरं विभिनियमं की धारा 269-म की अवधारा (1) वे क्ष्मीन जिल्लासिक्त व्यक्तियों, स्थति क्ष्ण (1) श्री राजेन्द्र सिंह वधवा पुत्र श्री दयाल सिंह वधवा, सकान नं. 1804 सैक्टर 33डी चंडीगढ़।

(अंतरक)

(2) श्री गुरवियाल सिंह पूत्र श्री हरमंदर सिंह, निवासी 17., साउत्थ बाइल ग्राम, लुभियाना। (अंतरिती)

को सह श्वात कारी कार्य पृष्टु का पंपतिह से वर्षात् के विश्व कार्यवाहियों काउठा हों!

क्या क्रमास्य में भूषेत् से सम्मन्द में कोई प्री मार्बेद अ---

- र्ष्क इस ब्रुचना के राज्यन में प्रकाशन की शारीं के 45 विका की संवधित में तरहम्मानी स्वमित्रकों पर स्वाना की ताबीज के 30 विका की सविष, को भी नविष सक में सभारत होती हो, के भीतर पूर्वे का स्वानकों में के किसी न्यांका हुनारा;
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के शीरार जनत स्थानर सन्पत्ति में हित-बहुध किसी सन्द न्यानित स्थारा स्थाहरतासरी के बास हिद्दीस्त में किए या स्कोने ।

नन्स्ची

मकान नं. बी-18-36/2, साज्यथ माङल ग्राम लृधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लूधियाना के विलेख संख्या 3709 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं,

जॉगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी गहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज, लूधियाना

तारीख : 9-4-1986

प्रकृत कार्य हो है का क्षा क्षा करते करते हैं

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्वाना

भारत अञ्चल

कासासय, सहायक धायकार बाव्यक (निद्धीसण) अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निद्रेश सं. लुधियाना/285/85-86:--असः मुभ्के, जोगिन्द सिंह, आव्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके परचात् 'उध्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अर्थान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मुख्य ·t.. 00 . 000/- र . संअधिक ह अर्रि जिसकी सं. मकान नं. बी-21,-622/11 का भाग है तथा जो गली नं. 2, जनता नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालये, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अगस्त 85 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बर्फार मृत्य से कम के क्यमान इतिकास के निए अंतरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उप्रित सापार नुस्य, उसके पर्यमान प्रतिफल सं, एसे प्रयमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिकृत से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पामा पर्या प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाणित्व में कमी करने या इससे बचने में सृजिधा के लिए; और/मा
- (ध) ऐसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य अस्तियों रही, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती चुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अगः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण भौ, भौ, इक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् १(1) श्री कवल कृष्ण पुत्र श्री शिव चन्द निवासी बी-21-6/22/11, जनता नगर, लुधियोना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जरुजिन्द्र क्राँर परिन श्री सुरन्द्र सिंह निवासी कैनाश नगर, 442, गगनदीप कालानी, लुधियाना।

(अन्तरितौ)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्थन को सिंह कार्यवाहिका करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी बाक्तेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तार्रीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तार्मीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्य होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्का के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितजर्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाट सिवित में किए जा सकेंगं।

प्यथ्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और प्रदौं का, जो उपन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया ही।

अनुस्ची

मकान नं. बी-21-622/11 का भाग को कि जनता नगर, गली नं. 2 तृषियाना में स्थित है। (अर्थात वह जायदाद को कि रिजर्द्ध कर्ता अधिकारी, ल्धियाना के विज्ञेख संख्या 7269 माह अगस्त, 1985 को तहत दुर्ज हैं)

जोगिन्द्र मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऊर्जन रॉज, न्षियाना

सारीखः 9-4-1986

मोहर 🎨

प्रकृत आहे . हो . युग , कुत् , 20020022222

अध्यकर निधानियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ण (1) के नधीन सूचना

भारत तहुनार

कार्याक्रम, सहायक जामकर जाम्कत (निरोक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, ल्धियाना ल्डियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निवर्षा सं. लूधियाना/286/85-86:——अतः म्फे, जोगिन्द्र सिंह, जाबिन्द्र सिंह, जाबिन्द्र सिंह, जाबिन्द्र निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथाव 'उनत अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उनित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से जिमक हैं
और जिसकी सं. मकान नं. बी-21-622/11 का भाग हैं
तथा जो गली नं 2, जनता नगर, लूधियाना में स्थित हैं
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण विर्णत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान
बिताक के जिए जंबरित की गई है और मुके यह विश्वाद
करने का कारण है कि मजापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार
पूल्म, उसके रश्यमान गृतिकल से, एसे दश्यमान प्रसिक्त का
बन्दह गितकत से निषक हैं और बंतरक (वंतन्कों) और बंतरिती
(वंतिशितिकों) के बीच ऐसे बंतरण के निए उप पात्र) गया प्रतिक
क्व निम्नितिकों विद्यादित से दश्य बंदहण विविध में वास्तिकक
क्व कि मिन्निविध उद्वर्षिय से दश्य बंदहण विविध में वास्तिकक
क्व के कियत वहीं किया पत्रा है हैं—

- (क) अनुवारण से हुइ किसी जाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक के वासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन रा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिपाने में स्विधा के जिए;

जरः अब, उसत अधिनियम की धारा 259-ग के अनुसरण में, भें, उसत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधार (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्री कथेल कृष्ण पृत्र श्री शिव चन्द निवासी बी-21-6,22/11, अनता नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरोन्द्र सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी कैलाश नगर, 442, गगनदीप कालोनी, लुधियाना।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कड़के पूर्वोक्त कम्प्रीत्त के वर्षन के किए कार्यनाहियां करता हो।

उजर सम्मरित के सर्वन के संबंध में कोई भी आसोप :---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुषना की तासील से 30 दिन की जबधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनस ची

मकान नं. बी-21-622/11 का भाग जो कि जनता नगर, गली नं. 2 लुधियाना में स्थित है। (अर्थात वह जायवाद जो कि रिजर्स किता अधिकारी, लुधियाना के जिलेख संख्या 7301 माह अगस्त, 1985 के तहत वर्ष है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षान प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लूधियाना

तारीख : 9-4-1986

प्ररूप बार्ड. डी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीम सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्घ्यक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लूधियाना लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्दोश सं. लुधियाना/290/85-86:---अतः मुभ्ते, जोगिन्द्र सिंह,

बाक्का विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों क्या प्रवाद 'उसद अभिनियम' कहा रवा ही), की वारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवाद करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. बी-21-622/11 का भाग है तथा जो गली नं 2, जनता नगर, लूधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से क्या के क्यामान अतिफान को लिए अन्तिरित् की गई कि स्थामूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाता गया प्रतिफान निम्नीसिक्त उव्वोच्य से उक्का जन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से किंग्न नहीं किया नया है कु-

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की नावत, उनत अधिनियम के अधीव कर दों के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बजने में सूबिधा के सिक्ष: केड/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या कन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अवोचनार्थ कक्तरिती इवारा प्रकृष नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री शिव चन्य निवासी बी-21-022/11, अनता नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कार परिन श्री रमेन्द्र सिंह कैलाश नगर, 442, गगनदीप कालानी, लूधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्थन के लिये कार्यसाहियां सुक करता हूं।

उक्त संपृत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस त्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य स्थीक्त व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरण : इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं सूर्य होगा को उस अध्याय में दिना क्या हैं.।

धनुसूची

मकान ने बी-21-622/11 का भाग जो कि जनता नगर, गली नं 2 लुधियाना में स्थित है। (अर्थात वह आयदाव जो कि रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, लूधियाना के विलेख संख्या। 8078 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं)

ंगोंगिन्द्र सिंह सक्षा प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज, ल्घियाना

तारीख : 9-4-1986

प्रकार भार्च . डी. एम . एस . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निराक्षिण)

अर्जन र ज , आयकर भवन , लुधियाना

लुधियाना, विनांक 9 अप्रैल 1986

निवर्षा सं. चंडी/129/85-86:--अतः म्फे, ज्रोगिन्य सिंह.

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 100, है तथा जो सैक्टर 23ए चंडिंगिक में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वकान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का बल्क्स प्रतिकृत से आथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निकासित उद्देश्य से उवत अंतरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-भिष्य के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में क्रमी करने या उत्तसे मचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बस्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि नियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंधरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिजाने में सुनिधा के लिए;

(1) कीपटन थी. को. महिता तथा श्रीमिति अनुपम महिता, निवासी मकान नं. 70 सैक्टर 8ए, चंडीगढ़। (अन्तरक)

(2) मास्टर रुपिन्द्रपाल सिंह द्वारा उसकी गार्डियन श्रीमित कमल, 6/ए-3, हाउन्नसिंग बोर्ड कालोनी, जास्, शिमला।

(अन्तरि**ती**)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध नाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त निध-नियम, के निथाय 20-क में परिभावित है, वहीं नर्थ होंगा जो एक क्थाय में दिया गवा है।

मनसभी

प्लाट नं. 100 संकटर 23ए, घंडीगढ़ (अर्थात वह जायबाब पो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के यिलेख संख्या 701 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, ल्थियाना

असः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१), बी अधीन, विकासिक क्रिकामों, कर्का ३- ।

त्रारीख: 9-4-1986

प्रस्तः, भाषां, टी. एम् एस्..........

जावकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्थेना

मार्य बरका

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निर्दाक्त)

अर्जन राज, आयकर भवन, लूधियाना लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निवर्षेश सं. चंडी/108/85-86:--अतः मुक्ते, गिगन्द्र सिंह,

ावकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 3321 ही तथा जो सैक्टर 27डी चंडीगढ़ में स्थित ही

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दरवान शितफल को सिए बन्तरित की नहीं हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त बम्मीत का विचित्र वाचार शृत्य, उसके दरवान प्रतिफल से, एसे दरवमान प्रतिफल का वन्तद प्रतिकार से लिथक ही और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिए तब पावा अतिफल, निम्नतिस्थित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण जिस्ति के पास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी भन या जन्म अतिस्तरों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सरदूल सिंह विलखू पुत्र श्री लाल सिंह मकान नं. 235 सैक्टर 19ए चंडीगढ़ ब्वारा उनकी अनरल अटानी श्रीमित सीला देवी पत्नि श्री दलीप सिंह निधासी मकान नं. 3264 सैक्टर 27डी चंडीगढ़।

(अंतरक)

(2) श्री दलीप सिंह पुत्र श्री सावनमल, निवासी मकान नं. 3321 सैक्टर 27की चंडीगढ़। (अंतरिती)

को नह नुषना बाड़ी सहस्त्रे पूर्वोक्त सम्मत्ति से अर्थन से जिए कार्यवाहिनां सुरक्त करता हुई।

उक्त बन्धति के बर्धन के बंबंध में कोई भी बाबोप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराह
- (क) इत स्वना के स्वपन में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सक्त जीभीनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याव में दिशा गया है।

अन<u>ु</u>सूची

मकान नं. 3321 सैक्टर 27डी चंडीगढ़ (अर्थात वह जायदाद् जो कि रिजस्ट्रीकर्शा अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 572 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं)

> जॉगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, लुधियाना

तारीख: 9-4-1986

मांहर :

प्रकम बाह्य . टी. एथ. एस.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को सभीन सूचना

बारव बरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र¹ज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निवर्षेक्षः सं. चंडी/111/85-86:—अतः मुभ्ते, जागिन्द्रः सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मूक्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

अरि जिसकी सं. मकान नं. 3102 है तथा जो सैक्टर 22 डी चंडीगढ़ में स्थित है

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लिधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85

की पूर्णोक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार ब्रुच्य से कम के क्षत्रभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एते स्वयमान प्रतिफल का गंबह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय शवा नया प्रतिफल, निम्निसित उद्विध्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरम वे हुई किसी जाम की बाल्स, उक्त अधिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविचा के सिद्; बीड्√वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जीभनिवस. 1922 (1922 का 11) या अक्त जीभनियस, या भनकर विभिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया अन्तरित खाड़िए था, कियाने में सुविधा के विद्राः

नतः अन्न, अन्त भाभिनयम, की भारा 269-ग के नतृतरण के में उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निक्तिशिक्षत व्यक्तियों, वर्षात् क्र----

- (1) श्रीमिति सोना दोवी पित्न श्री राम कामार निवासी मकान नं. 3102 सैक्टर 22 डी खंडीगढ़। (अंतरक)
- (2) श्री गुरिबन्द्र सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी एस. एल.-5, आनन्द विहार, जेल रोंड, दिल्ली-64।

(अंसरिती)

की मृत् प्राचन अस्ति कराने पृथीनक सन्तिक से सर्वन से निम् कार्वनाहियां अञ्चल क्ष्मी

उपरा बन्गीरा के वर्षन के संबंध में कोई थी बाधोप हं---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की ताड़ीस से 45 किए की स्वीद ना प्रकाशनकी कांत्रियां है का स्थान की तारीस से 30 दिन की स्वीद , को की कारिय नाय में स्थान्त होती हो, के शीतर पृष्णिक अक्तिसरों में से सिक्सी स्थान्त ह्वाहा;
- [क] इस प्यान है हायून भे मुख्यान की तार्ष है 45 दिश के जीवर उनद स्थावर सम्पत्ति में दित्यकृष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास निविध में किए वा सकेंपे।

स्थळीकरणः—-इतमें प्रयुक्त सकते और पश्चेका, को सकत अधिन्यम, के सभ्याय 20-क में प्रिशादित हैं। वहीं वर्ष होता और उन्न स्थाय में क्रिया भवा हैं।

वन्युची

मकान नं. 3102 सैक्टर 22 डी चंडीगढ़ (अर्थात जायदाद को कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 580 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज g^2)

आंगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, लुधियाना

तारी**व**ः 9-4-1986

मुक्त नार्व ,दी ,दन ,दन ,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बनीन क्षा

भारत सरकार

कार्यानय, सञ्चायक मायकार भागुनत (निरीक्षण)

अर्थन रंज, आयकर भवन, लूभियाना लुभियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्दोश सं. खरड़/43/85-86:--अतः मूक्ते,

जोगिन्द्र सिंह,

वायकर स्थिनितम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं स्वर्धं इसके परवात् 'उनत विधिनवम' अक् नका हैं), की राज़ 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारों को वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, विश्वका क्षित्रं वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गरिजिसकी सं मकान नं 50 है तथा जो फोज 3-बी-।

मोहाली तहसील खरड में स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85

को वृशेंकत तम्बित के अवित नाबार मृत्य के कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त तक्योंता का कीवत वाकार मृत्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिक्षम के पत्कह प्रतिवात के अधिक है और अंतरक (जंतरकों) भीर जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरभ के लिए तब पाया गया/प्रतिफल, निम्नितिवित व्यवस्य से जकत बन्तरम विविद्य में नास्त्रीयक कप से क्रियट नहीं किया गया है:---

- (क) नश्यरण वे हुई किवीं भाग की पालया, क्यल विभिन्न के वृत्तीय कुत को के कृत्यरक के वायित्य में कभी करने वा उत्तसे वजने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाब वा किसी थन वा बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा अन्त अधिनियम, या धम-कार विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुनारा प्रकृष्ट नहीं किया गरा बा वा किया बाना बाहिए था, क्रियाने में सुनिया के किए;

- (1) श्रीमित जसबीर कौर परिन श्री सुरोन्द्र सिंह निवासी मकान नं. 48 सैक्टर 23ए चंडीगढ़ वतौर जी.पी.ए. श्री रतन सिंह पुत्र श्री रज्डा राम, निवासी मकान नं. 213 सैक्टर 15 ए चंडीगढ़। (अंतरक)
- (2) श्री नरोन्द्र सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह, निवासी भकान नं. 213 सैक्टर 15 ए चंडीगढ़। (अंतरिती)

की यह सुचना कारी करकें पृथीकत कुम्मृतित् के वर्षम् वे जिए कार्यशाहिमां करता हूं।

बाबद बंदरित के वर्षन के बंदंप में काई भी नाबंद उ---

- (क) इस स्पा के राजपत में प्रकाशन की शारीय वं 45 दिया की सर्वाभ ना त्रसंबंधी व्यक्तियों पर भूषण की शारील से 30 दिन् की सर्वाभ, वो भी संबंधि बाद में समस्य होती हो, के गीतर प्रवेचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 बिन के भीतर उन्नत स्थावर संपत्ति में हितबबूध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा नपोहस्तानरी के पास निर्देश में किस वा सकींगे।

स्वच्यां करण्यः — इसमें प्रयुक्त वर्णां और वर्षां का, को व्यव्य निभिनियम के अभ्याम 20-कं में परि गीयतः है, नहीं वर्ष होगां को उस नभ्यान में दिका क्या है।

मकान नं. 50, फोज 3बी-।, मोहाली तहसील खरड़ (अर्थात वह जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 2788 माह अगस्त, 1985 के तहत वर्ज हैं)

जॉगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986

प्ररूप बाहा. टी. एन. एस.-----

चायकड विभिनियमं, 1961 (1961 क 43) की भारा 269-व (1) के वभीत स्थाना

मारव व्रक्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, आयकर भवन, ल्धियाना ल्डियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निदर्भेश मं. चंडी/127/85-86:—अतः म्भे, जोगिन्द्र सिंह,

धायकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान नं 1722 है तथा जो सैक्टर 34 डी चंडीगढ़ में स्थित है

(और इससं उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 85

को प्रेमिश्त सम्मिति के उचित बाधार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिक के निए संतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल में, एसे स्थमान प्रतिफल का पेंद्र प्रतिशत से किथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उच्चक्य से उक्त अन्तरक लिकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस. उपल जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करमें या उससं अवने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी बांव में किसी वन वा अन्य जास्तियों की, जिन्हें जारताय जायक र अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिप्रधा वे सिक्ट;

अतः वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सरजीत सिंह पुत्र श्री मित्र सिंह ब्वारा उनकी जनरल अटानी श्री गृरिवयाल सिंह ढिल्लो पुत्र श्री केंहर सिंह नियासी मकान नं 1722 सैक्टर 34 डी चंडीगढ़।
 - (अंतरक)

(2) श्रीमती जोगिन्द्र कौर कोहली परिल स्व. श्री सोहन सिंह कोहली निवासी 8ए, पाली हिलरोड, खर, बंबई।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवस्त;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुराजी

मकान नं . 1722 सैक्टर 34 डी चंडीगढ़। (अर्थात वह जाय-दाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 685 माह अगस्त, 1985 के सहत दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, लुधियाना

सारीख : 9-4-1986

प्रकर, बार्च, टी. एन. एस.: -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

भायांजय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्स)

अर्जन रॉज, आयकर भवन, ल्थियाना ल्यामाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश मं. चंडी/109/85-86—
अतः मुभ्ते, जोगिन्द्र सिंह,
अत्यक्तर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सिक परवास् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भरा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वपस करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्छि आधार मृत्य
1.00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. मकानं नं. 1818 है तथा जो सैवटर 34 डो,
६डोगढ़ में स्थित हैं
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृष से विणित हैं)
रिपस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, चंडीगढ़ में, रीडस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन

तारील अगस्त, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्योंक्त संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एम रण्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तब पामा भग प्रतिफल, निम्निसिंख उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिलिक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुई किसी आग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीय कार योग के कस्तरक के दादित्य में कभी कारन वा उक्त वचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, पिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के योजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया कामा नाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री दवेन्द्र सिंह ग्रेयाल पुत्र श्री प्रजा सिंह ग्रेयाल निवासी मकान नं 149, डिफर्स कलोनी, जालन्धर। (अंतरक)
- श्री दलीप सिंह प्त्र श्री ग्रिंदत्त सिंह निवासी गांच तथा डाकसाना, नवांपिड दोनेवाल, जिला जालन्धर। अब मकान नं 1818 सैक्टर 34, चंडीगढ़।

(अंतरिती)

का यह स्वता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कामश्रीहमा **सूरू करता हूं।**

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों **१५** सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्**बेंक्त** व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पार लिश्वत में किए जा मकांगे।

स्थर्धः करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त बीधोनयम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ द्वांगा. जो जाम आध्याय में विकार नवा है।

अनुसुभी

मकान नं 1818 सैक्टर 34 डी चंडीगढ़ (अर्थात वह जयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलंख संस्था 574 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज ही

जोगिन्द्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीस : 9-4-1986

प्रकृष् वार्यं स्टें हों। तुन् हुन् हुन साम मान

बायफाउ गणिनियम, 1961 (1961 कर 43) की पाछा 269-प (1) में गणीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्म, ब्रह्मिक शायकर मानुनता (निर्द्राक्तिण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लूधियाना लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निवंश सं. चंडी/131/85-86--अतः मुभ्रे, जोगिन्द्र सिंह, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भावकर अधिनियम, इसके पद्यमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,090/- रह. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. मकान नं. 1260 है तथा जो सैक्टर 8 सी चडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीस अगस्त, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य ४ कम को दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास का कारण है कि यजान्त्रोंक्य सम्पत्ति का प्रतित वाचार मुल्द,

प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए ते अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित ख्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

इसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त महिन्दित्व के स्पीक कर दोने के बन्दरक के खिला के कमी करने वा जन्ने वसने में श्रीन्था के चिए; महि/या
- (क) वेशी किसी बात वा किसी धन वा वस्त वास्तियों को, विनद्दं भाइतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै विवद्ध

का का जान कि पिनियम की धारा 269-म के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मिनियम व्यक्तियों, अर्थात् र—

- हा. तिलक राज सेठी पुत्र श्री बिज लाल सेठी निवासी लाड्वा कुरूक्षेत्र, हरियाणा।
 (अंतरक)
- श्रीमित जगदीश कार भिंडर पुत्री श्री श्री हजारा सिंह भिंडर, निवासी गांव जगराल, जिला जालन्थर।
 (अंतरितौ)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त क्रमति में नर्जन के सम्बन्ध में कहि भी बाक्रेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अविधि वा तत्स्वस्वरणी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वविधि, यो भी अविधि वाद वो समाप्त होती हो, यो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाराह
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा कभोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

मकान नं 1260 सैंक्टर 8 सी चंडीगढ़। (अर्थात वह जयदाद जो कि रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी चंडीगढ़ के विलेख संख्या 708 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986

प्रचल नार्ड हो . एन . एस . -----

भागकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रंज, आयकर भवन, लूधियाना लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निदोश सं. वंडी/125/85-86-अत: म्भे, जोरिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य
1,00,000 रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. मंकान नं. 1599 है तथा जो सैक्टर 18 डी
वंडीगढ़ में स्थित हैं
(और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन
तारीख अगस्त, 1985

को प्नेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी क्या या किसी भन या अव्य आस्तिकों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

बहः बच, उचत अधिनियम की धारा 269-व के जन्दरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री दलजीत सिंह चीमा पुत्र श्री बहादार सिंह निवासी मकान नं. 1599 सैक्टर 18-डी चडीगढ़ (अंतरक)
- 2. श्री तेजा सिंह पुत्र श्री मेला सिंह तथा श्रीमित सम्पूर्ण कारे परिल श्री तेजा सिंह तथा श्री दर्लावन्द्र सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह सभी द्वारा उनकी जनरल अटानी श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी मकाने नं 1085 सैक्टर 8 सी अंडीगढ़ तथा श्रीमित जसबीर कारे पुत्री श्री तेजा सिंह निवासी मकान नं 1085 सैक्टर 8 सी अंडीगढ़ अब मकान नं 1599 सैक्टर 18 डी अंडीगढ़ (अंतरिती)

का यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त कन्यति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थब्दिशिकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा ही।

क्रूची

मकान नं. 1599 सैक्टर 18 डी चंडीगढ़ (अभीश बह जयदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 668 माह अगेस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं)

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, लुधियाना

तारीब : 9-4-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, आयकर भवन, ल्भियाना ल्भियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निदेश संःृखरड़/ू46/85-86---

अतः मुभ्हे, जांगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 342 है तथा फेंज 3बी-आई मोहाली तहसील

सराज में स्थित है।

(और इससे उपावद्ध अनुसूची मीं और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिप्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ मा, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दश्यमान जीतिकल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह शिवात में अिंग्य है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बच्च एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के ज़िए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए:

श्रत: इ.स., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इंस्मान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स्—— 1. श्री चितन्द्र कुमार पृत्र श्री जे. एस. सिंगारी निवासी मकान नं. 720 सैक्टर 22 ए चंडीगढ़ बतौर अटानी श्रीमित सनेह प्रभा विधवा स्व. ओम प्रकाश धर्मा निवासी मकान नं. 720 सैक्टर 22 ए. चंडीगढ़।

(अंतरक)

 श्री हरचरण सिंह हंसपाल पुत्र स्व. श्री इर्जर सिंह हासपाल निवासी मकान नं. 548 फेंज 2 मोहाली तहसील खरड़। अत मकान नं. 342 फेंज 3बी-। मोहाली तहसील खरड़।

(अंसरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृंबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित कैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ाहै।

अनुस्ची

मकान नं. 342 फोज 3बी-आई मोहाली तहसील खरड़ भें स्थित है। (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख संस्था 2964 माह अंगस्त 1985 के तहत दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986

प्रारूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजः, आयकर भवनः, ल्घियाना ल्पियानाः, दिनांकः 11 अप्रौनः 1986

निदश सं. खरड़/42/85-86--अत: मुभ्ने, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 3012 है तथा जो फेज VUमोहाली तहसील खरy में स्थित है

(और इससे उपावद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी को कार्याक्य, खरण मो, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को आधीन

तारील अगस्त, 1985
को मुनेंजित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान शिक्षक। के लिए बन्तरित की गई है बीर मृम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, अबके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृष्यमान प्रतिकृत से, एसे दृष्यमान प्रतिकृत का पन्तह प्रतिकृत से बिभक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-क्ष्य, विश्वसित्य सदुष्ये वे वन्त्य स्थारण दिव्य वे वास्य-विक स्थारी की विद्या वाही है ——

- (क) बन्तहरू वं हुई कियी बाव की वावछ, अक्ट वीधिव्यक् के बचीन कर वने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिः है किए; बार/या
- (वा) इसी किसी आय वा किसी अन वा अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या शाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के े शोधनार्थ अन्दिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियभ की धारा 269-लंको अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) को अक्रीक, निम्नलिखित व्यक्तिरयों, अधितृ हे—— श्री सितन्द्र खैरा पुत्र श्री मनोहर लाल खैरा तथा श्रीमती कृष्णा खैरा पित्न श्री सितन्द्र खैरा पी-156-बी रोलवे कालोनी कालकां जिला अंबाला।

(अंतरक)

सर्वश्री रिवन्द्रशाल सिंह, अमर तेज सिंह तथा
 श्री गुरप्रीत सिंह, पुत्रान् श्री वरियाम सिंह लांबा
 निवासी ई-28, बाली नगर, नई दोहली-15
 (अंतरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्वकाहियां करता हूं।

उपत सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🌬

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विकृष्णी जबींच वा तत्त्राम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की जबिंध, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी स्थानत स्वाधाः
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 किन को शीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म स्थावित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को शाद सिश्चित में किए था सकोंगे।

अनुसूची

मकान नं 3012 फेंज 7 मोहाली तहसील खरड़। (अर्थात वह जयवाद जो कि रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 2674 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज ही।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज , लुधियाना

तारीस : 11-4-1986

शुक्क बाह्र . ट\ . एन . एस . ------

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

rizd ätekii

भार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, आयकर भवन, ल्धियाना ल्धियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निवश सं चंडी/130/85-86---अतः मुभ्ने, जॉगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वं इसमें इसके परवात् 'उनत निधिनियम' कहा थया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विस्तास करने का कारण है कि स्वावर सम्मित्त, वितका उचित् वाकार मृख्यं 1,00,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस सी एफ नं. 328, है तथा जो मोटर मार्केट, कमिर्फियल कंपलैंक्स, मनीमाजरा यू.टी. चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन सारीस अगस्त, 1985

क्षे प्रांधित सम्पत्ति के उपित नामार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का सारण है कि यमाप्योंक सम्पत्ति का उपित नामार म्ह्या, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का नवह प्रतिकल में मिथक है और अंतरक (अंतरकार) भौर अंतरिती (अन्तरिती तो) के नीम एसे अन्तरण से मिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निसित समुद्देश से उसके बंतरण कि सित में नास्तिक क्षेत्र से सम्प्रति के सित नहीं किया स्था है कि

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत, उक्त विविद्यंत्र के ज्यीय कर दोने के बन्तरक के वावित्य में कमी करने वा उससे स्थने में सुविधा के लिए; बरि/वा
- (का) एतेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विभा के सिए;

 मैंसर्ज जगजीत सिंह एण्ड सन्ज द्वारा श्री जगजीत सिंह प्त्र श्री मूल सिंह निवासी मकान नं. 17 सैंक्टर 2ए चंडीगढ़ अपने लिए तथा बतौर कानूनी सपैशल अटानी सर्वश्री वरन्द्रपाल सिंह, भूपिन्द्र सिंह, स्रेन्द्रपाल सिंह तथा गूरेन्द्रपाल सिंह निवासी मकान नं. 17 सैंक्टर 27ए चंडीगढ़।

(अंतरक)

 सर्वश्री हरजीत सिंह, हरदीप सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह, निवासी 3227 सैक्टर 15 डी, चंडिंगिढ़। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एसः सी एफ साईट नं 328, मीटर मार्केट कमिशियल कंपलैक्स मनीमाजरा यू. टी. चंडीगढ़ (अथात् वह जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 702 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

बतः श्रव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुस्ररण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीय निम्मलिरिखट व्यक्तियों, अधीद :—

तारीख : 9-4-1986

मुक्त अस्ति हो, पूर्व, पृष्ठ, क्लान्य

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के सभीन सुचना

नारत वस्कार

कार्यान्य, सहायक नायकह बाव्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, ल्धियाना

ल्धियाना, विनांक 9 अप्रैल 1986

निर्वोषा सं. चंडी/122/85-86— अतः सुभ्ते, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वाद् 'उन्द अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. मकान नं. 75 ही तथा जो सैक्टर 16ए चंडीगढ़ में स्थित ही

(और इससे उपावव्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारील अगस्त, 1985

को पूर्णेया सम्मिति के उचित नाजार मूल्य से कान के सरमान प्रतिस्थल को तिए अन्तरित की गई हैं जॉर मूक्ते यह निश्चास करने का कारण है कि यमापूर्णेया सम्मित को उचित नाजार मूल्य, उसके सरमान प्रतिस्थल से, एवे स्थानन प्रतिस्थल का पंत्रह प्रतिस्थत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) की संवीच एसे अंतरण के सिस् तब पासा गया प्रतिस्थल, निम्मिसिक उद्देश्य से उसत अन्तरण सिन्ति है वोस्तिक रूप में कीमत नहीं किया गया है ॥—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त बिधिन्दन के स्थीन कर दोने के बंदरक के शिवरण में कामी करने या उससे बचने में सुविधा क्रो गित्ए; कॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रचट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा को लिए;

बर्णः बद, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण के विमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) भे विधीतः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—— 13—46GI/86 श्रीमित ज्ञान बंबी पित्न स्व. श्री आर. एल. रावल.
 श्री योगेन्द्र कुमार रावल, श्री नेरोन्द्र कुमार रावल प्त्रान श्री आर. एल. रावल निवासी मकान नं. 75 सीक्टर 16 ए. चंडीगढ़।

(अंतरक)

2. श्री महोन्द्र सिंह गिल प्त्र श्री करतार सिंह गिल मकान नं: 1606 सैंक्टर 18 डी, चंडोगढ़। (अंतरिती)

को वह स्ववा चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां कुक करता हूं।

उक्क सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिव की बनीभ या उफ्डान्सप्थी व्यक्तियों पर
 नूचना की वानीच वे 30 दिन की संपर्धि, को भी
 जनवित राज में समाध्य होकी हो, के भीतर प्रवेषित
 व्यक्तियाँ में वे शिक्षी व्यक्तिक पुरुषक;
- (व) इंस स्मान के रायपण में प्रकाशन की तारीब के 45 विश्व के मीनर उनक स्थावर कलायि में दिस-सूध किसी व्यक्तिस क्यारा, मधाइस्तावरी के शक्त जिस्ता में किए वा बकेंगे।

स्वक्रतीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कर्न्दों सौर वदों का, को उस्क्ष जीपनियम को जध्याय 20-क में वरिभाषिक है, वहीं जर्म होगा, जो उस अध्याव सें दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 75 सैक्टर 16 ए चंडीगढ़। (अर्थात वह जयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 659 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं)

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र^नज, लूपियाना

तारीख : 9-4-1986

प्रभा साम् वा अप दक्ष वान्याना

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुचमा

भारत तरकार

कार्याक्षव, सहायक बायकर नायुक्त (निर्याक्षक)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लूधियाना लूधियाना, विनोंक 9 अप्रैल 1986

निदश सं: चंडी/126/85-86--

अतः भूझे जोगिन्द्र सिह,

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने की कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मून्य 1,00,000 रु. से अधिक ही

और जिसकी सः मकान नं 2037 है तथा जो सैक्टर 21 सी चंडीगढ़ में स्थित है

(और इसमे उपावद्धे अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख अगस्त, 1985

क्षं पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं है जार मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृवेंक्त संपत्ति का उचित बाबार प्रवा, उथके स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का प्रवाह प्रवाह का प्रवाह विश्वास अधिक है जार जन्तरक (जन्तरकों) जोर जन्तरिती (जन्तरितियों) के जीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्निलिति उद्विष्य से उक्त जन्तरण निविद्य में जन्तरिक कुण से कथित नहीं किया क्या है दु—

- (क) नत्तर्य से हुई किसी बाय की बायद, उन्द अधिनियम् में अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सहि/का
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयो भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में गीडिया के सिए;

बद: बंब, जनत विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अभिनियम की धारा 269-घ की उपध्या (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री शांति स्वरूप शर्मा पुत्र श्री छज्जू राम निवासी मकान नं: 2037 सैक्टर 21 सी चंडीगढ़। (अंतरक)
- श्रीमती बलजीत काँर पत्नी श्री गृरचंरन सिंह । निवासी मकान नंः 2037 सैंक्टर 21 सी चंडीगढ़। (अंसरिती)

को वह सुबमा बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां कुरु करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप 🌆

- (क) इस स्वमा के राजपन में प्रकाबन की तारीय से 45 विव की जबरिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्रुवा की दामील से 30 विन की वविध, जो भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षिय व्यक्ति की से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (क) इस सुमान के राजपन मं प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिसकित में किए का सकेंगे।

स्वष्यः किरणः स्वयं प्रयुक्त बच्चां और पवां का वो उक्त विधिनिवसं, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहरें कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिसा यथा हैं.

अन्स्ची

मकान नं. 2037 सैक्टर 21 सी. चंडीगढ़। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 677 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, लृधियाना

तारीस : 9-4-1986

प्रक्ष आहें,टी. एम. एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-थ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षक) अर्जन रंज, आयकर भवन, लूधियाना लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निवश सं. चंडी/133/85-86--

अतः मुभ्ते, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिससकी सं मकान न 166 का 1/5 खाग वै तथा जो

अर्ौर जिससकी सं. मकान नं. 166 का 1/5 चाग है तथा जो सैक्टर 7 सी चंडीगढ़ में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन

तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिन्त बाजार मृत्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्रत का पन्तह प्रतिक्रत के पन्तरिक का पन्तह प्रतिक्रत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाता क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयक्टर अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक को बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ऑर/या
- (च) एसी किसी जाग या किसी भून या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा को तिए;

अतः जय, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के आधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसीं, अर्थात्:—

- श्रीमित माम कारे विधवा स्व. श्री कर्म सिंह निवासी मकान नं. 3309 सैक्टर 40 डी चंडीगढ़। (अंतरक)
- श्री सुरमुख सिंह पूत्र श्री हजारा सिंह,
 निवासी मकान नं 1584 सैक्टर 18 डी, चंडीगढ़।
 (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के शर्जन 👟 ६सए कार्यकाहियां करता हूं।

उनका सम्बद्धि को नर्जन की संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, धरें भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिक द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के राम विविक्त में किए जा सकेंगे।

स्पञ्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

मकान नं. 2037 सैक्टर 21 सी. घंडीगढ़। (अर्थात् वह (अर्थात वह जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी,, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 711 माह अगस्त, 1985 के तहत वर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, लूपियाना

तारी**ख** : 9-4-1986

भाषकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक नायकर नायकर (निरीक्षण) अर्जन रॉज, आयकर भवन, लूधियाना लूधियाना,दिनांक 11 अप्रैल 1986

निवाश सं. पंटियाला/11/85-86--अतः मुक्ते, जॉगिन्द्र सिंह,

बावकर गिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया हैं), की चारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्यत्ति, जिसका उणित बाबार मृत्व 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 17, है तथा जो निहाल गाग पटियाला में स्थित है

घंडीगढ़ में स्थित हैं।

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) राजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन भारीस अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान क लिए बन्तिरत गद्द हैं प्रतिफल को मौर मुभौ यह विश्वास करन का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उथुव रेग से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं कियागयाहैं:---

- श्रृंक निराण से हुई कियी बाय की बाबस, सक्ष्य विधित्यम् के स्थीन कर बाने की सतरक के दासित्य में कामी कारते या उससे नवर्तम स्थानकः के निए, अर्थिशः
- ्ष) बोधी किसी बाव वा किसी भन या बन्य बारिस्वा को, बिन्हें भारतीय बावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के विद्धः

वतः वतः उक्त अभिनियम की धारा 269-च की, अनुसद्भ कें, की, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिचित आक्तियों, वर्षात् ह—

- श्रीमित संतोष धालीवाल पिल सरदार मोहिन्द्र सिंह धालीवाल निवासी निहाल बाग पटियाला (अंतरक)
- 2. श्री सूरजीत सिंह पुत्र श्री वलीप सिंह निवासी गांवं लक्खा तहसील जगरों जिला लूधियाना (अंतरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

हक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ५---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वान की तामील से 30 दिन की ज़ब्धि, को और क्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्थान के एकपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूच किसी बन्ध स्थावत व्याप अभोहस्ताकारों के पाव सिवित में किए का सकेंगे।

हम्बाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो स्वयं विधीनयम, के बध्याय 20-क में परिभाजिद ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

भनुसूची

प्लाट नं. 17, ससरा नं. 164 निहाल बाग पटियाला (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के विलेख संख्या नं. 3203 माह अगस्त 1985 के तहत दर्ज हैं।

जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर (निरीक्षण) अर्जन रोज, सूधियाना

त्रारीख: 11-4-198**%**

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारत 269-व के अधीन सूचना

भारत सुरकार

काकत्तर, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना ल्धियाना, दिगांक 9 अप्रैल 1986

निवर्षा सं नाभा/3/85-86--अतः मूभ्कं,

जोगिन्द्र सिंह, क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जि**र्स इसर्ने** इसके परचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विल्लास कस्ने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचिक वाकार मुख्य 1.,00,000/~ रा. से अधिक ही और जिसकी सं भूमि 137 करोल, 19 मरला है, तथा जो गांव अलीपर, तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबवंश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1985

को पर्वोक्स सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य वे कम के अस्पनान प्रसिक्त के सिए श्रन्तरित की नाई है और सूत्र अब्हिनकास करने का कारण है कि वधार्थ्योक्त सम्बन्ति का उपितः वाचार भूल्य, जरूके बश्यमान प्रतिकत से एोडे व्यवमान प्रतिकास का पेंद्रह प्रतिकात से अभिक ही और जंतरक (संतरक) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के सिए तय पाना गया प्रतिफल निम्मसिखिक उद्यवेश्य से उपल वन्दरण जि**दिहा है** भारतीयक रूप से कथित नहीं किया गया 🥊 🖫

- (क) अन्तरण से हुई किसी इत्य की बाबत उक्त अभि-निवम को अधीन कर दोने को अंबरक को बाबित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविभा के लिए; भौर/गा
- (स) ऐसी किसी आब वा किसी धन वा बन्य कारियां को जिन्ह भारतीर व्यवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभनियम, या भन-कर निभनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विज्या गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में हरीवधा के लिए:

अन्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

- 1. सर्वश्री सरन्द्र कमार, विनोद कमार, कुमार पुत्रान् श्री वजीर चन्त्व, निवासी गांव अलीपुर, तहसील नाभा। (अन्तरक)
- 2. श्री प्यारा सिंह पृत्र श्री निहाल सिंह, सर्वश्री जगदीश सिंह, अजीत सिंह प्रान् श्री प्यारा सिंह, श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह, सर्वश्री गुरदित्त सिंह, सुखद व सिंह, गुरमेल सिह, करनैल सिंह, हरदेव सिंह पुत्रान् श्री इन्द्र सिंह, निवासी गांव अलीपूर, तहसील नाभा।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकातन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्त्तम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षा की शामील से 30 दिन की बर्वाध, जो भी अवाभ बाद मा समान्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस स्चना के राजापत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किंग के थीवर उक्त स्थावर उज्योत में हिद्यक्र्य विक्रमी जन्म व्यक्तिसम्बारा वशोङ्ख्याक्षेपी को पास लिनिकामें विकार का सकीं ने।

स्पच्छित्रस्थः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, निधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, नहीं अर्थ होगर जो उस अभ्याय में दिवा नमा है।

अन्स्ची

भूमि 137 कनाल, 19 मरला जो कि गांव अलीपर, तहसील नाभा में स्थित है। (अथित् वह जायदाव जो कि रैजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के विलंख संख्या 1911 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्जहै।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रॅज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, आयकर भवन, लुघियाना लुपियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निव^भश सं. लुधि./284ए./85-86--अतः मुभे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंबे इसर्वे इस्ते इ

और जिसकी संकोठी नं 6ए हैं, तथा जो सराभानगर, लुधियाना में स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची मं और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीस अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त बंपत्ति का उपित बाबार मूक्त से कम के अपनान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

सभापनंतित सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उत्तक्ते स्ववसान प्रतिकत्त से, हुने स्वयमान प्रतिकत्त का पंत्रह प्रतिकत से मिर्फिक हो और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच कृते अन्तरण के तिस् तब पाया गया प्रतिकत्त, निम्नुतिचित् सब्देश से उक्त अन्तरण निवित में पास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है र——

- (क) जंतरण संहुइ किसी बाव की बावत, उक्त विभिन्तिय के अभीन कर दोने के जन्तरक की बाबित्य के अभी करने या उत्तबे बचने के सिविधा के सिव्धु व्यरि/वा
- (क) एंसी किसी आय वा किसी भन वा बन्य आस्तिनों की जिन्हों भारतीन नायकर गींभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जींभनयन, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना भाहिए था, खिमाने में सूविधा के लिए;

।सः बदः, उत्तर विधिनयम् कौ धारा 269-ग कै अनुवरण जै, उपरा विधिनयम् की धारा 269-व की उपधारा (1) ।धीन, निम्नतिषितं व्यक्तियों, अवस्य क्र--- श्री असवन्त सिंह उगी पुत्र सरवार नरन्जन सिंह उग्मी, लुधियाना, 105 वकलिउन्च स्ट्रीट, गलासगो यू. के. द्वारा श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, निवासी 670/20, गली नं. 7, प्रताप नगर, ल्पियाना।

(अन्तरक)

सरदार मेवा सिंह पुत्र सरकार जसवन्त सिंह,
 निवासी गांव वोनी, सहसील व जिला लुधियाना।
 (शन्तरिती)

को वह सूचना बारी कारके पूर्णेक्त श्रम्मीत्त से वर्षन से कि। कार्यवाहियां करता हो।

डक्त सम्मरित के नर्बन के संबंध में कोई भी आओप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 15 दिन की बरिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की सामीस से 30 दिन की जबिध, को भी श्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रवर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकती।

ज्याकीकरणः — इतमें प्रवृक्त कव्यां जीर पर्यो का जो वक्क अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्वाहै।

अन<u>ु</u>स्**ची**

काठी नं. 6ए, सराभा नगर, लुधियाना। अर्थात् वह जाय-दाद जो कि रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी, लुधियाना के विलेख संस्था नं. 7244 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज हैं।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेज, लुधियाना

त्रारीच : 11-4-1986

मोहर 🖫

प्रकृष बाह् त टी पूर्व एक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निर्दाक्षण) अर्जन रोज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

ं निवर्षेश सं. लुधि /288ए/85-86--अतः मुक्ते, जोगिन्द्र सिष्ट,

कावकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निरुवास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं 1/3 हिस्सा, मकान नं बी-XX 1144/4 है, तथा जो सराभा नगर, लूषियाना में स्थित है (और इसमें उपाबव्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूषियाना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख अगस्त, 1985

को प्रवेदित सम्पत्ति के उचित वाकार मूम्य से कम के क्षयमान प्रतिफल को लिए बंतरित को गई है और मुक्ते यह निश्नात करने का कारण है कि यथाप्रवेदित सम्पत्ति का उचित वाकार मूम्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिकात से विभिन्न हैं और नंतरक (जंतरकों) और वंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फन्न, मिन्निविद्य उपवेदिस से क्षयत कम्परण विभिन्न में मान्य-रिक क्या से कथित नहीं किया गया है ---

- हैं जो अन्यारण में हुई कि मीं नाम की नामत सम्बंधीय-नियम में मुमीन कर गोर्न में सम्बन्ध में सामित्य में कती करने ना सत्तने मानने में सुनिधा में विमे: सर्थ ना/
- (क) एंती किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, बिन्हों भारतीय बायकर की धनियब, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रश्लोफनार्य बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा की ब्रिक्ट;

सत. वय, उक्त सीर्धातयम की भारा 269-ग की, बनुसरम हो, ही, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1) है सभीत, निक्रमीनिक्टिंग क्यायतहों, कर्मत ह-~

- 1 थी मेवा सिंह प्त्र श्री जसवन्स सिंह, निवासी गांव बोनी, तहसील और जिला लूथियाना । (अन्तरक)
- श्रीमती क लवन्त कौर पित्न श्री हरभजन सिंह और श्री नरन्द्र सिंह पृत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी 2, हरपाल नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन को सिह् कार्यवाहियां करता हुं।

जनव सम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ;----

- (क) इस स्पना छै राषपत्र में प्रकाशन की तारीश हैं. 45 दिन की अनिथ या सस्यम्बन्धी व्यक्तियों एर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, यो बी अविध बाद में तमाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस स्वाग के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हित-वृष्य किसी बन्य व्यक्ति इवारा, जभोहस्ताक्षरी कें पास सिवित में किए वा सकोंगे।

त्वच्यीकरणः — इतमें प्रयुक्त कर्वा बीए पर्यों का, को अवस अभिनियम में अध्याय 20 के में परिभाषित हूँ, वहीं कर्व होता को जल अध्याय में विका यवा है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा मकान नं बी-XX-1144/4 सराभा नगर, ल्धियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, ल्धियाना के विलेख संख्या नं 7989 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्स सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986

सोहर:

प्रकथ बहर्षः टी. ध्न. एस. -----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मेपीन सुमना

भारत सहकात

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निवांश सं. पटियाला/10/85-86--अतः मुभ्ते, जोगिन्द्र सिंह,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवास् 'उक्त विभिनियम' कहा प्या हैं), की भारा 269-व को वभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिब्हा स्थावत बाबार भूल्य 1.00,000/- रा. से विभक्त है

और जिसकी सं. जमीनं 47 कनाल 1 मरला है, तथा जो हीरा गढ़ पटियाला में स्थित है

(और इससे उपाबद्। अन्स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्स सम्मिति के उचित बाबार म्ह्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्त सम्मित का उचित बाबार म्ह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे उश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिथक है और नन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच हो सन्तरण के लिए तम पाया गया इतिफल, गिम्मिनिचत उद्देश्य से उस्त कन्नरण निचित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया थवा है ३—

- (क) शतरण से हुई कियाँ बाय की बायत, अवक अधिनियम के बधीन कर दोने के अंशरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा ≪ लिए, और/शा
- (व) एंची किसी बाव वा किसी वव वा बन्य बास्तिकों का, जिन्हों भारतीय शावकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों इवारा प्रकट नहीं किया गया का बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः वरः, उक्त विकित्तियम की भारा 269-ए के वन्तरण वे, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) वे कमीतः, निस्तिवित व्यक्तिकाँ, बर्धांत कुन्न 1. श्री गारू राम पूत्र श्री पारू राम, निवासी पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री महर सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह और सर्वश्री मोहन सिंह, जसबीर सिंह पुत्रान् श्री गुरदयाल सिंह और सर्वश्री सूरिन्द्र सिंह, मोहिन्द्र सिंह पुत्रान् गुरचरन सिंह, निवासी हीरा गढ़, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हु।

वक्त बन्गरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तासीम वे 30 दिन की अवधि, वो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्स क्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इक स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के शीत्र उक्त स्थावर अम्पत्ति में हितवकुथ किश्वी कम्ब म्यक्ति क्षारा, क्षोहस्ताक्षरी के बार तिबित में किये का सकीये।

स्पब्दीकरण : इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त विधिन्त्र के नध्याय 20-क में पीटभाषित है, वही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिव। चना है।

अनुसूची

जमीन 47 कनाल, 1 मरला जो कि हीरा गढ़, पटियाला में स्थित है।

(अर्थात् वह जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख संस्था 3076 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज ही।)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986

प्रकृत कार्यं हो ,शुन , एव , भरतार भवतार भ

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के जभीन स्वना

शास्त्र क्ष्म्बर

कार्यासय्, सहायक वायकर बायुक्त (निरीधन)

अर्जन रंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निवर्ष सं. अ६-1/37-६६/7491/85-86--

व्यतः मृझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' बद्धा नया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 34, जो, 6ठी मंजिल, सुनिता इमारत, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है

श्मारत, कर्फ पर क, बम्बई -5 मा स्थित हु (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हु), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज़स्ट्री है,

तारीख 2-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से बाधक है और बंतरण के बिए तब पाना प्रया रिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के बिए तब पाना प्रया प्रतिकृत, निम्निसिचलु स्वयंद्रक से उच्ल बंतरण कि जित में बास्तिक रूप से की बृह्य मुद्दी किया जना है क्ष्म

- (क) अनेतरण से हुई किसी नाम आर्थ नामत, कमत अधि-नियम के नधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को चिन्हें भारतीय आवकर विधिनियम, 1922 (1922 का i1) या उक्त अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजधार्थ जंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिए;

बतः बवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ए के बनुसरण कों, भीं, धनत विधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के व्यक्तीए. निक्लीविक्त व्यक्तियों, वर्षात् "--- श्री किशोर एस. साव,
 श्री रोहित एस. साव और श्रीमती सरोज डी. साव।

ं (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीराम टी. शिवदासानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों।

्(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. अन्तरिती।

ं (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

समय सम्पन्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाबोद :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराज से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर स्वावर सम्बक्ति में हितबक्ध किशी कत्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिकित में किश् का सकेंगे।

अनुसूची

फ्लॅंट नं. 34, जो, 6ठी मंजिल, सूनिता इमारत, कफ परेड, बंभ्बई-5 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-1/37-ईई/7044(ए)/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-1, बम्बद्द

दिनांक : 2-4-1986

मोहर:

14--46GI/86

त्रक्षम् आर्थः स्टी. एष . एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत शरुका

कार्याभव, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बर्ड

बम्बह, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निदर्भा सं. अई-1/37-ईई/7628/85-86---अतः मुझे, निसार अहमव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. डीं $\sqrt{205}$, जो, 2री मंजिल, सिमला

हाउन्स, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित ही

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं). और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. क के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है,

तारील 14-8-1985

न्त्रे पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान लिए अन्तरित रतिफल की गड विष्वास करने का कारण है यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिचित उद्दुदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम ये हुई किसी यान की बाबरा, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा केलिए; और/या
- (फ) **ए'सी किसी र**ाजया किसी धन वा जस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर क्षीप्रनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता निधनियम, या धन-कर विधिनिम्स, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अम्तरिती दुधारा प्रकट नहीं किया गण भावाकिया जाना चाहिए था, किपाने में मेरिका के लिए;

कतः जब, उनतः अभिनियम को भारा 269-न के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🕏 वभीग, निम्नलिखित व्यक्तियें , उर्थांत्र :---

1. श्रीमृनिर ए. कल्यर्ट।

(अन्तरक)

2 श्रीहरेन्द्र डी. शहाऔर श्रीमती दिपीका एच . शहा।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निर् कार्यवाहियां करता हुई।

जनत संवति के वर्धन के संबंध में कोई वी बाजोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त न्यन्तियों में से किसी न्यन्ति इवारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिश्रित में फिए वा सकते।

श्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध द्वांगा को उस अध्यास में नवा है।

अन्सूची

फ्लंट नं डी/205, जो, 2री मंजिल, सिमला हाउन्स, नंपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूरी जैसाकी क. सं. अर्घ-1/37-**र्दा**/7174/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बाई द्वारा दिनांक 14-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अक्षमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बई

विनांक : 2-4-1986

मुख्य बार्च , दी , एवं , एस , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीत स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, विनांक 2 अप्रैल 1986

निर्दोश सं. अर्ड-1/37-इंड-7708/85-86—
अतः मूझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

भार जिसकी सं. फ्लैंट नं. 4, जो, जी-ब्लाक, त्रिवेणी इमारत, 66, शासकेश्वर रोड, बस्ताई-6 में स्थित **ह**ै

(और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो). और जिस्हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, के अधीन यंबर्ष स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिचिस्ट्री ही,

রার্শজ 22-8-1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति को जीवत बाजार मृत्य से कम के इक्यमान रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये बहु विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पादा गया प्रति-कल निम्नजिखित उद्दोष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक हम् से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण वे हुइ किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए भार/या
- (4) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः जव, उक्त जभिनियमं की भारा 269-व के अनुसरण , मैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) अभीन, निम्ननिधित व्यक्तिवर्षे, वर्षात् क्र-- श्री गोशर हिरजी विशासीया और श्रीमती हांसाबने जी. विंशारिया ।

(अन्तरक)

 श्री कान्जीभाई करमशी और श्री मोहनभाई नारनभाई।

(अन्तरिती)

का यह स्थान चारी करके पृश्येष्ठ सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

इसत सम्पारत के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगित्त में हिस-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवृत्ति में कियु वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लंट नं. 4, ब्लाक, जी, त्रिवणी इमारत, 2री मंजिल, 66, वालकेश्वर राडि, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाक्षी क. सं. अई-1/37-ईई/7251/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1986

भोहर:

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 2 अप्रैल 1986

_ निवास सं. अर्ड-1/37-इंडि/7820/85-86---

अतः मृझं, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 43, जो, 4थी मंजिल, केंडिया अपार्टमेन्ट, 29-एफ, डां्गरणी रोड, बालकेंखर, बम्बर्ड-6 में

स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं,

तारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री नविणचंद्र एस. भावसार।

(अन्तरक)

 श्री मेहेन्द्र जे शहा और श्री जयंतीलाल जे शहा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं. 43, जो 4थी मंजिल, कोजिया अपार्ट मेन्ट, 29-एफ, डांगरकी रोड, वालकेस्वर, बम्बर्ड-6 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-1/37-ईई/7358/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया।

> निसार अहमद सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) कर्जन रॉज-1, बस्बर्ड

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक : 2-4-1986

प्रकृत कार्युं, ही, वृत्र , एस , ------

बायबद्ध वृथिनिक्त, 1981 (1981 का 43) की बारा 269-व (1) के क्षीन क्कन

HIXE WAY

कार्यक्रक, शहायक कायक र कावृक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बर्द

बम्बर्स, दिनांक 2 अप्रैल 1986

. निव^{*}श सं. अर्ह-1/37-ईर्ह/7592/85-86---

अतः मुझे, निसार अहमद,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

1,00,000/ रि. स आवक ह और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 32, जो, 8वी मंजिल, गाइंड इमारस, 16, एल. डी. रूपारेल मार्ग, अम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बंदई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री हैं,

पारीख 9-8-1985

की पूर्वोक्त संपरित के जीवत बाजार मून्य से कन के स्थमान विश्वास के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि क्याप्कोक्त सम्मरित का उजित बाजार क्ष्म उसके स्वयमान प्रक्रिफत से, एसे स्थमान प्रतिफन का बक्स प्रतिकत से विश्व है और कन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक में मिए उन पाया गया प्रतिकत, विस्तीनिक एस से कथित नहीं किया गया है क—

- (क) बन्तरण से हुन्दं किसी बाय की पावतः, उक्त अभिनियम के बचीन कार दोने के बन्तरक से खीदरव में कृती करने वा उच्च व्यवने में सुविधा से सिए; बीट/या
- (क) देशी किसी बाथ वा किसी श्र या बत्य बास्तियों का, जिल्हों भारतीय जाय कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा प्रकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ वन्तरिति ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिष्;

ब्रहः बच, बच्छ विधित्तवन की भारा 269-व के क्यूब्र्स्य वें, वें, उक्त विधितियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वर्धन, निम्नसिविद्य व्यक्तिकों वर्धात् ३--- श्री आर. एस. स्कूबाला, सोली के स्कूबाला और श्रीमती हाली एस. स्कूबाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजय सुधा बी. तलवार।

(अन्तरिती)

अन्तरिती।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पित्ति है)

को बहु सूचना चारी करके प्वांक्त संपंत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काइ भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की जबीध में शत्सम्बन्धी स्विक्तयों पड़ सूचना की ताबील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से फिर्मी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य ध्यक्ति. द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दाका, का उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस "ध्याय में" विया गया हैं।

अनुस्**षी**

फ्लैट नं. 32, जो, 8वीं मंजिल, गाईंड इमारत, एम्पायर काईंड को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., 16, एल. डी. स्पारेल मार्ग, बम्बईं-6 में स्थित ही।

अन्सूची जैसािक क सं अई-1/37-ईई/7139/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रज-1, बम्बद्

दिनांक : 2-4-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बर्ह, दिनोंक 24 मार्च 1986

निक्रेंश सं अर्ह-1/37-ईई/7594/85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लॅंट नं. 6बी, जो, 6ठी मंजिल, आकाश गंगा, 89, भलाभाई देभाई रोड, बम्बई-26 में स्थित ही

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिशस्ट्री है,

तारोख 9-8-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्सि के उचित क्लार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंशरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंघीनयम के अभीन कर दोने के अंद्ररक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृक्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बव, उस्त बिमिनियम, की धारा 269-म के सन्सरक को, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री गौकतअली इ. फुरिनित्रेवाला और श्रीमती िकनत शौकतअली फुरिनित्रेवाला। (अन्तरक)
- श्रीमती महरू केकी गांधी और कुमारी कटी केकी गांधी।

(अन्तरिती)

अन्तरकों।
 (बह व्यक्ति, जिसको अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना आरो करके प्योंक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति से नर्जन के संबंध में कोई भी वाओर :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय। गया है।

अन्स्ची

फ्लंट नं. 6बी, जो, 6ठी मंजिल, आकाश गंगा, 89, भूला-भाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-1/37ईई/7149/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-1, बस्बर्ध

दिनांक : 2-4-1986

मोहर :

- ----

प्रक्ष बाह् .टी .एत .एस . ------

नायभर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) बम्बई,, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्दोश सं. अंर्ष-1/37-र्ष्याः/7576/85-86--अत: मभ्ते, निसार अहमद.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी फ्लैंट नं. 57-ए, जो सूर्य किरन, न्यू सूर्य किरन हाउसिंग सोसायटी लि. पान गल्ली, गोबालिया टेन्झ, सम्बर्ष-36 में स्थित हैं

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं,

तारीख 8-8-1985

की प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्षयमान प्रविक्र व की निए नन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निर्मास करने की कारक हैं कि स्थाप्नोंकत सम्मत्ति की उचित बाबार मृत्य, स्वयके पर्यमान प्रतिकृत ते ऐते पर्यमान प्रतिकृत के वन्तर्थ प्रतिकृत के वन्तर्थ प्रतिकृत के वन्तर्थ प्रतिकृत के विष्य ते वन्तरिती वन्तरिती (मन्तरितिका) के बीच ऐसे बन्तर्थ के निए तब पाया गया प्रतिकृत्व, निम्मसिकित स्वयदिक से उच्न बन्तर्थ विविद्य के साराधिक क्ष्य ते कथित बहुदिस से उच्न बन्तर्थ विविद्य के साराधिक क्ष्य ते कथित बहुदिस से उच्न बन्तर्थ विविद्य के साराधिक क्ष्य ते कथित बहुदिस से उच्न बन्तर्थ विविद्य के साराधिक क्ष्य ते कथित बहुदिस से उच्न वन्तर्थ विविद्य के साराधिक क्ष्य ते कथित बहुदिस से स्वास्तिका स्वासिका स्यासिका स्वासिका स

- (क) मन्तरम से हुई किसी शाय की शायत, उत्तर विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने ना उससे अधने में सुविधा के सिक्ष्ण और/ना
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के में भी, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. हिराबेन वाडीलाल शहा।

(अन्तरक)

2. मालविका हिराचंद झवेरी।

(अन्सरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगं में सम्पत्ति हैं)

को यह त्यना धारी कारके पूर्वोक्त सम्मितिः के वर्धन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-(क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत सै
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी
अवधि बाद में संमाप्त होती हत्रे, के भीतर पूर्वीक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाक्क;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सकते।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

भ्रतुसुची

पलंट नं 57-ए, जो सूर्य किरन, न्यू सूर्य किरन, हाउसिंग सोसायटी लि , पान गल्ली, गोवालिया टेन्क, बम्बर्ड-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-1/37-ईई/7123/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरोक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बई

दिनांक : 24-3-1986

मोहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-1, वस्बर्द

बम्बर्इ, विनांक 24 मार्च 1986

निद्रांश सं. अर्ध-1/37-ईई/7547/85-86 --- अत: मुभे, निसार अहमव, आयकर प्रधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 4, जो, 1ली मंजिल, धन्वंतरी भवन को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., 143-बी, आगस्ट कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा वायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरस्ट्री हैं,

तारील 5-8-1985
को पूर्वाक्त संगीत के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान परितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से, एोसे बस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहास से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नगनितिवात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्यत में बास्तिकक अप से किथत महीं किया पना है द—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/वा
- श्रि) गंधी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था. छिषाने में सृषिधा के खिए!

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती मिरा एस हरीटे ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला भोगिलाल भवेरी और श्री भोगी लाल बेचारवास झबेरी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगं में सम्पत्ति हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हां से 45 दिन की अनिध या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित- यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्वी

पर्लंट नं 4, जो, 1ली मंजिल, धन्त्वंतरी भव्यन को-आप हाउसिंग सौसायटी लि., 143-बी, आगस्ट क्रांती मार्ग, बस्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-1/37-ईई/7096/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई व्वारा दिनांक 5-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> िनसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बम्बई

दिनांक : 24-3-1986

मोहर:

प्रस्प नार्षं.दी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

बम्बर्ह, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निवर्षा सं. अर्ध-1/37-वर्षे 1/7659/85-86.--पतः मुभ्ते, निसार अहमद, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है प्रौर जिसकी सं. फ्लैंट नं. 6, जो, 2**री, मंजिल हील** व्हयू, 15, रीज रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), शीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, **!ारीस 19-8-1985** को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करमान रतिफान के लिए अन्तरित की गद्द है बरि मुक्ते यह विक्थास करने का कारण हैं। कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रथमान रितकल से, एसे कायमान प्रतिकल के पत्कल प्रतिवाल से अधिक हैं। मौर अंतरक (अंबरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा नया प्रतिफल, निम्निनिचत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में शस्त्विक रूप से किभित किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे वचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा औं लिए;

कतः भव, जनतः अधिनियम की धारा 26%-त की अनुसरण में, मैं, उनतः अधिनियम की धारा 26%-त की उपधारा (1) के बभीनः निम्नीसिकः व्यक्तियों, अधीत् हु— (1) श्रीमती आर. एम. भवरी और श्री स्थिर एम.न अवरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत बी. ठक्कर, अनील बी. ठक्कर और श्री प्रबोध बी. ठक्कर ।

(अन्तरिसी)

(3) अन्तरका । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्कन के संबंध में कोई भी आक्षीप ;----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कवी बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बव्ध किसी व्यक्ति वनारा, वधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिचित में किए जा सकेंगे।

रुपक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा है।

जन्सूची

फ्लैंट नं. 6, जो, 2 री मंजिल, हिल व्ह्यू, गिरी दर्शन को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., 15, रीज रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची औसांकि के. सं. अई-1/37-ईई/7204/85-86 और जो सक्ष्णं प्राधिकारी बम्बई व्वास दिनांक 19-8-1985 को रजीस्टड किया नदा हैं।

निसार अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1986

मोहर :

15-46GI/86

क्ष्म बाहु हो एन , प्रम .----

भावकर महिभावका, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-म (4) के अभीन क्षता

HIST SEEKS

कार्यालय, सहायक जायकर जायका (जिर्ज्यका) अर्थन रोज-1, वस्वही

बम्बर्ड, बिनांक 7 अप्रैल 1986

निवर्षा सं. अर्ध-1/37-इंड/7622/85-86 ---अत: मभ्ते, निसार अहमव,

बासकर विशिवन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे क्या के प्रकार परवात 'उक्त की धीनवम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित विसका अवित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 61 (उस्तर विंग), जो 6ठी मंजिल और गाड़ी पाकी ग जगह, तल माला, इमारत-कारमेल, प्लाट जिसका सी. एस. नं. 1/587 मालबार हिल डिविजन, 30, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं,

बम्बर्झ-36 में स्थित हैं। दिनांक 12-8-1985

को प्वांनित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यानात प्रतिकास के लिए जंतरित की गई है और नुभें वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दियमान प्रतिकाल से एसे देवसमान प्रतिकाल का पंचह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (बंदरका) और अंतरिक्षी (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया नया प्रतिकाल, निम्निसिबा उद्देश्य से उसल अंतरण कि बिखा में वास्मिविक मण में कथित नहीं कि बा बबा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधि-विक्रम के बधीन कर दोने के बंतरक के दावित्य में कमी करने ना असके बचने में सुविधा के विद्र; बीड/वा
- (थ) ऐसी किसी बाव वा किसी भन वा बाव बास्त्वों को, जिन्हें भारतीय बावकर विधिव्दव्द : 1922 (1922 का 11) वा उक्त वीधिनयंत्र, या धव-कर विधिनयंत्र, या धव-कर विधिनयंत्र, या धव-कर विधिनयंत्र, या धव-कर विधिनयंत्र, 1957 (1957 का 27) वे शताधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया वाना वाहिए था, क्रियाव में ब्विधा के सिक्ट

बरा: वंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण ों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीलेखत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) एस. इ. लोखंडवाला और सकीना इ. लोखंडवाला । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स गुडलास नेरोलक पेंटस लिमिटडे । (अन्तरिती)

को वह सूचका कारी करके पूर्वोक्त सम्मर्क्त के वर्षन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं:()

धक्त सम्परित के कुर्वन के संबंध में कोई भी वासोप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जगिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, को भी स्वीध नाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति इपहरा;
- (थ) इस सूचवा के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित-बहुध किसी बस्थ व्यक्तित हुवास अधाहरताक्षरी के पास मिक्कित में किए या सर्वोंने ।

स्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही वर्ष होता, जो उस मध्याय में दिस भूवा हैं।

वपुसूची

फ्लैट नं. 61 (उत्तर विंग), जो, 65ो मंजिल, और गाडी पाकींग जगह, तल माला, इमारत ''कारमेल'', प्लाट जिसका सी. एस. नं. 1/587, मलबार हिल डिविजनं, 30, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं।

जनुसूची औसाकि क.सं. अर्ध-1/37-ईर्ष/7167/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{न्}ज-1, वम्बद्ध

दिनांक : 7-4-1986

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 10th April, 1986

No. F. 6/86-SCA(I)—Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and Appointed the following members of staff of this Registry to the posts with effect from the forenoon of the date mentioned against each, until further orders:—

S.	Name &	Designation	Post	to	which	appointed
No.			and	date	of appo	ointment.

- Shri R, R, Kumar, Deputy Registrar
- Shri S, Vardarajan, Assistant Registrar
- Shri A. P. Jain, Assistant Editor
- 4. Shri B. S. Jain Section Officer
- Shri O. P. Sharma
 A stant
- 6. Shri N. Vijia Kumar, Assistant Editor
- 7, Shri Mool Chand Sharma
- 8. Miss Amita Dhanda
- 9. Shri R. S. Seth, Stenographer
- 10. Shri P. N. Jain, Assistant
- 11. Shri Vinod Kumar, Stenographer
- 12. Shri Suresh Chandra, P. S. to Hon'ble Judge
- 13. Shri R. C. Jain, Section Officer
- 14. Mrs. Anita Kashyap, Stenographer

Appointed to officiate as as joint Registrar with effect from December 9, 1985
Appointed to officiate as as Deputy Registrar with from December 9, 1985
Appointed to officiate as Assistant Registrar (Proforma) with effect from

Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from December 9, 1985 Appointed to officiate as

December 9, 1985.

Appointed to officiate as Section Officer with effect from December 9, 1985

Appointed to officiate as Editor, Supreme Court Reports with effect from January 2, 1986.

Appointed to officiate as Deputy Registrar (Ex-cadre) on ad-hoc basis for a period of one year with effect from January 6, 1986.

Appointed to officiate as Assistant Registrar (Ex-cadre) on contract basis for a period of one year with effect from January 7, 1986 Appointed to officiate as Court Master with effect from January 22, 1986.

Appointed to officiate as Court Master with effect from February 15, 1986. Appointed to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from February, 19, 1986.

Appointed to officiate as P. P. S. to Hon'ble Chief Justice of India (Pro-forma) with effect from February 27, 1986.

Appointed, to officiate as P. P. S. to Hon'ble Chief Justice of India with effect from February 27, 1986,

Appointed to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from Februrary 27, 1986.

15.	Shri H. N. Wadhwa,
	Editor of Paper Books

16. Shri R. N. Nijhawan, Stenographer Section Officer with effect from March 10, 1986. Appointed to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from March 10, 1986.

Appointed to officiate as

3

17. Shri P. S. Sharma, P. S. to Hon'ble Judge Appointed to officiate as Assistant Editor with effect from March 20, 1986.

> A. N. OBERAI, Registrar Supreme Court of India

MINISTRY OF PERSONNEL TRG., ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION (DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 7th April 1986

No. A-19021/3/80-AD.V.—The services of Shri Jaspal Singh, IPS (AP-1970) Supdt, of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CIU (NC) Branch are placed at the disposal of Govt. of Andhra Pradesh with effect from the afternoon of 30th November, 1985, on repatriation, with directions to report for duty to Director General of Police, Andhra Pradesh on the expiry of 117 days EL/HPL granted to him from 2-12-85

No. 3/6/86-AD.V.—Consequent upon Shri S. Ramamoorthy, Office Supdt., resuming duty in GW: Madras Branch on 17-3-1986 (FN), Shri Gopalakrishnaiah appointed to officiate as Office Supdt. in the leave vacancy, on ad-hoc basis with effect from 13-1-86 (FN) is reverted as Crime Assistant with effect from the forenoon of 17th March, 1986.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110003, the 4th April 1986

No. O.II-2141/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rajiva Pandey as General Duty Officer Grade-11 (Dy. SP/Coy Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th March 1986 till 1urther orders.

The 7th April 1986

No. O.II-1763/82-Estt.—Shri Shiv Mohan Singh, IPS (MP: 1954) handed over the charge of Inspector General of Police, S/III, CRPF, New Delhi on the afternoon of 31-3-1986 on retirement on attaining the age of superannuation.

No. O.II-2136/86-Fstt.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Watts, IPS (UP: 1956) as Inspector General of Police in C.R.P.F. in the pay scale of Rs. 2500—2750/- on deputation tenure basis w.e.l. 1-4-1986, till he attains the age of superannuation i.e. 31-12-1987.

2. The office", accordingly took over charge of the post of IGP, S/III, CRPF, New Delhi in the forenoon of 1-4-1986.

The 9th April 1986

No. O.II-2146/86-Estt.—The President is pleased to appoint Shri C. S. Dwivedi, IPS (MP: 1959) as Inspector General of Police in CRPF in the pay scale of Rs. 2500—2750/- on deputation tenure basis for a period of 5 years.

2. The Officer, accordingly took over charge of the post of IGP, S/IV, CRPF, Shillong in the forenoon of 4-4-86.

M. ASHOK RAJ, Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 8th April 1986

No. 10/4/80-Ad.I.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, Shri Satya Prakash, Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Eirector (Programme) in the same office, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 17th February, 1986, until further orders.

- 2. The headquarters of Shri Satya Prakash will be at New Delhi.
 - 3. He will be on probation for two years.

V. S. VERMA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I,

New Delhi, the 14th April 1986

No. Admn./O.O. No. 8.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri A. S. Ahluwaha, an Asstt. Audit Officer of this office will be retiring from service of the Government of India with effect from the afternoon of the 30th of April, 1986. His date of birth is 3-4-1928.

No. Admn. 1/O.O. No. 9.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri K. L. Kapoor, an Assit. Audit Officer of this office will be retiring from service of the Government of India with effect from the afternoon of the 30th April, 1986. His date of birth is 3-4-1928.

Sd/- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL,

CALCUTTA

Calcutta-700001, the 24th March 1986

No. Admn. I/Gaz/2022-23.—The Director of Audit, Central Calcutta has been pleased to appoint on ad hoc and provisional basis the section officers named in the enclosed statement from Sl. 1 to 216 to officiate as As: istant Audit Officers (G oup B) in the scale of 650—30—7:10—35—880—EB—40—1040 in temporary and officiating capacity with effect from the dates noted against each in the office of the Director of Audit, Central Calcutta, until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Deputy Director of Audit (A)
Central Calcutta.

List of Assistant Audit Officers in the Office of the Director of Audit, Central, Calcutta with effect from 1-11-1985.

Sl. No.	Name	_	,		Date of officiat- ing
	S/Shr i			 	
1.	Dilip I umar Ghosh				1-11-85
2.	Amal I ishore Bhattacharjee				1-11-85
3.	Sunfrm il Ghosh				1-11-85
4.	Satya I amal Chakraborty				1-11-85
5.	Md, A dul Wahhab				1-11-85
6.	Samarendra Nath Choudhury	7			1-11-85
7.	Sunil K rishna Talukdar .				1-11-85
8.	Nani Gopal Mahalananbis				1-11-85
9,	Santi Ram Chatterjee .	,			Profor-
	ŕ				ma place ment from
					1-11-85

S/Shri			

1 2					3
10. Sanjay Kumar Banerjee .		,			1-11-85
11. Ajit Kr. Bose III					1-11-85
12. Dhirendra Nath Bose .					1-11-85
13. Sankar Prosad Halder .					1-11-85
14. Sanat Kumar Biswas .					1-11-85
15. Himangsu Kr. Bhattacharya		Ċ			On de-
15, zimangsa ser, summana	•	•	•		putation
16. Jadunath Guha					1-11-85
17. Rabindra Nath Sarkar II	•	•	•	•	Profor-
17. Rabinata (fam Garkel II	•	•	•	•	ma place-
					ment from
					1-11-85
					·
18. Subodh Chandra Das .		•	-	-	1-11-85
19. Sujit Kumar Guha , .					1-11-85
20. Hara Prasad Bhattacharjee					111-85
21. Purnananda Bandopadhyay					1-11-85
22. Nani Gopal Kar		_	_		1-11-85
23. Sukumar Shah	•	Ċ		_	1-11-85
24. Himangshu Kumar Saha	•	•	•		1-11-85
25. Bibhas Chandra Seal .		•	•	•	1-11-82
		'	•	٠	1-11-85
45 011	•	•	•	•	1-11-85
_		•	•	•	1-11-85
28. Sadhan Ch. Gangopadhyay		•	•	•	1-11-85
29. Bibhas Kanti Bhattacharjee		*.45	•	•	Do.
30. Smt. Anjali Chattopadhyay	(Par	1a1)	-	•	
31. Badri Narayan Sarkar	•	•	•	•	Do.
32. Sukhindra Nath Ghosh.	•	•	,•	•	Do.
 Samarendra Majumdar , 	•		-	٠	Do.
34. Mihir Kanti Sen Gupta	-		•		Do.
Ajay Kr. Chattopadhyay					Do.
36. Shayama Prasad Palit .					Do.
Debaprasad Bose .					Do.
38, Ranjit Chatterjee .					Do,
 Debananda Bandopadhyay 	<i>7</i> .				Do.
40. Gourhari Saha					Do.
41. Pujush Kanti Chowdhury					Do.
42. Soumondra Nath Majurnda					Profor-
•					ma pla
					cement-
					from
					1-11-85
43. Narondra Nath Patnnyak					1-11-85
44. Swadesh Ranjan Bhadra	•	·	_	i.	Do.
45. Smt. Jayshree Bakshi .	•	•	•		Do.
	•	,	•	•	Do.
46. Susanta Kr. Lahiri	•	•	•	•	Do.
	•	•	•	•	Do.
48. Manas Kr. Mukherjee	•	•	•	•	Do.
49. Narayan Cha, Bhowmick	٠	•	•	•	
50. Sib Shanker Mukherjee	•	•	•	•	Do.
51, Pranag Kumar Nag		•		•	Do.
52. Nikhil Rarjan Ganguly	. •	. •		•	Do.
53. Sasanka Sekhar Bhowmic			•		Do.
54. Girindra Kr. Bhatta charj	ee .				$\mathbf{p}_{\mathbf{o}}$.
55, Pranab Kanti Majumdar					Do.
56. Santosh Kamar Roy .	•				Do.
57. Ashoke Kumar Mukherje	э.				Do.
58. Paritosh Kumar Sengupta					. Do.
59. Prabir Mucherice					Dο
60. Panchanan Sinha Roy.					Do.
61. Amiya Bhusan Chaterjee					Do.
62. Malay Ranjan Guha	•	•	•		Do.
	- '		-	-	Do,
63. Prasanta Klumar Dutta-I	1.		_	-	Do,
63. Prasanta Kumar Dutta-I 64. Mukti pada Sanyal	1.	•	•	•	. Do.

1 2				3	1 2		3
S/ Shri					S/ Shri		
65. Chinmoy Nag			_	. Profor-	111. Dhirendra Nath Roy -II		
• •				ma pla-	112. Biswanath Chattopadyhyay-II		1-11-8
				cement		•	Do
				from	113. Paritosh Kr. Chatterjee		Do.
				1 -11-85	114. Rakhal Ch. Kanjilal		\mathbf{p}_{o} .
66, Nitish Ch. Majumder .				. Profor	115. Jyotirmoy Biswas,		Do,
				ma ple-	116. Ashit Kumar Naha		Do.
				cement	117. Sanat Kr. Palui		
				from	118. Ranjit Kumar Mukhopadhyay .		Do.
				1-11-85	119. Sridhar Mukherjee		Do.
67. Abinash Ch. Chakraborty				. 1-11-85	120, Ranendra Nath Basu ,		1-11-85
68. Samil Kr. Pal II				, D o.	121. Chandidas Chattejee		Do.
69. Shyam Sunder Sarkar .				, Do.	122. Somenat i Bhattacharjec		Do.
70. Wajid Box Midya .				. Profor-	123. Adit Kumar Saha		ഥം.
				ma Pla-	124. Ajoy Kr. Bandhopadhyay		Do.
				cement	125. Kartick Chandra Bose		Do.
				from	126, Keshab Lal Mirtra		Do.
				1-11-85	127, Prasanta Sekhar Sarkar		Do.
71. Parimal Kr. Banerjec .		•	•	, 1-11-85	128, Sunil Basan Dutta	•	Protor-
	•	-	•	. <u>D</u> o.			ina pian
73. Ranjit Kumar Chowdhury-I			•	Do.			• • •
74. Jayanti Prasad Mukhopadhya	ау	•		, Do.			coment
75. Ajeya Shyam				. Do.		•	from
76. Rupendra Nath Mishra				Do.	120 Dimon Va Chhach		1-11-85
77. Arun Kanti Paul				. Do.	129. Biman Kr. Ghhosh	• •	1-11-85
78. Hare Krishna Das				. \mathcal{D}_{0} .	130. Ratan Kr. Sarkar.		1-11-85
79. Gour Chandra Pathak		٠		. Do.	131. Nirmal Kumar Majumdar		Do.
80. Dilip Kr. Bhattacharjec .				. \mathbf{D}_{0}	132. Jaharlal Banerjee-I		Do.
81. Sisir Kr. Banerice				Do.	133. Bimal Kr. Roy		Do.
82. Subrata Chowdhuri			,	. Do.	134. Nani Gopal Das		Do.
83. Kalyan Kumar Mitra-I .				. Do.	135. Somen Basu	. ,	18-11-85
84. Gopal Ch. Bhattacharjee				. Do.	136. Madan Mohan Das .	. ,	1-11-85
85. Amiya Kr. Roy-II	•			. Profor-	137. Jyotish Ch. Sarkar		Do.
os. Amiya Ki. Roy-II				ma pla-	138. Sudhir Krishna Mondal		Do.
				cement	139. Anil Krishna Mondal-I.		Do.
				from	140. Mihir Kr. Banerjee		Do.
				1-11-85	141. Tapan Kr. Sarkar-II	, ,	Do.
86. Kanai Charan Nag				. 1-11-85	142. Ajoy Kr. Mukherjee	, ,	Do.
87. Kamal Lochan Adhikari .				Doi	143. Amalendu Das	• •	
88. Santi Prakash Sarkar			•	Do.	144. Sitish Chandra Bagchi		Do
89. Santosh Kr. Chadraborty-II				. Do.	145. Raj Ballav Saha		υο.
90. Debaprosad Roy Chowdhury				. Do.	146 Tinkowi Ch. Coko		Do.
91. Dilip Kr. Sarkar		•		. Do. Do.			Do.
92. Amitabha Roy Chowdhury .		•		. Do.	147. Bimal Krishna Roy Chowdhury .		Do.
93. Ardhendu Chowdhury .					148. Jyotirmoy De Sarkar		\mathbf{Do}_{0}
			•	Do.	149, Bijoy Krishna Kar		\mathbf{D}_{0}
94. Satya brata Dutta Chowdhury			•	Do.	150. Janardati Bhattacharjee		\mathbf{Do}_{c}
95. Anil Chandra Das		• •		Do.	151. Suchitrathay Bandopadhyay		\mathbf{D}_{0} .
96. Nirmal Kr. Mukherjee-II				\mathbf{Do} .	152, Tarun K ₁ , Mukherjee		Do.
97. Arunangshu Bhattacharjee .				\mathbf{Do}_{\cdot}	153. Ashoke Mandi		Dο,
98. Bansidhar Banerjee				$\mathbf{D_0}$	154. Purna Clindra Karan ,		$D_{O_{*}}$
99. Sushil Ch. Das Gupta				$\mathbf{D_{0}}$.	155. Ajit Kr. Chakraborty IV		\mathbf{D}_{0}
00. Anil Krishna Mondal II				$\mathbf{p}_{\mathbf{o}}$.	156, Prafulla IIr, Mukherjee		Do.
01. Jyotirmoy Debnath				$\mathbf{D_{0}}$.	157. Amal Ku nar Sarkar		Do.
02. Bhabani Prasad Bose			,	\mathbf{D}_{0} .	158. Nisith Kt. Mukherjee		\mathbf{D}_{0}
3. Nar.i Gopal Bhattacharjee .		٠,		\mathbf{D}_{0} .	159. Jiban Krishna Bhattacharjee	-	Do.
)4. Ananta Nath Brahma III				\mathbf{Do}_{\cdot}	160. Nripendra Nath Halder		Do.
05, Amal Ch. Pal				Profor-	161. Rabindra Nath Chatteriee IV		\mathbf{Do}_{0}
				ma p(a-	162. Alok Roy		
				cement	163. Madan Mohan Chattopadhyay		Do.
				from			. Do.
				1-11-85	164. Kanak Ch. Sen		Do.
06. Debashis Banerjee				1-11-85	165, Prabir Narayan Roy Chowdhury	,	Dυ.
07. Sushil Ranjan Karmakar				1-11-85	166. Amiya nanda majumder		D٥.
8. Manoranjan Sarkar				Do.	167. Ramesh Chandra Bhowmick		Do.
9. Pabitra Kumar Sarkar-II				Do.	163. Gopal Ch. Guha		Do.
0. Dinesh Kr. Roy Chowdhury				$\mathbf{D_0}$.	169, Smt. Apa na Bhattacharice		18-11-85

1 2						3
170. Sudhendu	Chakraborty					1-11-85
171 Ramala Sa	tha		_			Do.
172. Purnendu						Do.
173, Kartick C	h, Roy .					Do.
174 Debendra	Nath Burman				·	Do.
175. Sunirmal.	Jyoti Sarkar .			Ċ		Do.
176. Bhaskar B	husan Naskar		Ċ			Do.
177, Satyabrata			•	•	•	Do.
178, Ajit Kr. C		·	•	•	•	Do.
179, Ashoke Kı		Ċ	·	•	•	\mathbf{D}_{0}
180. Gopi Krisi		Ċ	•	•	•	Do.
181. Lutfar Ral		•	•		•	$\mathbf{D_0}$
	han Charaborty				•	\mathbf{D}_{0} .
	dra Nath Choud			•	•	Do.
184. Biswanath		-114.3		•	•	Dø.
	i (Sengupta) Jen	я	·	•	•	Do.
186. Kalyan Kr.		•.	•	•	•	Do.
187. Bimal Kris		•	•	•	•	13-11-85
188. Dulal Ch.		•	•	•	•	1-11-85
189. Deb Kr. M		•	•	•	•	Do.
	an Dutta Chowd	, h	•	•	•	
		_		•	•	1-11-85 Do.
191. Bidyut Kr.		•	•	•	•	Profor-
192. Khagendra	Nath Ghosh	•	•	•	•	
						ma pla-
						cement
						from
*** *** ***	2.5					1-11-85
193. Mrinal Kar		•	•	•	•	1-11-85
194. Chunilal Ta		•	•	•	•	Do.
195. Amal Kum		•	•	•	•	Do.
196. Manjil Kr.			•	•	-	Do.
197. Bijoy Krish	ma Kundu .		•	•		Do.
	Bikash Roy Chov	vdhui	ry			Do.
199. Purnajan C				٠.		Do.
200, Deepak Kr.		•				Do.
201. Syamal Kr.			•			Do.
	i Basak (Nee Set			•		Do.
	h, Chattopadhya	у.				Do.
204. Tushar Kar		•				Do.
205. Shyamapad		•				Do.
206. Jayanta Kr						\mathbf{Do}
207. Dilip Kr. C	howdhury					Do.
ACC Dates Com	al Bhattachariec					Do.
	NAME OF THE PARTY	-				Do.
209. Madhusuda	an Muknerjee-H			_	-	Do.
			•	•		
209. Madhusuda210. Asit Ranjar211. Santimoy E	n Mitra . Banerjee .					Do.
209. Madhusuda 210. Asit Ranjar 211. Santimoy E 212. Debabrata	n Mitra . Banerjee . Bhowmick .		· ·			
209. Madhusuda 210. Asit Ranjar 211. Santimoy E 212. Debabrata	n Mitra . Banerjee . Bhowmick .		· ·			Do.
209. Madhusuda 210. Asit Ranjan 211. Santimoy E 212. Debabrata 213. Sourendra	n Mitra . Banerjee . Bhowmick . Mohan Ghosh					Do. Do.
209. Madhusuda 210. Asit Ranjar 211. San imoy E 212. Debabrata 213. Sourendra 214. Sul homoy	n Mitra					Do. Do. Do.
209. Madhusuda 210. Asit Ranjar 211. San imoy E 212. Debabrata 213. Sourendra 214. Sul homoy	n Mitra Banerjee Bhowmick Mohan Ghosh Bhowmick Roy Chowdhury				•	Do. Do. Do.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, BIHAR

Patna, the 21st February 1986

No. Admn-I(Au)I-20-5-1984.—The Accountant General (Audit)-I Bihar, Patna has been pleased to promote the following Asstt. Audit officers of this office to officiate, until further o ders, as Audit officers in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 with effect from 12-2-86 (A.N.) o from the date of their taking over charge, whichever is later:—

S/Shri

- 1. Bhart Iha
- 2. Abdul Gaffar Khan

- 3. Budhi Chandra Singh
- 4. Budhi Nath Iha
- 5. Jitendra Kumar Sengupta.

Sd/- ILLEGIBLE Dy. Acountant General (Admn.)

Patna, the 21st March 1986

No. Admn-I(Au)-1-20-5-2039.—The Accountant General (Audil) I, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate until further orders as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3-3-86 (AN) or from the date of their taking over charge, whichever is later;—

Sl. No. and Names

- 1. Sri Bhupal Bhattacharya.
- 2. Sri Kshetra Mohan Haldar.

No. Admn-I(Au.)-I-20-5-2045.—The Accountant General (Audit-I), Bihar, Patna has been pleased to promote Shri Krishna Kumar Bose, Assistant Audit Officer to the post of Audit Officer in an officiating capacity in the Pay Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 14-3-86 (FN) or from the date of his taking over charge whichever is later, until further order.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E) J & K

Srinagar, the 8th April 1986

No. Admn.I/A & E/60(67) /26/85-86|66974.—The Accountant General (A & E) has been pleased to appoint the further orders, as Audit officers in the scale of apy of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-2-86 in an officiating capacity w.e.f. the date(s) indicated against each, till further orders:—

- 1. Shri Bansi I al Misri-27-2-86 (F.N.).
- 2. Shri Rattan Lal Kaw-27-2-86 (F.N.).
- 3. Shri Omkar Nath Muku-24-3-86 (F.N.).
- 4. Shri Rajinder Swaroop Behl-27-2-86 (F.N.).

This inter so seniority will be in the same order as shown above.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 28th February 1986

No. Admn.I. PF.NGK/387/2744.—Shri N. G Kibe (01/204) a permanent Accounts Officer of the office of the Acountant General (A&F)-I M.P., at present on foreign service to Indore Development Authority, Indore, will retire from Govt. Service with effect from 31st March, 1986 AN on attaining the age of superannuation.

Sd/- ILLFGIBLE Sr. Dy. Acountant General (A)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 14th April 1986

No. 235/A. \dmn/130/83-85.— On attaining the age of superannuation Shri Kishan Lal, substantive Audit, Officer,

Defence Services, retired from service with effect from 31-3-1986 (AN).

B. S. TYLE Jt. Director of Audit Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-700 001, the 8th April 1986

No. 23/G/86.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. K. Paul, J.D., Works Manager from IOFS with effect from 15th June, 1985.

M. A. ALHAN
Jt. Director/G
for D.G.O.F.

Calcutta, the 10th April 1986

No. 24/G/86—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of SAG Level-I (DD OF (SG-I) and GM(SG-I) with effect from the dates shown against each:

designation	·	Date of confirma- tion
1. Shri P. R. Rao, Addl. DGOF(Rctd.)		9-5-79
2. Shri P. L. Jalota, Addl. DGOF(Retd.)		30-9-80
3. Shri R. R. Wanchoo, DGOF/Chairman (Retd.)		9-2-81

No. 25/G/86—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of Addl. DGOF with effect from the dates, shown against each:—

the dates shown against each :	
Name of the officers and designation	Date of confir- mation
Shri C. Madhavan, Addl. DGOF/Member (Retd.)	30-6-78
2. Shri O. P Bahl, Addl. DGOF/Member (Retd.)	9-5-79
3. Shri D. Sen, Addl. DGOF/Member (Retd.)	1-3-81

V. K. MEHTA, DGOF(ESTT.)

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 11th March 1986

No. 2(26) /EST.I/86/1465.—Shri R. K. Iyer, Assistant Director Grade II (P&D), Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on superannuation from the afternoon of 28-2-1986.

ARUN KUMAR
Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 31st March 1986

No. A-1/1(1045).—Shri Ram Kishan, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade II) of this Directorate General is retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st March, 1986, on attaining the age of superannuation.

V. SAKHRIE Dy. Director (Admn.) for Dir. Gnl. of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 31st March 1986

No. A-17011/283/84/A-6.—On his selection by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Subhash Chandra to officiate as Assistant Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Metallurgical Branch) in this Directorate General with effect from the forenoon of 6th March, 1986 and until further orders.

Shri Subhash Chandra assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection in the office of Director of Inspection (Met.) Bhilai with effect from 6-3-1986 (FN).

The 9th April 1986

No. A-17011/292/85-A.6.—On his selection by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. M. Gupta, to officiate as Assistant Director of Inspection (Metallurgy) in Grade III of Indian Inspection Service. Group 'A' Metallurgical Branch in this Directorate General with effect from the forenoon of 23rd December, 1985 and until further orders.

Shri Gupta assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Metallurgy) in the office of Director of Inspection (Met.) Bhilai from the forenoon of 23rd December, 1985.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 7th April 1986

No. EI-2(1)/85(.).—The undersigned hereby appoints Shri M. L. Bhattacharjee. Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office wef 1-4-1986 (FN) on temporary basis, against leave vacancy of Shri R. K. De, Asstt. Iron & Steel Controller.

D. K. GHOSH Jron & Steel Controller

MINISTRY OF STEEL AND MINES (KHAN VIBHAG)

والمراكب المستراكب والمراكب والمستوال والمستوال والمراكب والمراكب

Calcutta-700 016, the 4th April 1986

No. 3074B/A-19012(CS)/84/19A.—Shri C. Srivathsan is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Stores Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-F8-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21-2-86, until further orders.

The 8th April 1986

No. 2135B/A-19011(1-KCS)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Kahnu Charan Sahoo to the post off

Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300. in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24-2-1986 until further orders.

A. KUSHAR1 Director(Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 21st March 1986

No. A-19012/39/85-Estt.A.PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri G. S. Nagaraj, Assistant Mineral Economist (Int.) is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st March, 1986 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

The 7th April 1986

No. A.19011(391)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. V. Satyan Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 10th March 1986.

O. P. WADHI Administrative Officer Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 19th March 1986

No. F. 8-8/83-Estt.—The Director of Archives, Government of India, is pleased to appoint Shri K. D. Tripathi, Officiating as Hindi Officer on ad-hoc basis as Hindi Officer on regular temporary basis (G.C.S. Group B Gazetted) in the National Archives of India, New Delhi in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 wef 1st February, 1985 (FN).

Sd./- ILLEGIBLE Administrative Officer for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 14th April 1986

No. 4(63/75-SI.—Shri L. B. Shastri, Programme Executive, AIR, Ahmedabad retired voluntarily from Govt, service with effect from the forenoon of 1st April, 1986.

No. 4(106)/75-SI(Vol.II).—In partial modification of this Directorate Notification No. 4(106)/75-SI (Vol.II), dated 18-3-86, Shri D. V. Maheshwari, Programme Executive, AIR, Bombay retired voluntarily from Govt. service with effect from the forenoon of 1st March, 1986.

I. L. BHATIA

Dy. Director of Administration (WL)

for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 4th April 1986

No. Λ-12026/1/85-Est I.—Shri K. Λ. Padmanabhan, Recordist in this office has been appointed, on deputation, as Films Officer in the Films Division, New Delhi for a period of one year with effect from the afternoon of 31st January, 1986.

(Sd./- ILLEGIBLE Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 3rd March 1986

No. A-31011/2|86-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. R. Sen to the post of Technical Officer/Lecturer in the Central Food Laboratory, Calcutta with effect from 10th March 1977 in permanent capacity.

The 7th March 1986

No. A-31011/4 85-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. Basak to the post of Junior Analyst at Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad with effect from 12-1-1983 in permanent capacity.

The 12th March 1986

No. A-31011/4/85-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Satya Prakash to the post of Junior Analyst at Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad with effect from 30-3-1981 in permanent capacity.

No. A-31011/4|85-PH(F&N).—The Director General of Heal'h Services is pleased to appoint Shri G. C. Roy to the post of Junior Analyst at Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad with effect from 30-5-1981 in permanent capacity.

SMT. JESSIE FRANCIS
Dy. Director Administration (PH)

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 11th March 1986 ORDER

No. 6-24/82-Vig.—WHEREAS Shri Inder Raj S/o Shri Ram Chander, Mate was issued a chargesheet under Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 vide this office memo of even number dated 15-9-1982 on the following charge:—

"That the said Sh. Inder Raj S/o Shri Ram Chander while functioning as Mate in Delhi Milk Scheme has been absenting himself from duty unauthorisedly w.e.f. 12-11-1980 onwards without prior intimation and sanction of the Competent Authority which is in contravention of the CCS (Conduct) Rules, 1964."

AND WHEREAS, the chargesheet Memo dated 15-9-1982 was sent to him under Regd. cover on his last known permanent Home Address as under:—

Shri Inder Raj, S/o Shri Ram Chander, 566, Rampura, Delhi-35.

The said memo was received back undelivered with the remarks of the Postal Authorities "Bar Bar Jane Par Nehai Milta." The order of the appointment of the Enquiry Officer was also sent at his address:—

Shri Inder Raj, S/o Shri Ram Chander, 70, Rampura, Delhi-35.

The said memo dated 17-8-1984 regarding appointment of Shri B. L. Oberol as E.O. to conduct enquiry was also received back with the remarks of the Postal Authorities "Refused to accept."

AND WHEREAS, after due inquiry into the charge in accordance with CCS (CCA) Rules, 1965, the Inquiry Officer

has submitted his report dated 16th July, 1985 (copy enclosed). The undersigned has also agreed with the findings of the Enquiry Officer and further observed that the charged official was fully in known of the impending enquiry against him as some of the communications sent by this office at his above addresses have been received by him and others have been returned undelivered and quite a few have been refused to be received by him. His non-participation in an enquiry would conclusively show that since the charged official had no defence to offer on the charge of unauthorised absence w.e.f. 12-11-1980 and since records also show that no application or intimation whatsoever has been received in this office till date, the charged official has been unauthorisedly absenting himself from duty is conclusively proved. It also shows that he is not interested to continue in Govt. service.

Shri Inder Raj, Mate is therefore guilty of the charge of remaining absent from duty unauthorisedly w.e.f. 12-11-80 and as such he is not a fit person to be retained in Govt. Service.

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the nowers as per Rule 11 of the CCS (CCA) Rules, 1965 for good and sufficient reasons imposes upon the said Shri Inder Rai, Mate the penalty of REMOVAL FROM SERVICE with immediate effect.

> DR. CHHATTRA SAL SINGH General Manager Disciplinary Authority

Shri Inder Raj, Mate 1/0 Shri Ram Chander 1, 366. Rampura,

- Delhi-110035.
- 70. Rampura. Delhi-110035.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 8th April 1986

Ref. No. DPS/2/1(26)|83-Adm,—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. K. Chapte, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the icale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1986 in the same Directorate, until further orders.

Ref. No. DPS/2/1(26) /83-Adm./2034.—In continuation to this Directorate Notification of even number dated 14-1-1986. the Director. Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri J. J. Pereira a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis from 1-4-1986 (FN) until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate.

> B. G. KULKARNI Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-762, the 20th February 1986

MEMORANDUM

Ref. No. NFC/PA-II/4339/EUOP/1392.—In terms of para 1 (a) of the offer of the appointment made to him vide letter No NFC/PAR/0702/175 dated January 16, 1984, the services of Shri K. Narasinga Rao, HA, EC No. 4339, EUOP NFC (Industrial Temporary Workmen—Non Technical) at terminated with immediate effect.

2. He should return the Bus Pass, Security Identy Badge and any other Government Material issued to him, to the Manager EUOP, immediately.

N. V. RAMANAN administrative Officer

Shri K. Narasinga Rao. Helper (A), EC. No. 4339, EUOP, NFC

Shri K. Narusinga Rao, H. No. 4-3-250, Gujarathi Lane. Sultan Bazar

Hyderabad-500001-By Regd, Post with Ack. Duc.

DEPARTMENT OF SPACE SHAR CENTRE

கூறுப்புகியும் சட்டுக்கும் அண்டும் அன்றுக்கும் சடுக்கும் இன்றுக்கும் அத்தும். " — இ**ந்து செய்த்** இருந்தும் இது

Sriharikota, the 3rd April 1986

No. SCF: PGA: ESTT: II: 15.—The Director SHAR Centre hereby appoints on promotion Shri S. D. Sharma, to the post of Station Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in the SHAR Centre Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenon of 20.3.1986 20-3-1986.

P. S. NAIR Head, Personnel & General Admn. Division for Director.

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 4th April 1986

No. 020/1(15.1)/86-Est.1.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the date shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders :-

- (a) Kum. S. V. Umamaheswatl, Sci./Engr. 'SB' with effect from October 9, 1985.
- (b) Shri N. Mohamed Sheriff, 'SB' Sci./Engr. with effect from December 30, 1985.

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th April 1986

No. A-32013(DDGM)/2/83-E.J.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Maheshwari, Director to officiate as Deputy Director General of Meteorology in India Meteorological Department with effect from 19th February, 1986 and until further orders.

No. A-32013(ADGM)/2/83-E.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. M. Kulshrestha, Deputy Director General of Meteorology, to officiate as Additional Director General of Meteorology in India Meteorological Department with effect from the afternoon of 21st February, 1986 and until further orders.

S. D. S. ABBI Dy. Dir. Genl. of Meteorology (Admn. & Stores)

New Delhi-3, the 9th April 1986

No. A-32014/8/84-E.I.—Shri A. L. Chimote Professional Assistant has been appointed as Assistant Meteorologist in an officiating capacity in India Meteorological Department with effect from 16-1-1985 and until further orders, by the Director General of Meteorology.

K. MUKHERJEE Meteorologist (Establishment) for Dir, Genl, of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th March, 1986

No. A. 32013/12/84-EC—The President is pleased to appoint the following: Asisstant Communication Officers to the grade of Communication Officer in the Civil Aviation Department on ad hoc basis for the period upto March, 31, 1986 with effect from taking over charge of the higher post and to post them at the station indicated against each:

S. No.	Name	Present sta- tion of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
	S/Shri			
1	S. M. Kulkarni .	Porbander	Bombay	14-1-86 (AN)
2.	R. Govindarajulu .	Nagpur	Madras	26-2-86
3.	K.S. Murthy .	Nagpur	Madras	31-1-86
4	S. K. Chatteriee .	Mohanbar	Coautto	(AN) 6 22-02-8
7,	5. K. Chatterjee ,	Monandar	Cacutta	(FN)
5.	G, N, Oka .	Bombay	Bombay	14-1-86
6.	M S. Gogate .	Bombay	Bombay	14-8-86
				(AN)
7.	S. Berman ,	Hyderabad	Calcutta	05-02-86
	a n a			(FN)
8,	S. P. Sengupta .	Silchar	Calcutta	15-1-86 (FN)
9.	H. S. Tuli	Dolhi	Delhi	14-1-86
				(FN)
10.	C. R. Guha	Agartala	Calcutta	20-1-86
				(FN)
11.	R. K. D. Chowdhury	/ Calcutta	Calcutta	16-1-86
10	I.D. Co. to	- 111		(FN)
14.	J. P. Gupta	Delhi	Delhi	16-1-86
12	M. S. Deof	Objections	75-0-5	(FN)
13.	ML S. Deul . ,	Quazigund	Delhí	30-1-86
14	N. R. Bose	Silchar	Calcutta	(FN) 14-2-86
		Siterial	Calculta	(FN)
15.	M. T. Rajarishi	Bombay	Bombay	14-2-86
		Joined	Domoay	(AN)
16.	P. G. Chandarana	Bombay	Bombay	14-1-86
				(AN)
17.	M. G. Sandell .	Delhi	Delhi	15-1-86
				(FN)
18.	Tirath Singh .	Delhi	Delhi	15-1-86
				(FN)

No. A-32014/4/84-EC.—In partial modification of this Office Notification No. A-32014/4/84-EC dated 14th February 1986, the Director General of Civil Aviation is pleased to extend the period of adhoc appointment of Shri A. N. MITRA, Assistant Communication Officer in the Civil Aviation Department for the period from 1-12-1984 to 30-11-1985.

No. A.38013/4/86-EC—The undermentioned Assis tan Technical Officers of Aeronautical Communication Organization of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on the date indicated against each:—

S. No.	Name and Designati	ion	Station of posting	Date of Retire- ment.	
S/Sb 1. H	ri I. R. Kundra, ATO		CRSD New Delhi	31-10-85	
2. S.	K. Upadhyay, ATO	-	ACS Calcutta	31-12-85	
3. J.	K. Nath. ATO .		ACS Calcutta	28-2-86	

The 28th March 1986

No. A.38013/1/86-EC—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department have relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on the date indicated against each:—

S. No.	Name and Desig	nation	Station of posting	Date of retire- ment
	S/Shri			
1. P.	K . Dutta, Comm	unication	1	
C	Officer .	, , .	ACS Calcutta	31-1-86
				(AN)
2. C	D. P. Chanda, Tecl	nnical Officer	ACS Palam	31-1-86
				(AN)
3. P	. C. V. Subraman	iam, Technical	1	
C	officer .		ACS Bombay	28-2-86
			•	(AN)
4. K	eshav Nath, Tech	nical Officer	ACS Bombay	28-2-86
., _				(AN)

The 31st March 1986

No. A-31013/4/1/85-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. GARG in the grade of Deputy Director/Controller of Communication in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from 29-8-1983.

V. JAYACHANDRAN Dy Dir. of Admn.

darjung,

Now Delhi, the 31st March 1986

No. A 32014/1/84-ES—The Director General of Civil Aviation is pleased to approve the continuance of adhoc appointment of the following Superintendents in the post of Administrative Officer, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-1000-EB-40-1200, at the station of posting noted below, for a further period upto 30-6-86 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

°1. No.	Name	Period of ad hoc apptt. approved		Station of posting as Admn. Officer (ad hoc)	
		From	To		
1. G	S/Shri J. Balan	 6-3-86	30-6-86	R D,	Mad-
2. (D. N. Sahore	7-3-86	30-6-85	гаs. А. О .	Saf-

^{2.} The extension of adhoc appointment of Shri MITRA in the grade of Assistant Communication Officer shall not bestow on him any claim for regular appointment in the grade and the period of service rendered on adhoc basis shall neither count for seniority in the grade of Assistant Communication Officer nor for promotion to the next higher quade.

No. A-32014/1/86-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri D. P. Mehrotra, Superintendent (ad-hoc) to officiate as Administrative Officer on Ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-1200, in the office of Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad Training Centre, Allahabad of Principal, Civil Aviation w.c.f. 10-3-86 upto 31-3-86.

> M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Admn.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 2nd April 1986

No. 3/86. F. No. 22/2/85-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Didar Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer to the Central Power Engineering (Group 'B') Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the 12th March, 1986 (FN), until further orders.

> R. SESHADRI Under Secy. for Chairman, CEA

MINISTRY OF TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 9th April 1986

No. 1-TR(5)/85.—The Director General is pleased to relieve Capt. S. S. Jairam, Nautical Officer appointed on adhoc basis on T. S. Rajendra, Bombay w.e.f. 12-3-1986 (A.N.)

No. 11-TR(7)/85.—The Director General is pleased to accept the resignation of Shri Ashok Kumar Awasthi, Engineer Officer. Directorate of Marine Engineering Training, Bombay with effect from 28-2-1986 (A.N.).

Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Dubey Finance (J&K) Private Limited

Srinagar, the 7th April 1986

No. Pc/530/432.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Dubey Finance (J&K) Private Limited has this day been struck off the Register and therefore the said company is dissolved.

> Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies J&K, Stinagar.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Paras Properties Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 11th April 1986

No. 680/16258/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Paras Properties Pvt. Ltd. has

mis day been struck off the Register, and the said company ii dissolved.

_-__-

V. RADHAKRISHNAN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME-TAX, WEST BENGAL

Calcutta, the 10th January 1986

ORDER NO. 673

1. PROMOTION

F. No. 2E/28/75-76.—The following Inspectors of Incometax, West Bengal, Calcutta are hereby promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date they take over and until further orders :-

S/Shri

- Ramendra Ch. Roy.
 Smt. Susan George Verghese.
 Partha Pratim Sarkar.
- Premananda Basu.
- Sudha Ranjan Banerjee.
- Ajit Kumar Akuli. Ramendu Bikash Barua.
- Purna Chandra Bhattacharjee.
- 8. Purna Chandra Bhattacharjee.
 9. Ardhendu Sekhar Mandal. (\$/C).
 10. Bankim Ch. Pandey. (\$/C).
 11. Rai Benode Das. (\$/C).
 12. Bimal Ch. Malakar. (\$/C).
 13. Nalini R. Mandal (\$/C).
 14. Haripada Talukdar. (\$/C).
 15. Ajit Anthony Augustin Tirkey. (\$/T).

The appointments are made on purely temporary and provisional basis and will confer on them no claim either for retention or seniority vis-a-vis other promotees. Their services are liable to termination without notice and they are liable to reversion at any time if after review of the vacancies, it is found that their appointments are in excess of the vacancies available for promotees, or direct recruits become available for replacing them. They are also liable to transfer any where in West Bengal at any time.

II. In exercise of the powers conferred under section 124 of Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) I hereby direct that:—

S/Shri

- 1. Ramendra Ch. Roy.
- Smt. Susan George Verghese.
- Partha Pratim Sarkar.
- Premananda Basu.
- Sudha Ranjan Bancrjee.
- Ajit Kumar Akuli. Ranendu Bikash Barua. Purna Chandra Bhattacharjee.
- 9. Ardhendu Sekhar Mandal. 10. Bankim Ch. Pandey.
- 11. Rai Benode Das.
- 12. Bimal Ch. Malakar. 13. Nalini R. Mandal. 14. Haripada Talukdar.
- 15. Ajit Anthony Augustin Tirkey.

On their appointments as Income-tax Officers (Group 'B') shall perform all the functions of an Income-tax Officer under the said act in respect of such persons of classes of persons or such Income or classes of Income or in respect of such areas as may be allocated to them from time to time.

III. POSTINGS

On promotions all the above Officers are hereby posted as Officer on special Duty in the office of the Chief Commissioner (Administration) & Commissioner of Income-tax, West Bengal-I, Calcutta.

> R. PRASAD Chief Commissioner (Admn.) & CIT. WB-I, Calcutta.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th April 1986

Ref. No. III-1282/Acp/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

as the stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Ward No. 2, Shect No. 29, Circle No. 9, Municipal Plot Nos. 895, 896, 897/898, 899 holding No. 114 (old), 141, 142 (new), Thana No. 137 situated at Mouza Moharampur, Chougama Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-8-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gurubachan Singh S/o
 Shri S. Bhag Singh, advocate,
 constituted power of attorney of
 Shri Sanjaya Lal S/o
 Shri Chandlal, R/o
 67, Five Mile Drive, Oxford, U.K.

(Transferor)

(2) Ashiana Engineers Pvt. Ltd., Exhibition Road, Patna, through Director Shri Indrajit Singh S/o Shri Madanjit Singh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 15 kathas situated at Mouza Moharampur, Chougama, Exhibition Road, P. S. Kotwali, present P. S. Gandhi Maidan, Patna morefully described in deed No. 6100 dated 28-8-85 registered with D. S. R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Date: 11-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF BUDGA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amiltsar, the 7th April 1986

Ref. No. ASR/86-87/1.—Whereas, I, PRASAD, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
One property situated at Verka, Distt. Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
have been transferred under the Registration Act. 1908 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Amritsar in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instagrament of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any insome arising from the transfer; med /or
- (b) facilitating the concentrated of any income or any moneys or other sesses which have not been or which count to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Inseans-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Westit-tax Act. 1957 (87 et 1997):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Hindustan Cold Storage & Refrigeration, through S/Shri Ashwani Kumar & Ashok Kumar Ss/o Shri Jagiri Lal, Smt. Darshana Rani W/o Shri Jagiri Lal, R/o 323, Krishna Nagar, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Balijnder Kaur W/o Shri Manohar Singh, C/o Hindustan Cold Storage & Ice Factory, O/S Gate Hakiman, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days um the service of notice on the respective persons. ichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

A portion of property known as Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Ampitsar, as mentioned in sale deed No. 5360 dt. 12-8-1985 of registering authority Amritsar,

> J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 7-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 7th April 1986

Rf. No. ASR/86-87/2.—Whereas, I.

J. PRASAD, IRS,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
us the 'said Act'), have reason to believe that the innervable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
One property situated at Verka, Distt. Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) M./s. Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar through S/stra Ashwani Kumar & Ashok Kumar Ss/o Shri Jagiri Lal, Smt. Darshana Rani W/o Shri Jagiri Lal, R/o 323, Krishna Nagar, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Beant Singh S/o Shri Chet Singh, R/o 2013, Gali Nathe Khan, Kt. Khazana, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of property known as Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5464 dt. 14-8-85 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 7-4-1986 Seal :

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **AMRITSAR**

Amritsar, the 7th April 1986

Ref. No. ASR/86-87/3.—Whereas, I,

J. PR. SAD, IRS,

being that Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One property situated at Verka, Distt. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Amritsar in August 1985

S. R. Amritsar in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part as has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of transfer as agreed to be transfer with the object of the constant of the said instrument of transfer with the object of the constant of the said instrument of the s of transfer with the object of .---

- (4) keilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar through S/Shri Ashwani Kumar & Ashok Kumar Ss/o Shri Jagiri Lal, Smt. Darshana Rani W/o Shri Jagiri Lal, R/o 323, Krishna Nagar, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Beant Singh S/o Shri Chet Singh, R/o 2013, Gali Nathe Khan, Kt. Khazana, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any,

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A portion of property known as Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5310 dated 9-8-85 of registering authority Amritsar.

> J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 7-4-1986

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 7th April 1986

Ref. No. ASR/86-87/4.—Whereas, I,
J. PRASAD, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
One property situated at Verka, Distt. Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
S. R. Amritsar in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Hindustan Cold Storage & Refrigeration, through S/stra Ashwani Kumar & Ashok Kumar Ss/o Shri Jagiri Lul, Smt. Darshana Rani W/o Shri Jagiri Lal, R/o 323, Krishna Nagar, Lawrence Roud, Amritsar.
- (2) Smt. Satwant Kaur W/o Sh. Sujan Singh, 3416/2 Sector 40-D, Chandigarh.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ex ANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of property known as Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5412 dt. 13-8-85 of registering authority Amritsar,

J. PRASAD, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby infitite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1986

ADDITION IN THE PROPERTY AND

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2415/1985-86.-Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing City Survey No. 1257 (Old), 1206 (New), Bhavani Peth, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liable of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Kantilal H. Shah, "Pushpak Apartments" 81, Bhavani Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Jiviaj D. Jain, Mrs. Manichand D. Jain and Mr. Narendra D. Jain, R/o 1206, Bhavani Peth, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 1257 (Old), 1206 (New), Bhavani Peth, Pune. (Area 2808 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2415/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---17--46GI/86

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Patkar Builders, Patkar Building, Patkar Road, Dombivli (E).

(Transferor)

(2) Shrì Ramakant K. Durve, R/o Yashodhan, Rajaji Road, Dombivli (E).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/ $C\Delta$ -5/37EE/4234/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable

as the stid Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11 on the third floor in the building Shree Vaibhav Apartments, Tilak Road, Dombivli (E), situated at Dombivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 on the 3rd floor in the building Vaibhav Avartments", Tilak Road, Dombivli (E). (Area 623 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4234/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 31-3-1986 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMPLES-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2697/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 389/B, Bhavani Peth, Pune, Flat No. 15 on 2nd floor situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

್ರಮ್ಮಾನಿ ಮಾಡುವ∟k ಗುಣಕ್ಕೂ ಸರ್ವಾಯವಾದ ಸಹಸ್ವ<u>ಿ ಸಂಪ್ರದೇಶಿಯ ಸಹಸ್ಥಿ ಸಾ</u>ರ್ವಿಸಿ ಸಮ್ಮಾನಿ ಸಂಪ್ರದೇಶಿ ಸಮಯವಾಗಿ ಸಂಪ್ರದೇಶಿ ಸಮಯ (1) M/s. Nanesha Promoters & Builders, 549, Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Salim Sidique Umarmulla, R/o 802, Bhavani Peth, Yaquib Nagar, Pune-2. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 389/B, Flat No. 15 on 2nd floor, Bhavani Peth, Pune. (Area 785 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2697/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2218/1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, 1st floor, S. No. 128, 4/17, Aundh, Pune-7

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 /11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsa'd property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust, Shevneri, 370 Mangalwar Peth, Pune-11 through

Shri K. V. Shah, Promoter.

(Transferor)

(2) Shri B. D. Keskar & Shri V. B. Keskar, R/o 14/296, Lokmanya Nagar, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7.

(Area 920 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2218/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incmoe-tax Acquisition Range Poons

Date: 10-3-1986

Seal ·

PORM ITHE

(1) M/s. Bhagwan Palav & Sons. 1272, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) of 1961)

(2) M/s. Sansar, 1087, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 5th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2161|1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4 ground floor. 1272 Sadashiv Peth, Pune-30 situat-

ed at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fire en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler:

b) facilitating the concealment of any income or un) sacys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

if any, to the o said property made in writing to the unders

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, 1272, Sadashiv Peth, Pune-30. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC., Acquisition Range, Pune, under document No. 2161/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Patkar Builders, Patkar Building, Patkar Road, Dombivli (E).

(Transferor)

(2) Shri P. K. Durve, R/o Yashodhan, Rajaji Path, Dombivli (E).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4228/1985-86.-

Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 16 on the 4th floor in he building Share Vaibhav Apartments, Tilak Road, Dombivli (E) situiated at Dombivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 on the fourth floor in the building "Shree Vaibhav Apartments" Tilak Road, Dombivli (E). (Area 623 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4228/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely .-

Date: 24-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE PUNE

Pune, the 21st March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4318|1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302 on third floor in Vardhaman Park.

Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay

situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforefaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Westite-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Vardhaman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre. Sir M. V. Road, (Andheri Kurla Road) Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. P. B. Bansal, 1/9, Garden Apartments, Sion, Trombay Road, Chembur, Bombay. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 on third floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, D B C Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document (No. 4318/1985-86 in the month of Sept. 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 21-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 21st March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4307[1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/and bearing No.
Flat No. 602, on 6th floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tun Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Vardhaman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road), Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

 Smt. Sarita L. Bansal, B-1, Bindu Centre Tilak Road, Santacruz (W), Bombay.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, on 6th floor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4307/1985-86 in the month of Sept. 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore in purposed of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-3-1986

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2449|1985-86. hereas, I, ANIL KUMAR,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty having a fair market value exceeding . 1,00,000/- and bearing No.

at No. 6, "Snehal Apartments" Plot No. 2, S. No. 1+52+53A, Parvati, Pune

nated at Pune

nd more fully described in the Schedule annexed hereto) s been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 08) in the office of the Registering Officer

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 an apparent consideration which is less than the fair trket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid zeds the apparent consideration therefor by more than com per cent of such apparent consideration and that the neideration for such transfer as agreed to between the riles has not been truly stated in the said instrument of asfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac., in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-18-46GI/86

Mr. R. V. Joshi, Power of Attorney Holder for Smt. P. P. Sheth, 42 Gururaj Co-operative Housing Society, Paud Road, Kothrud, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. J. K. Gadre, and Mrs. J. J. Gadre, Plot No. 99, Mahajan Bungalow, P.M.T. Colony, Sahakarnagar No. 2, Pune-9,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, "Snehal Apartments" Plot No. 2, S. No. 50+52+53A, Parvati, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2449/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 24-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 12th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ./CA-5/37EE/2263/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, IInd floor, at Plot No. 7, out of F.P. No. 494, T.P.S. No. III, Parvati, Pune-9 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Pravinkumar A Mehta, & 3 others. Vandana Apartment, 494/4, Parvati, Pune-9.

(Transferor)

(2) Shri Ashok N Shah and Mrs. Prafullata A Shah. 333, Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, IInd, floor at Plot No. 7, out of F.P. No. 494, T.P.S. No. III, Parvati, Pune-9. (Area 850 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2263/1985-86 in the month of Sept. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 12-3-1986

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC, ACQ/CA-5/37EE/4311|1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 122 on First floor, in Vardhaman Market Plot No. 75, Sector No. 17, D. B. C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the Office of the Registering Officer 1908) in the office of the Registering Officer at at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more san fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act 1922 (11 purposes of the Indian Income-rax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. Vardhaman Constructions, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendar Sekhri & Mrs Sharda Sekhri, 69, Anand Park, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 122, on first floor, in Vardhaman Market Plot No. 75, Sector No. 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4311/1985-86 in the month of Sept. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 18-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2215|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 205, 2nd floor, S. No. 128, 4/17 Aundh,

Pune-7, situated at Pune-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabil of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, -922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust, "Shivneri" 370 Mangalwar Peth, Pune-11. through Shri Kirtisagar Vadilal Shah, Promoter, (Transferor)
- (2) Shri S. P. Gopal, 51/8 L.I.C. Colony, Ganeshkhind Road, Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, S. No. 128, 4/17, Aundh, Pune-7. (Area 920 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2215/1985-86 in the month of Sept. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2217|1985-86.- Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as areaed to between

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1997);

(1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust, "Shivneri" 370 Mangalwar Peth, Pune-11. Through Shri Kirtisagar Vadilal Shah, Promoter, (Transferor)

(2) Shri K. S. Vithal & Shri K. V. Vishwanath, 103-B Shukrawar Peth, Jadhav Wada, Near Badami Haud, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thes Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st Floor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7. (Area 540 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered to the LAC. Association Papers Pune under

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 2217/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2212|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 105, 1st floor, proposed Traders Society, S. No. 128, 4/17, Aundh, Pune-7 situated at Pune

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Punc in Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust, "Shivneri" 370 Mangalwar Peth, Pune-11. Through Shri Kirtisagar Vadilal Shah, Promoter,

(2) K. K. Athavale, T-14-A Sarvatra Viihar, M.E.S. Colony, Bombay Poona Road, Kirkee. Pune-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, proposed Traders Society, S. No. 128, 4/17, Anudh Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2212/1985-86 in the month of Sept., 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 18-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2219|1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax-Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, ground Hoor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7 situated at Pune

and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trapafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trainsferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust, 370 Mangalwar Peth, "Shivneri" Pune-11. Through Shri Kirtisagar Vadilal Shah, Promoter, (Transferor)
- (2) Shri A. R. Bendre, 1170/22 Shivajinagar, Revenue Colony, Pune-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gunutle or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, S. No. 128, 4/17 Aundh Pune-7. (Area 920 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2219/1985-86 in the month of Sept. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 10-3-1986

FORM ITNS.....

(1) Raksha Lekha Sahakari Griha Rachana Sonstha No. 2, Maryadit, Uma Shankar, Plot No. 46, Bajiprabhu Society, Sahakarnagar, Pune.

(Transferor)

(2) Mrs. Sundari Subramaniam, 143 B/2 Somwar Peth, Pune-11.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/3049|1985.86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Building No. C-6 in Plot No. F.P. 375 Sangamwadi (Koregaon Park) Kavadewadi, Pune-1 in Raksha Lekha Sahakari Griha Rachana Sanstha 2 Maryadit, Pune situated at Pune Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trucky stated in the said instrument of transfer with the object of

transfer with the object of :-

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westla-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 Building No. 6 in Plot No. F.P. 375 Sangamwadi, (Koregaon Park) Kavadewadi, Pune in Raksha Lekha Sahakari Griha Rachana Sanstha 2 Maryadit, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3049/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 24-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ushagram, P. S. ASANSOL Dt. Burdwan.

(1) Smt. Bhinder Kaur

(Transferor)

(2) Smt. Mira Devi W/o Sr. Kailash Prosad K.S. Road, Railpara, Asansol,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1986

No. AC-1/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 114/1 situated at G.T. Road, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R. Asansol on 12-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ARVE FEET
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely .--19—46GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 7K. 8Ch land with building. Address: 114/1, G. T. Road (East) P. S. Asansol, Dt. Rundwan. Deed No.: 4766 of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-IV, Calcutta.

Dated: 8-4-1986

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Roma Mukherjee W/o Sri Manu Mukherjee Sri Tapan Kr. Mukherjee 3/23, River Side Township Burnpur, Dt. Burdwan.

(Transferor)

(2) Smt. Mira Roy W/o Dr. B. K. Roy G-2, T.S. Flat Burnpur Dt. Burdwan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1986

Ref. No. AC-2/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the incomovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 89 situated at M.N. Road, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R. Asansol on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fafteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the asquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serviceo of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3K-1Ch-31 sq. ft. land with buildings.

Address: 89, M.N. Road, Mouza & P. S. Asansol, Dt. Burdwan.

Deed No.: 4778 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the accommittion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th April 1986

Ref. No. AC-4/Acq.R-IV/Cai/86-87.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

7 situated at Duffer's Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. (Cal) on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Arun Kumar Sen Official Receiver, High Court, Calcutta. (Transferor)
- (2) Pulin Behari Sarkar,7, Duffer's Street,P. S. Bally, Howrah.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 120 cottahs land with building.
Adderss: 7, Duffer's Street, Mouza-Malipanchghora, P. S.
Bally, Howran.

Deed No.: 11385 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1986

Ref. No. AC-5/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 246(66) situated at G.T. Road, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. (Cal) on 20-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Bajrangbali Engineering Co. Ltd., 246(66), G. T. Road, Liluah, Howrah.

(Transferor)

(2) M/s. Kwality Steel Industries, 134/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-700-007. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Flat No. 'C' on the eastern side of the 2nd floor. Address: 246(66) G. T. Road, P.S. Bally, D. Howrah.

Deed No.: 12192 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta

Dated: 10-4-1986.

M/s. Bajrangbali Engineering Co. Ltd., 246(66) G. T. Road, Liluah, Howrah.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACE, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1986

Ref. No. AC-6/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 246(66), situated at G.T. Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. (Cal) on 20-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferor)

(2) M/s. Lakshmi Engineering Works, 134/1, Mahatma Gandhi, Road, Calcutta-700-001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Flat No. Type 'B' on the eastern side of the 2nd

Address: 246(66) G.T. Road, P.S. Bally, Dist. Howrah. Deed No: 12193 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:

Dated: 10-4-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACOUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1986

Ref. No. AC-7/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 246(66) situated at G.T. Road, Howrah.

246(66) situated at G.T. Road, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. (Cal) on 20-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Bajrangbali Engineering Co. Ltd., 246(66) G. T. Road, Liluah, Howrab.

(Transferor)

(2) Smt. Shyama Devi Agarwal, W/o Sri Durga Dutt Agarwal, 196, Girish Ghosh Road, Belurmath, P.S. Bally,, Howrah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ext 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Flat No. C/1, on the southern side of the 2nd floor. Address: 246(66) G.T. Road, P.S. Bally, Dt. Howrah. Deed No.: 12195 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-IV, Calcutte

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:—

Dated: 10-4-1986.

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Mihir Lal Mukherjee, 4-A, Little Russell Street, Calcutta-700 071. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Biswanath Dutta, Lal Bazar, P.S. & Dist. Bankura.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th March 1986

Ref. No. AC-43/Acq.-R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 349B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Demurarigopinathpur Bankura

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the D.S.R. Bankura on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: 12 3/4 decimal of land with building.
Address: Mouza-Demurarigopinathpur, P.S. & District Deed No.: 7614 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following serious, namely:—

Date: 24-3-1986

FORM I.T.N.S .--

(2) Sri Samir I al Mukherjee, 79, Russa Road (East). Tollygunge, Calcutta-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Gouri Shankar Lohia, Kesiakola, P.S. & Dt. Bankura, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th March 1986

Ref. No. AC-42/Acq.-R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000%— and bearing situated at Demurarigopinathpur, Bankura.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

D.S.R. Bankura on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: 12-3/4 decimal of land with building. Address: Mouza-Demurarigopinathpur, P.S. & Dt. Bankura. Deed No.: 7613 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-3-1986

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Nilima Dasgupta, C/o Dr. H. Dasgupta, 36, Shok Row, Ganguly Bagan, Calcutta-700 084.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Mukherjee. C/o Shri P. C. Mukherjee, EDE Engineering Co. (P) Ltd., P.O. Silchat-I, Assam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd January 1986

Ref. No. ΛC-30/Acq.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Nil situated at Mouja-Sonamukhi, P.S. Kharagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kharagpur on 31-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-for 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
20—46GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10 Decimal with building.

Address: Vill. Prembazar, Hijil, Mouja-Sonamukhi, P.S. Kharagpur, District Midnapore.

Deed No. 3261 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Caclutta-700 016

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1986

Ref. No. AC-41/Acq.R-IV/Col/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 145, 146 & 146/A situated at Mahatma Gandhi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Hooghly on 9-8-1985

D. R. Hoogaly on 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26925 11 the said Act, as the following persons, namely:—

 Sudhir Kumar Chakravarty, Swapan Kr. Chakravarty, Tapan Kr. Chakravarty, Bulbul Chowdhury, Smt. Aparna Moyee Chakravarty, 115/A, M. G. Road, Chinsurah, District Hooghly.

(Transferor)

(2) M/s. Favourite Small Investment Ltd., 83, Park Street, Calcutta-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be suide in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: District Hooghly, P.S. & Mouza-Chinsurah, J. L. No. 20, Touzi No. 2076, R.S. No. 513, Kh. No. 759, Dag No. 7018, Premiscs.

Address: No. 145, 146 & 146/A, Mahatma Gandhi Road, Hooghly.

Deed No.: 5531 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Caclutta-700 016

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1986

Ref. No. A.P. No. 5983.—Whereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter volume to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule

situated at Jahankhelan (Hoshiarpur)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshianpur on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andles.
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been on which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income in. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Raksha Rani W/o Krishan Dev Singh, R/o Janankhelan, Distt. Hoshiarpur.
- (2) Shri Gurbir Singh S/o Sujan Singh, Miss Jatinder Kaur D/o Balbir Singh, R/o Vill. Bajwara Distt. Hoshiarpur, through Baljit Singh (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of rablication of this notice in the Official Guzetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (5) by any other person interested in the said isomerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The torne, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 69K 8M land in Village Jahankhelan (Hoshiarpur) and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1628 of August 1985 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1986

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6000-6001 -- Whereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namaly:---

(1) Shri Hira Lal S/o Sant Ram of Azad Hind Dairy, Bazar Sheikhan, Jalandhar.

(2) Shrimati Jasvir Kaur W/o Jogander Singh r/o 195-L, Model Town, Ludhiana (R.D. No. 2774) and Barinder Kaur, W/o Amarjit Singh r/o 486-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferenic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop No. WB-362 situated in Bazar Sheikhan, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2774 and 2807 of August, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> R. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6002-6003.—Whereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in anspect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Vijay Property Dealers, Adda Hoshiarpur, Jalandhar through Sh. Kapil Dutt Mahey s/o Sh. Daulat Ram.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamaljit Kaur W/o Mohan Singh (R.D. No. 2874) and Gurcharan Singh s/o Mohan Singh R/o 21-Parkash Nagar, Jalandhar C/o Khalsa Book Depot, 25-Ashtosh, Mukerji Road, Bhawanipur, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Parkash, Nagar near Model Town, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2874 & 2882 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1986

"OTTCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF PULLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6004-6005.—Whereas, I R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule

situated at Jalandhar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ollice of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) localitaring the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta: Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Ramesh Verma s/o Ishar Dass r/o 124-New Grain Market, Jalandhar C/o X-Ray Clinic, Dhiman Market Jail Road, Jalandhar.

(2) Shrimati Balbir Kaur W/o Darshan Singh and Darshan Singh s/o Jagat Singh r/o T-2/101, S.V. Road, Sunder Nagar, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said harmovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice to the Official Cazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property Plot area 1K-1M-153 S.ft. situated in Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2752 and 2764 of August 85 of Registering Authority, Jalandhar.

> R. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-4-1986

(1) Shrimati Sukhwant Kaur W/o Tej Mohan Singh r/o 272-Model Tonw, Jalandhar.

(2) Shri Harbans Lal S/o Arjan Dass, Adda Basti

Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6006-6007.-hereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

so per Scheduled situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar

on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income in any moneys or other assets which have not been or which might to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the nequilities of the said property may be made in writing to the undersigned....

(a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLARATION:—The terms and expressions used herein #8 Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Property situated at Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2592 and 2606 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

> R. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6008-6009-6010-6011.—Whereas, I, R. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and Searing

Rs. 1,00,000/- and cearing situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registration Office at Jalandhar on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair mathet value of the aforesaid property and I have reason as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- ib) raciditating the concealment of any income of any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the unreses of the indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sham Piari W/o Madan Lal r/o Tanda Road, Jalandhar Mukhtiar Mohinder Singh S/o Surat Singh r/o 486-Preet Nagar, Sodal Road. Indl. Area Jalandhar.

Transferor)

(2) Shri Jang Bahadur Singh s/o Mohinder Singh R.D. No. 2703), Harvinder Singh s/o Mohinder Singh (R.D. No. 2790 & Surrinder Kaur w/o Jang Bahadur Singh (2816) Ravinder Kaur w/o Harvinder Singh 486-Preet Nagar, Sodal Road, Jalandhar (2904)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated in Shiv Nagar, Sodal Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2703 2790-2816 & 2904 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AMESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIANDHAR

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref No. A.P. No. 6012-6013.—Whereas I, R.R. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug. 1985 and Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/o.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922

 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. 10 the following persons, namely:—

21--46GI/86

- Shri Janak Raj s/o Gurdial Mal, 21-Sat-Nagar, Jalandhar and Kamlesh Kapur W/O Om Parkash R/O ND-146, Bikram Pura, Jalandhar.
 - (Transferor)
- (2) Shrimati Iasbir Kaur w/o Gurdip Singh Bhatia R.D. 2870) and Bhupinder Kaur w/o Tej Mohan Singh Bhatia r/o 179-New Vijay Nagar, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 179 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2870 of Aug. 85 and 5847 of Feb. 86 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIANDHAR

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref. No. A.P. No. 6014-6015.—Whereas, I, R.R. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the Ir.come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferredunder Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Jalandhar on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sohan Lal s/o Karam Chand Kapur R/O G-I-938, Sarojni Nagar, New Delhi now at NE-204, Adda Hoshiarpur, Jalandhar (2641) and Virender Kumar s/o M.L. Kapur r/o NE-204, Jalandhar (2642).

(Transferor)

(2) Shri Sunil Grovers s/o Sunder Lal r/o 4/183, Central Town, Jalandhar (2641) and Madhu Grover w/o Gulshan Grover 94-Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. NE-204 (BI-599) situated at Adda Hosiharpur Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos: 2641 and 2642 of August, 85 of the Registering Authroity, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

(1) Shrimati Kundan Kaur w/o Mohan Singh r/o 525-New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avtar Singh s/o Pritam Singh and Dr. Smt. Kuldip Kaur w/o Avtar Singh r/o V. Khara Maja Tehsil Jalandhar.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIGNER OF INCOME-TAX COMMIS

ACQUISITION RANGE JAIANDHAR

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref. No. A.P. No. 6016.-Whereas I, R.R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

lalandhar on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeurable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property Plot No. 525 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2875 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar,

> R. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JAIANDHAR**

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref. No. A.P. No. 6017-6018,-Whereas I. R.R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, a respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Shiv Kumar, Roshan Lal, Romesh Chander S/o Gopal Dass 1/0 EF-369, Mandi Road, Jalandhar.
- (2) Shri Vinod Kumar s/o Herbans Lal r/o EK-251, Phagwara Gate, Jalandhar (2622) and Sawarn Chopra w/o Vinod Kumar r/o as above. (2626). (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 75/Street-4, situated in Central Town Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed Nos; 2622 and 2626 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

> R. R. GUPTA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Page 7 Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE **JAIANDHAR**

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref. No. A.P. No. 6019-6020.—Whereas I, R. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Jalandhar I Lac

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandher on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabling of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruomeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tamely :-

(1) Shri Bodh Raj S/o Hem Raj r/o 63-Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Nath Sharma 8/0 Ravinder Nath (R.D. No. 2680) and Veena Sharma w/o Bhupinder Nath r/o E-2, Dilkusha Markte, Jalandhar (R.D. No. 2753).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used nerein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property plot No. 319 situated at Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos; 2680 & 2753 of August, 85 of the Registering -Authority, Jalandhar.

> R. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 31st March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/126/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Sestion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 153 kanals 6 marks situated at Vill. Budanpur uraf Sakanpur Tch. Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karnal under Registration No. 1907 dated 7-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Inderjeet Kaur w/o Sh. Amrik Singh, Smt. Satbir Kharlanda w/o Sh. Paramjeet Singh, r/o 480, Model Town, Karnal.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Iqbal Chand Nagpal; 2. Sh. Vimal Kant Nagpal ss/o Sh. Chiranji Lal r/o 844/13, Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gener

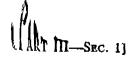
EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Ch

THE SCHEDULE

Property being land measuring 153 kanals 6 marlas situated at Budanpur uraf Sakanpur Teh. Karnal and as more mentioncd in the sale deed registered at Sr. No. 1907 dated 7-8-85 with the Sub-Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Auhority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date , 31-3-86



(1) 1. Sh. Gobinda; 2. Sh. Jai Singh ss/o Sh. Ram Dhan r/o vill, Sukhrali Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ansal Property & Industries Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/85/85-86-Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing land 20 kanals 15 marlas situated at Vill. Sukharali (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2551 dated 13-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax .Lot. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals 15 marlas situated at village Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2551 dated 13-8-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-4-86

*** **** *******

- ----

FORM ITNS--

(1) Sh. Chander Bhan s/o Sh. Ram Lal r/o Sarhol Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Paragon Real Estate & Apartment Pvt. Ltd., 21, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/72/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 22 kanals 19 marlas situated at Vill. Shahpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2385 dated 2-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 22 kanals 19 marlas situated at village Shahpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2385 dated 2-8-85 with the Sub-Registrar. Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-4-86

FORM NO. I.T.N.S.-

S/Sh. Risal Singh;
 Surajan Singh;
 Rijak Ram;
 Smt. Chhoti r/o Vill. Sukharali Teh. Gurgaon.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Suraj Construction & Estato (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/86/85-86,---Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 23 kanals 8 marles situated at Vill. Sukharali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 2552 dated 13-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 slays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Weslebrist Act, 1957 (37 of 1967))

Property being land 23 kanals 8 marlas, Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2552 dated 13-8-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, & sursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accreased property by the leave of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ny sniek namely:--#4GL/86

Date: 11-3-86 Seal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7-4-86

Ref. No. I.A.C. Acq. GRG/176/85-86.—Whereas I, B.L. KHATRI
being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-/- and bearing No. Land 38 kanals 2 marlas situated at Vill. Choma (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2918 dated 30-8-85 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

2. Sh. Dharam Singh S/o Sh. Indraj

- Sh. Ranbir Singh s/o Sh. Sada Ram
 Smt. Dhanpati w/o Sh. Balbir Singh r/o Cartarpuri Teh. Gurgaon.
- 2. M/S Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days froza the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 38 kanals 2 marlas situated at vill. Choman and as more mentioned in the sale deed registered at S_{Γ} . No. 2918 dated 30-8-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

(B.L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in possuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the coresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following periods, namely:

Date 7-4-86 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh. Dhupan Singh s/o Sh. Tara Chand r/o vill. Choma Teh. Gurgaon.

(Transferor)

2. M/S Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115

Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1986

Ref. No. I.A.C. Acq. GRG/97/85-86.—Whereas I, B.L.KHATRI teeing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 28 kanals 15 marlas situated at Vill. Choman (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2673 on 23-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wrich ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land 28 kanals 15 marlas situated at village Choma and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2673 dated 23-8-85 with the Sub Registrar,

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 7-4-86 Seal:

Gurgaon.

THE SCHEDULE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th March 1986

Ref. No. I.A.C. Acq. GRG/79/85-86.—Whereas I, B.L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 44 kanals situated at village Kanhai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2437 dated 6-8-85 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ram Chander s/o Sh. Ghamandi r/o Kanahai Teh. Gurgaon.

(Transferor)

 M/S Green Park Builder & Promotor (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals situated at vill. Kanhai and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2437 dated 6-8-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2678.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Plot No. D-143-A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-8-1985

at Jaipur on 8-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment at transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Natwar Behari Lal Mathur, S/o Mohanlalji Mathur, R/o D-143-A, Savitri Path Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dharamchand, S/o Mool Chand,
Manorma, W/o Dharamchand.
Naresh Kumar, S/o Mool Chand & Anina Devi,
W/o Naresh Kumar, R/o Narayana, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. D-143 situated at Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2013 dated 8-8-1985.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 10-4-1986

Scal:

(1) Shri Major Bupender Singh, 358-Sanik Vihar, New Delhi.

100 Dhuleshwar Garden, Jaipur.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2679,—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 39 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the at Jaipur on 1-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;

(2) Shri Bikhab Chand, S/o Laxmichand Bagrecha,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wesleh-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 39 Rampura Housing Society Scheme No. 2 Afmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide Registration No. 1944 dated 1-8-85.

MOHAN SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1986

FORM ITNS--- --

(1) Shri Mandhata Singh, S/o Sangram Singh, R/o Devgarh Distt. Udaipur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Rao & Sh. Alok, Ss/o Mohan Lal Mehta. R/o Madhuban, Udaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2680.-Whereas. I.

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 13-C situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 13-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cere of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 13-C Fatchpura, Udaipur and morefully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 2368 dated 13-8-85.

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-4-1986

Scal:

(1) Shri Mandhat Singh, S/o Sangram Singh, R/o Devgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Devi, W/o Mohanlahi Mehta, R/o Madhuban, Udalpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2681.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and beairng No.

Plot No. 13-C situated at Udaipur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udaipur on 13-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the esaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13/8-C, Fatchpur, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 2369 dated 13-8-1985.

> MOHAN SINGH. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-4-1986

PORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2682.—Whereas, I. MOHAN SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. No. Ag. land Pratapgarh situated at Pratapgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pratapgarh on 16-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Shri Devi Prasad Singh, urf Devi Pratap Singh, S/o Sh, Harihar Nath Singhii Rajput, R/o Prtapgarh (Raj.).

(Transferor)

(2) Shri Kanwailal, S/o Bhawanji God, Malı, R/o Pratapgarh (Raj.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Chazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Agricultural land 11.25 Bigha situated at Pratapgarh and fully described in the sale deed registered by S.R. Pratapgarh Lort. Chittorgarh vide Registration No. 969 dated 16-8-85.

> MOHAN SINGH. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Jaipur.

Date: 10-4-1986

Seal:

23 -46GI/86

(1)Smt. Sumanlata Agrawal, Shri Sarad Agrawal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Navcen Gupta, Shri Narrotam Lal Gupta, R/o C-77, Sarojini Marg, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Rál./IAC (Acq.)/2683.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. C-77, Sarojini Marg Jaipur and fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide Registration 2036 dated 12-8-85.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2684.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. A-10 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 7-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under succession (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:— (1) Shri D. P. Gupta, S/o Shri Late Ganeshilal, R/o A-10/Tilak Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Rashmi Kant, Smt. Sumeda, Shri Mehul Ku, Monisha Durlabhji R/o A-2, Mahavcer Udhan Marg, Bajaj Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-10, Vijay Path, Tilak Nagar, Jaipur and fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide Registration No. 1991 dated 7-8-1985.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 10-4-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Rel. No. Raj. AC (Acq.)/2685.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 89 situated at Lade----

Rs. 1,00,000/2 and ocaling
Plot No. 89 situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhpur on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforciald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaide exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dev Kishan, Khandafalsa,

(Transferor)

(2) Shri Idaq Raj Mehta, S/o Kewalram Mchta, R/o Plot No. 89, Sector A Section 4 Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 89 Sector-a Section-4 Shastri Nagar, Jodhpur and fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur and Registration No. 2934 dated 12-8-1985.

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-4-1986

Scal:

(1) Shri Karan Singh S/o Jai Singhji Mahant, Jodhpur,

(Transferor)

NOTICE CARDLE SECTION 2690(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Girish Joshi, S/o J. Mukan Chand Bhimji, ka Mohalla, Jodhpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2686.-Whereas. I, MOHAN SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 25-C, situated at Jodhpur

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the onic, of the Registering Officer at (edhpur on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) racilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; end/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncorrigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25-C situated at Thakur Karan Singh ka Ahata, Panch Bati Air Force Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide registration No. 2936 dated 12-8-1985.

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. NARAYANI NILAYAM. WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ret. No. L.C. 792/86-87.—Whereas, I.P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. as per Schedule, situated at Moilathra. No. as per Schedule, situated at Moilathra (and more fully described in the Schedule anneyed hereto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 20-9-1985 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. S/s. Asharaf Ali.
 - 2. Shamema.
 - 3. Ansar. 4. Illias,
 - 5. Lila Sulaiman.
 - 6. N. L. Abdul Azcez. 7. K. I. Salim.

 - 8. K. T. Nazar. 9. Hussain Ibrahim.
 - B. K. Sulekkha Beevi.
 N. E. Fathima Beevi.

 - Mohamed Ismail.
 Mohammed Khan,

 - 14. Rusecfa Nursalam.
 - 15. Ibrahim Abdul Rahim.
 - 16. Mohammed Khan Ismail 17. Mohammed Khan Abdul Salam,
 - 18. Suhara Meerannan. Partner; M/s. Aini Plantations, Parakkal Buildings, Kanjirapilly.

(Transferors)

(2) Shri M. C. Varghese, Mangalappilly House,

Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gusette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

52.6 acres of rubber estate with buildings in Sy. No. 8%. situated at Kavilampara Amsom, Moilathra Desom, registered at Sub Registry Office, Kavilampara, Calicut vide document No. 2111/85 dt. 20-9-1985.

> P. THIAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulard.

Date: 8-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, NARAYANI NILAYAM, WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 793/86-87.—Whereas, J, P. THIAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding No as per Schedule, situated at Moilathra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 20-9-1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of tth yibaileil of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said vici. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. S/s. Asharaf Ali.
 - 2. Shamema,
 - 3. Ansar.
 - 4. Illias,

 - 5. Lila Sulaiman. 6. N. E. Abdul Azeez, 7. K. I. Salim. 8. K. I. Nazar.

 - 9. Hussain Ibrahim.
 10. B. K. Sulekha Beevi.
 11. N. E. Fathima Beevi.
 12. Mohammed Ismail.
- 13. Mohammed Khan.14. Ruseefa Nursalam.15. Ibrahim Abdul Rahim.
- 16. Mohammed Khan Ismail,
- 17. Mohammed Khan Abdul Salam,
- Suhara Meerannan. Partner: M/s. Aini Plantations, Parakkal Buildings, Kanjirappilly.

(Transferors)

(2) Mrs. Claramma Varghese, W/o, Shri M. C. Varghese, Mangalam Publications, Kottyam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

42.6 acres of nubber estate situating in Sy. No. 89 Moilathra Desom, Kavilampara Amsom, registered at Sub Registry Office, Kavilampara, vide document No. 2305 dt. 25-10-85.

> P. THIAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-4-1986

Shri P. P. Sunny.
 S/o. Shri P. D. Poulose,
 Kangangala Village, Kozhikode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NARAYANI NILAYAM, WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 794/86-87.-Whereas, I. P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

No, as per Schedule, situated at Moilathra more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kavilampara on 18-10-1985

to an apparent consideration which is less than the fair Laters that the fair market value of the property as aforesaid friends the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the process has not been truly stated in the said instrument of the with the object of:— Shri Sajan Varghese, S/o. Shri M, C. Varghese, Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4) days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

30 acres of rubber estate with a building in Sv. No. 89 at Modathia Desom, Kavilampara Amsom, registered at the Sula Registry Office. Kavilampara vide document No. 2305 dt. 18-10 1985.

> P. THIAGARAJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Frnakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NARAYANI NILAYAM, WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 795/86-87.—Whereas, I, P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

No. as per Schedule at Moilathra

situated at Madras-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kavilampara on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpesses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saud Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons. namely:—24—46GI/86

 Shri P. D. Poulose, S/o. Shri Devassykutty, Pengiparambil, Kangangala Village, Kozhikode.

(Transferor)

(2) Shri Saji Varghese, S/o Shri M. C. Varghese, Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ouzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, chall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.06 acres of rubber estate in Survey No. 89 at Kavilampara Amsom, Moilathra Desom, registered at Sub Registry Office, Kozikode, vide document No. 2043, dt. 13-9-1986.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-4-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, NARAYANI NILAYAM, WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 7966/85-86.—Whereas, I. P. THIAGA-RAJAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-

No, as per Schedule, situated at Moilathra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 24-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri P. D. Poulose. S/o Devassykutty. Pengiparambil, Kangangala Village, Kozhikode. (Transferors)
- (2) Shri Saji Varghese, S/o Shri M. C. Varghese, Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13.55 acres of rubber estate situated in Survey No. 89 at Kavilampara Amsom, Moilathra Desom, registered at the Sub Registry Officer, Kavilampara on 24-8-1986 vide document No. 2254.

> P. THIAGARAJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE NARAYANI NILAYAM, WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 797/86-87.-Whereas, I, P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Moilathra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kavilampara on 24-8-1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- Shri P. P. Denny,
 S/o Shri P. D. Poulose
 Pengiparambil Kangangala Village Kozhikode. (Transferor)
- Shri Saji Varghese, S/o, Shri M. C. Varghese, Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

27 acres of Rubber Estate situated in Moilthara Desona, Kavilampara Amsom, registered at Sub Registry Office Kavilampara, vide document No. 2252/85, dt. 24-8-1985.

P. THIAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NOOME-TAX AC), 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. P. Denny, S/o. Sri P. D. Poulose, Kangangala Village, Kozhikode.

(Transferor)

(2) Shri Sabu Varghese, S/o. Sri M. C. Varghese, Mangalam Publications, Kottavam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE ARAYANI NILAYAM WARRIAM ROAD

Cochin-662 016, the 8th April 1986

Ref. No. L.C.798/86-87,-Whereas I, P. THIAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No, as per schedule at Moilathra.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 11-10-1985

for an apparent consideration , such as tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to colleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as assess to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of i-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty. may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evenion of the life of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

29.55 acres of rubber estate with a building in Survey No. 89 at Moilathra Desom, Kavilampara Amsom, registered at the Sub Registry Office, Kavilampara, vide document No. 2353 Dt. 11-10-1985.

> P. THIAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. P. Denny, S/o. Sri P. D. Poulose, Kangangala Village, Kozhikode.

(Transferor)

 Shri Sabu Varghese, S/o. Sri M. C. Varghese, Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE NARAYANI NILAYAM, WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin-662 016, the 8th April 1986

Ref. No. L.C.799/86-87.—Whereas I, P. THIAGARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Moilathata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or

1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of.
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3.45 acres of rubber estate in Sy. No. 89 at Kavilampara Amsom, Moilathra Desom, with a building, vide document No. 2046 Dt. 13 9-1985.

P. THIAGARAJÁN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1986

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RAINGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. LDH/288/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H. No. B-18-3612, situated at South Model Gram Ludhiana
(and more fully described in the Schedule appeared herete)

H. No. B-18-3612, situated at South Model Gram Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ma Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Rajinder Singh Wadhva s/o. Sh, Dayal Singh Wadhva r/o. H. No. 1804 Sector 33D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdial Singh. 5/o Sh. Harmander Singh r/o House No. 17 South Model Gram Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-18-3612 South Model Gram Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 7709 of August 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Ludhiana

Date: 9-4-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Kewal Krishan s/o Sh. Shiv Chand r/o H. No. B-21-622/11, Janta Nagar Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Inswinder Kaur w/o Sh. Surinder Singh r/o Knilash Nagar, 442, Gagandeep Colony, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. LDH/285/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Share of House No. B-21-622/11, situated at Gali No. 2, Janta Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned '--
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Share of H. No. B-21-622/11 Janta Nagar Gali No. 2, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7269 of August 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

s/o Sh. Shiv Chand r/o B-21-622/11, Janta Nagar Ludhiana.

(2) Sh. Surinder Singh s/o Sh. Amar Singh r/o Kailash Nagar, 442, Gagandeep Colony,

(1) Sh. Kewal Krishan

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. LDH/286/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Share of H. No. B-21-622/11, situated at Gali No. 2, Janta

Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1985

at Ludmana in August 1988
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such apparent
consideration and the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
and Instrument of Transfer with the object of :--said Instrument of Transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Share of H. No. B-21-622/11, Junta Nagar, Gali No. 2, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No.

7301 of August 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-4-1986

Scal:

-= - ----

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Kewal Krishan s/o Sh. Shiv Chand r/o B-21-622/11, Janta Nagar Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur w/o Sh. Reminder Singh r/o Kailash Nagar, 442, Gagandeep Colony, Ludhiana.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. LDH/290/85-86.— Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Share of H. No. B-21-622/11, situated at Gali No. 2, Janta Nagar Ludhiana

(and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1985

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Share of House No. B-21-622/11, Janta Nagar Gali No. 2, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 8078 of August 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

25—46GI/86

Date : 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHJANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/129/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competen Atuthority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 100, situated at Sector 23A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the Office of Registering Officer Chandigarh in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Capt. V. K. Mehta, H. No. 70 Sec. 8A, Chandigarh. Smt. Anupam Mehta r/o H. No. 70 Sector 8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Master Rupinder Pal Singh Smt. Kamal r/o 6A-3, Housing Board Colony, Jhaku, Shimla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 100 Sector 23A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 701 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Seal:

Date: 9-4-1986

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RAINGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. CHD. 108/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 3321, situated at Sector 27D, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on
Chandigarh in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Sardul Singh Vilkhu
 So Sh. Lal Singh
 H. No. 235, Sector 19A,
 Chandigarh through his general attorney
 Smt. Sheela Devi
 W/o S. Dadeep Singh
 To H. No. 3264 Sector 27 D,
 Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Dalip Singh 8/0 Sh. Sawan Mall r/0 H. No. 3321, Sector 27D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Bheem Sain Chopra Sh. Bhajan Singh both r/o H. No. 3321, Sector 27D, Chandigarh.

(Persons in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3321, Sector 27D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sade deed No. 572 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Scal:

Date: 11-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sona Devi w/o Sh. Ram Kumar r/o House No. 3102, Sector 22D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S. Gurvinder Singh 8/0 S. Sohan Singh r/0 SL-5, Anand Vihar, Jail Road, Delhi-64.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/111/85-86.—
Whercas I, JOGINDER SINGH,
being the Competen Atuthority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 3102 Sector 22D, situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Chandigarh in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
titteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
consideration for such transfer as agreed to between the
sarties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

House No. 3102 Sector 22D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 580 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RAINGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. KHR/43/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 50, situated at Phase 3-B-1 Mohali, Teh. Kharar
Kharar in August 1985
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Chandigrah in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
filteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under-the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bility the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Jasbir Keur w/o Sh. Surinder Singh r/o H. No. 48 Sector 27A Chandigarh GPA of Sh. Rattan Singh s/o Sh. Roora Ram r/o 270 Sector 35A, Chandigarh.

(2) Sh. Narinder Singh s/o Sh. Balbir Singh r/o H. No. 213 Sector 15A, Chandigarh.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any or in caroresaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50 Phase 3-B-1, Mohali Teh. Kharar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 2788 of August 1985 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/127/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1722 situated at Sector 34D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Sarjit Singh s/o Sh. Mit Singh through his general power of attorney Sh. Gurdial Singh Dhillon, s/o Sh. Kehar Singh, r/o H. No. 1722 Sector 34D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur Kohli, w/o Late S. Sohan Singh Kohli r/o 8A, Pali Hill Road, Khar, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1722 Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 685 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiane

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1986

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhlana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/109/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 1818, situated at Sector 34D, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
office of the Registering Officet at
Ghandigarh in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hte transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Devinder Singh Grewal s/o Sh. Parja Singh Grewal r/o H. No. 149, Defence Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Dalip Singh s/o Sh. Gurdit Singh r/o Vill. & P. O. Nawan Pind Donewal Distt, Jalandhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1818 Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 574 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. CHD/131/85-86.-Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 1260, situated at Sector 8C, Crandigarh Road, Borivii (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigrah in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Tilak Raj Sethi s/o Sh. Brij Lal Sethi r/o Ladwa Distt. Kurukshetra Harvana.

(Transferor)

(2) Smt. Jagdish Kaur Bhinder D/o Sh. Hazara Singh Bhinder, v/o Vill. Jagral, Distt, Jalandhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1260 Sector 8C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 708 of August 1985 of the Registering Authority Chandi garh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/125/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 1599, situated at Sector 18D, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
of 1908) in the Office of the Registering Officer
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Chandigrah in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-46GI/86

 S. Dæljit Singh Cheema s/o S. Bahadur Singh, r/o Kothi No. 1599, Sector 18D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Teja Singh s/o Sh. Mela Singh and Smt. Sampuran Kaur w/o Sh. Teja Singh and Sh. Balwinder Singh s/o Sh. Teja Singh, through their general power of attorney S. Jaswant Singh s/o Sh. Ujjagar Singh r/o 1085 Sector 8C, Chandigarh. and Smt. Jasbir Kaur D/o Sh. Teja Singh r/o H. No. 1085 Sector 8C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1599 Sector 18D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 668 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. KHR/46/85-86.— Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 342, situated at Phase 3-B-1-Mohali Tch. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Jatinder Kumar s/o Sh. J. S. Singaria r/o H. No. 720 Sector 22A, Chandigarh attorney Smt. Sanch Prabha w/o Sh. Om Parkash Sharma r/o H. No. 548 Phase 2 Mohali Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Harcharan Singh Hanspal s/o Late Sh. Ishar Singh Hanspal r/o H. No. 548 Phase 2 Mohali Teh. Kharar. Now H. No. 342 phase 3-B-I Mohali Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 342 Phase 3-B-1, Mohali, Tch. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 2964 of August 1985 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-4-1986

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No.. KHR/42/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovnble property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

14. No. 3012, situated at Phase VII, Mohali Teh. Kharar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Kharar in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) Instituting the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-has Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Satendra Khera s/o Sh. Manohar Lal Khera and Smt. Krishna Khera w/o Sh. Satendra Khera r/o P-156-B Railway Colony Kalka Distt, Ambala.

(Transferor)

(2) S/Sh. Ravinder Pal Singh, Amartej Singh, and Gurpreet Singh ss/o Sh. Waryam Singh Lamba r/o E-28, Bali Nagar, New Delhi-15,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3012, Phase VII, Mohali Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2674 of August 1985 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-4-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

CHD/136/85-86.-No. Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]. Rs. 1,00,000/- and bearing No. SCF site No. 328, Motor Market, Commercial Complex situated at Mani Majra U. T. Chandigarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Acl, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Jagjit Singh & Sons, through S. Jagjit Singh s'o S. Mool Singh, r/o H. No. 17, Sector 27A, Chandigarh for self and as Lawful special attorney for his sons Sh. Varinderpal Singh, Sh. Bhupinder Singh, Surinder Pal Singh and Gurinderpal Singh r/o H. No. 17, Sector 27A, Chandigarh. (Transferor)

(2) S/Sh. Harjit Singh, Hardip Singh s/o S. Balbir Singh r/o 3227 Sector 15D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF site No. 328, Motor Market Commercial Complex Manimajra U. T. Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 702 of August 1985 of the Registering Authority Chandi-

garh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/122/85-86.— Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter rederred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House No. 75, situated at Sector 16A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule nunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigrah in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income existing from the transfers and/er
- (b) facilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Gian Devi w/o Late Sh. R. L. Rawal Sh. Yoginder Kumar Rawal, Sh. Narinder Kumar Rawal Ss/o Shri R. R. Rawal r/o H. No. 75, Sector 16A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S. Mohinder Singh Gill s/o S. Kartar Singh Gill r/o H. No. 1606, Sector 18D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 75 Sector 16A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 659 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-2-1986

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/126/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 2037, situated at Sector 21C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-asid exceeds the apparent consideration therefor by more-as an fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which cought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1937);

 Sh. Shanti Swaroop Sharma s/o Sh. Chhajoo Ram
 r/o H. No. 2037 Sector 21C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Baljit Kaur w/o S. Gurcharan Singh, r/o H. No. 2037 Sector 21C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons) whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2037 Sector 21C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 677 of August 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OL INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/133/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15th share of II. No. 1666, situated at Sector 7C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Periotryttion Act, 1008, (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of 1908) in the Office of the Registering Officer office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property has not been tally at the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration t ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Bhag Kaur wd/o Late S. Karam Singh, r/o H. No. 3309, Sector 40D, Chandigarh.

(Transferee)

 S. Sarmukh Singh s/o S, Hazara Singh r/o H, No. 1584, Sector 18D, Chandigarh,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of H. No. 1666 Sector 7C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 711 of August 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 9-4-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CO-SIGNMENT OF HOMA

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. PTA/11/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 17, Khasra No. 164, situated at Nihal Bagh, Patiala (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Patiala in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said sustrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the fransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Santosh Dhaliwal w/o S. Mohinder Singh Dhaliwal, r/o Nihal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Surjit Singh s/o Sh. Dalip Singh r/o Village Lakha, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 Khasra No. 164 at Nihal Bagh, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 3203 of August, 1985 of the Registering Authority, Patiala).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1986

Rcf. No. NBH/3/85-86.—Whoreas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projectly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing No.

Land mea uring 137 Kanals 19 Marlas, situated at Vill. Alipur, Teh. Nabha

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the coencalment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid r operty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—27—46GI/86

 S/Sh. Surinder Kumar, Vinod Kumar, Rajinder Kumar, ss.o Sh. Wazir Chand, r.o Vill, Alipur, Teh. Nabha.

(Transferor)

(2) Sh. Piara Singh s/o Sh. Nihal Singh, S Sh. Jagdish Singh, Apt Singh ss/o Sh. Piara Singh, Sh. Inder Singh s/o Sh. Nihal Singh, S/Sh. Gurdial Singh, Sukhdev Singh, Gurmail Singh, Karnail Singh, Hardev Singh, ss. o Inder Singh, (/o Vill. Alipur, Teh. Nabha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 137 Kanals 19 Marlas at Vill. Alipur, Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1911 of August 1985 of the Registering Authority, Nabha).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. LDH/284A/85-86.—Whereas I, IOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kothi No. 6A,

situated at Sarabha Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Jaswant Singh Ubhi s/o
 S. Naranjan Singh Ubhi,
 Ludhiana, 105 Bakluch Street Glasgo, U.K.
 through Sh. Jasbir Singh s/o
 S. Hari Singh r/o
 670/20, Gali No. 7, Partap Nagar,
 Ludhiana.
- (2) S. Mewa Singh s/o
 S. Jaswant Singh,
 r/o Village Boani, Teh. &
 Distt. Ludhiana.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Kothi No. 6A Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 7244 of August 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhians

Date: 11-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. LDH. 288A/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGII, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3 share of H. No. B-XX-1144/4, situated at Sathha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Mewa Singh s/o Sh. Jaswant Singh, r/o Village Boani, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur w/o Sh. Harbhajan Singh, & Sh. Na inder Singh s/o Sh. Harbhajan Singh, r/o 2, Harpal Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share of H. No. B-XX-1144/4, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 7989 of August 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-4-1986

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING LUDIIIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. PTA/10/85-86.—Whereas I, IOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludniana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 47 Kanal 1 Marla, situated at Heera Garb, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Garu Ram s/o Sh. Paru Ram, τ/o Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Mchar Singh s/o Sh. Gurnam Singh and S/Sh. Mohan Singh, Jasbir Singh, ss/o Sh. Gurdial Singh and S/Sh. Surinder Singh, Mohinder Singh, ss/o Sh. Gurcharan Singh, r/o Hecra Garh, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 47 Kanal 1 Marla at Heera Garh, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3076 of August 1985 of the Registering Authority, Patiala).

> JOGINDER SING~ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely --

Date: 11-4-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7491/85-86.—Whereas NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, 6th floor, Sunita Building, Cuffe Parade,

Flat No. 34, 6th floor, Bombay-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Au hority at

Bombay on 2-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: en@/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Kishore S. Sadh, Mr. Rohit S. Sadh, Mrs. Saroj D Sadh.

(Transferor)

(2) Mr. Lakhiram T Shivdasani,

(Transferee)

(3) Transferors.

((Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 6th floor, Sunita Building, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7044(A)/85-86 on 2-8-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 2-4-1986

FORM ITNS

(1) Shri Munir A. Kalvert,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Helendra D. Shah & Mrs. Dipika H. Shah. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Rcf. No. AR NISAR AHMED, AR-I/37EE/7628/85-86.—Whereas I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair marke, value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. D/205, 2nd floor, Simla House, Napeansea Road, Bombay-6.

have fully described in the Schedule annexed hereto), has been transier of and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bomoay on 14-8-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to Recads the apparent consideration therefor by more than the per cent of such apparent consideration and that the ounderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/205, 2nd floor, Simla House, Napeansen Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority Rombay, under No. AR-1/37EE/7174/85-86 on 14-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Date : 2-4-1986 Seal :

FORM ITNS----

(1) Shri Goshar Hirji Visharia & Smt. Hansaben G Visharia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kənjibhai Karamshi & Shri Mohanbhai Naranbhai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7708/85-86,-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the jm movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, G Block, Teveni Bldg. 66, Walkeshwar Road,

Bombay-6.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfer ed and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, G Block, Teveni Bldg. 66, Walkeshwar Road,

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7251/85-86 on 22-8-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :--

Date: 2-4-1986

Scal:

Per un transfer de la company de la company

FORM ITNS-

(1) Shri Navinchandra S Bhavsar.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra J Shah & Jayantilal J Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No AR-I/37EE/7820/85-86.—Whereas 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No.

Flat No. 43, 4th floor, Kedia Apartment, 29-F, Doongershi

Road, Walkeshwar, Bombay-6.

fond more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective normals, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, Kedia Apartment, 29-F, Doongershi Road, Walkeshwar, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7358/85-86 on 30-8-85.

N. SAR AHMED
Comp tent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 2-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr R S Screwwala & Soli K Screwwala, Mrs. Dolly S Screwwala.

(Transferee)

(2) Mrs. Vijay Sudha G Talwar.

may be made is writing to the undersigned :-

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7592/85-86.—Whereas NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 32, 8th floor, Guide Bldg., 16, L.D. Ruparel Marg,

Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-85

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 8th floor, Guide Bldg., 16, L.D. Ruparel Marg, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7139/85-86 on 9-8-85,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :- 28-46GI/86

Date: 2-4-1986

(1) Shri Shaukatali E Furniturewala & Smt. Zeenat S Furniturewalla.

(2) Mrs. Mehroo Keki Ganthi &

Miss Katy Keki Gandhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-400 038, the 24th March 1986

Ref; No. AR-I/37/EE/7594/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6B, 6th floor, Akash Ganga, 89, Bhulabhai Desai Road, Bontbay 26.
(Mild iffore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the tradering and:—

- (a) by any of the afferential persons within a period of n the date of publication of this section o Official Cazotto or a period of 30 days from he service of notice on the sespective persons, whichever period othirus laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 46 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions inset heretin as defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the said meaning as given in that Chapter:

THE SCHEDULE

Flat No. 6B, 6th floor, Akash Ganga, 89, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7149/85-86 on 9-8-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 24-3-1986

LORM ITNS

(1) Hiraben Vadilal Shah.

(3) Hiraben Vadilal Shah.

(Transferor)

(2) Malvika Hirachand Jhaveri.

(Transferee)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-400 038, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7576/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

roperty having a fair market value exceeding
Flat No. 57-A, Surya Kiran, New Surya Kiran Housing
Seciety Ltd., Pan Galli, Gowalia Tank, Bombay-36.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered
under section 269 AB of the Said Act in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 8-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
213—36 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 57-A, Surya Kiran, New Surya Kiran Housing Society Ltd., Pan Galli, Gowalia Tank, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7123/85-86 on 8-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Bomb

Date: 24-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Meera S Harite.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Bhogilal Jhaveri Shri Bhogilal B Jhaveri.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY-38**

Bombay-400 038, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7547|85-86.—Whereas NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

RS. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4, 1st floor, Dhanvantari Bhavan CHSL, 143-B,
August Kranti Marg, Bombay-36.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered
under section 269 AB of the Said Act in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 5-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income asising from the trans-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Dhanvantari Bhavan CHSL, 143-B, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7096[85-86 on 5-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 24-3-1986

(1) Smt. Ruxmini M Zaveri & Shri Sudhir M Zaveri.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat B Thakkar, Anil B Thakkar, Mr. Prabhodh B Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7659|85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000/- and beging No.

as the said Act. I. Have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 6, 2nd floor Hill View-15 Ridge Road, Bornbay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly chief in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-haz Act, 1937 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sal.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Hill View, Giri Darshan CHSL, 15, Ridge Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7204|85-86 on 19-8-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1986

(1) (a) Saema E. Lokhandwalla & (b) Sakina E. Lokhandwalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs, Goodlass Nerolac Paints Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th April 1986

AR-I/37EE/7622[85-86.-Whereas Ref. No. AR-NISAR AHMED, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 61 (North Wing) on 6th floor & Car parking space on ground floor of Bldg. "Carmel" situate on Plot Bearing C.S. No. 1/587 of Malabar Hill Division, 30, Napeansca Road, Bombay-400 006.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of a

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 304 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as4 are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61 (North Wing) on 6th floor & Car parking space on ground floor of Bldg. "Carmel" situate on Plot Bearing C.S. No. 1/587 of Malabar Hill Division, 30. Napeansca Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7167[85-86 of 12-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bomb

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Scal: Date: 11-4-1986

(1) Shri S. R. Devasthale, Reshimbagh, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. B. Rao, H. No. 377, Plot No. 71, Prashant Nagar, Amravati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 14th January 1986

Ref. No. JAC./ACQ/39/24/85-86.—Whereas J, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 377, Plot No. 71, S. No. 14, Prashant Nagar,

Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House bearing No. 377, Plot No. 71, S. No. 14, Prashant Nagar, Amravati. Plot area 1200 Sq. Ft. Construction 850 Sq. Ft.

THE SCHEDULE

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-1-1986